100 प्रमुखस्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव

वर्ष : 3 अंक: 265 मूल्य : 4 रू.
RNI No. -DELHIN/2019/78266
newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

मंगलवार, 24 मई 2022
राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र
दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

मोदी से भेंट कर जापानी कंपनियों के सीईओ हुए उनके मुरीद, भारत के भविष्य को बताया उज्ज्वल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने जापान की यात्रा पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने जापान के कई शीर्ष कारोबारियों से भेंट की। प्रधानमंत्री ने जापान की कंपनियों से भारत में निवेश के मौके तलाशने की अपील भी की। सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के चेयरमैन ने तो प्रधानमंत्री मोदी के काम की जमकर तारीफ भी कर दी।

सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के चेयरमैन एवं प्रेसिडेंट तोशिहिरो सुजुकी ने कहा कि पीएम मोदी जो सुधार कर रहे हैं, वे भारत को मॉडर्न लैंडस्केप में बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जापान की कंपनियां पीएम मोदी की आत्मनिर्भरता की मुहिम को सपोर्ट कर रही हैं। तोशिहिरो सुजुकी के अलावा प्रधानमंत्री ने सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के सीनियर एडवाइजर ओसामु सुजुकी, सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉरपोरेशन के बोर्ड डाइरेक्टर मासायोशी सॉन और यूनिक्लो के प्रेसिडेंट एवं सीईओ तादाशि यानाई से भी मुलाकात की।

सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉरपोरेशन के बोर्ड डाइरेक्टर मासायोशी सॉन ने भी पीएम मोदी और भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ह्यभारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। हर रोज भारत में नए स्टार्टअप बन रहे हैं और नए यूनिकॉर्न तैयार हो रहे हैं। मुझे लगता है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है। प्रधानमंत्री मोदी भारत की सफलता के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे स्टार्टअप्स और यूनिकॉर्न को सपोर्ट कर रहे हैं। इसके साथ ही वे भारत को दुनिया में टेक का सेंटर बना रहे हैं। ओसामु सुजुकी से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने भारत से उनके जुड़ाव और उनके योगदानों को याद किया। उन्होंने भारत में ऑटो इंडस्ट्री को बदलने वाली भूमिका निभाने के लिए सुजुकी मोटर्स की सराहना भी की। पीएम मोदी ने ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कम्पोनेंट सेक्टर में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के आवेदन को चुने जाने पर भी खुशी व्यक्त की।

प्रधानमंत्री और ओसामु सुजुकी ने भारत में निवेश करने के मौकों पर भी चर्चा की। इस दौरान सस्टेनेबल ग्रोथ का लक्ष्य पाने के लिए भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल और बैटरी का प्रोडक्शन प्लांट लगाने व रिसाइक्लिंग सेंटर शुरू करने पर खास जोर रहा। उन्होंने जापान-इंडिया इंस्टीट्यूट्स ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग और जैपनीज एंडोड कोर्सेज के जरिए स्किल डेवलपमेंट समेत भारत में स्थानीय इनोवेशन सिस्टम तैयार करने की रणनीतियों पर बातचीत की। यूनिक्लो के चेयरमैन, प्रेसिडेंट व सीईओ तादाशि यानाई ने पीएम मोदी से मिलने के बाद भारत की सराहना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मुलाकात के बाद बताया, ह्यतादाशि यानाई ने भारत के लोगों के अंदर उद्यम शुरू करने की भूख की सराहना की। पीएम मोदी ने उनसे पीएम-मित्र योजना में हिस्सा लेने को कहा, जो टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूती प्रदान करने के लिए शुरू की गई है।

ताइवान को डराने पर बाइडेन भड़के, कहा- चीन ने हमला किया तो अमेरिकी सेना देगी जवाब

टोक्यो, एजेंसी। ड्रैगन लगातार ताइवान को घुड़की दे रहा है उसके तेवरों के मद्देनजर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पहली बार चीन को आगाह किया है। क्वाड बैठक में हिस्सा लेने जापान पहुंचे बाइडेन ने अमेरिकी विदेश नीति में बड़ा बदलाव करते हुए कहा कि अगर चीन की ओर से ताइवान पर हमला किया जाता है तो अमेरिका हस्तक्षेप करेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या आपका इशारा सेना की ओर है तो इस पर बाइडेन ने कहा 'हां'। चीन के ताइवान पर हमले के बारे में बाइडेन ने कहा, 'मेरा आकलन कहता है कि यह नहीं होगा, इसका प्रयास नहीं होगा।' उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो अमेरिका सैनिक मदद के जरिए ताइवान की रक्षा करेगा। बाइडेन ने कहा, 'यह प्रतिबद्धता जिसे हमने किया है।' बाइडेन क्वाड देशों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए जापान पहुंचे हैं। यहां पीएम मोदी, जापान और ऑस्ट्रेलिया के पीएम के साथ चीन की घेरेबंदी के लिए वह बैठक करेंगे।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह अमेरिका की ओर से पिछले कई दशक में ताइवान के समर्थन में दिया गया सबसे जोरदार बयान है। बाइडेन ने कहा क रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद ताइवान की रक्षा की जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ गई है। चीन ताइवान पर कब्जे के लिए ताकत का इस्तेमाल करेगा, यह पूछे जाने पर बाइडेन ने कहा कि यह पूरे इलाके को अव्यवस्थित कर देगा। यह कुछ उसी तरह से होगा जैसे यूक्रेन में हुआ है। 'एक चीन नीति' के तहत अमेरिका बीजिंग में मौजूद शी जिनपिंग की सरकार को चीन की सरकार मानता है। अमेरिका का ताइवान के साथ राजनयिक संबंध नहीं है। हालांकि अमेरिका ताइवान के साथ अनाधिकारिक संपर्क रखता है। इसमें ताइवान में 'दूतावास' भी शामिल है। ताइवान रिलेशन एक्ट के मुताबिक अमेरिका ताइवान की रक्षा करने के लिए बाध्य है। यही वजह है कि अमेरिका ताइवान को हथियारों की आपूर्ति करता है।

बाइडेन सोमवार को नए हिंद-प्रशांत व्यापार समझौते की शुरूआत भी करेंगे, जिसे क्षेत्र के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता का संकेत देने और महामारी एवं यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण व्यापार में स्थिरता की आवश्यकता को संबोधित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने कहा है कि नया हिंद-प्रशांत व्यापार समझौता आपूर्ति श्रंखला, डिजिटल व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा, कर्मचारी सुरक्षा और भ्रष्टाचार निरोधी प्रयासों सहित विभिन्न मुद्दों पर अमेरिका और एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की अधिक निकटता से काम करने में मदद करेगा।

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा सचिवालय में दो वर्ष के अंतराल के बाद बायोमीट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के उच्च सदन राज्यसभा सचिवालय में कर्मचारियों के लिए बायोमीट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था दो साल बाद सोमवार फिर शुरू कर दिया गया है। कोरोना महामारी के कारण इस व्यवस्था को निलंबित किया गया था। बायोमीट्रिक उपस्थिति की यह व्यवस्था सबसे पहले अगस्त, 2018 में शुरू की गई थी। कोरोना महामारी के कारण इस व्यवस्था को छह मार्च, 2020 को निलंबित कर दिया गया था। गत 20 मई को जारी परिपत्र के अनुसार, राज्यसभा सचिवालय में 1,300 से अधिक कर्मचारी हैं और सभी से कहा गया है कि वे एक जून से उपस्थिति दर्ज कराने के लिए आधार से जुड़े बायोमीट्रिक अटेंडेस सिस्टम का अनुसरण करेंगे। इसमें यह भी कहा गया है कि 31 मई, 2022 तक बायोमीट्रिक सिस्टम प्रायोगिक आधार पर चलता रहेगा। कर्मचारियों से कहा गया है कि वे कोरोना से जुड़े प्रोटोकॉल का भी कड़ाई से पालन करें।

प्रियंका गांधी बोली- आशा बहनों का डब्ल्यूएचओ द्वारा सम्मान पूरे देश के लिए गौरव का विषय

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेसनेत्री और पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) को सम्मान दिए जाने को पूरे देश के लिए गौरव का विषय बताते हुए कहा है कि यूपीए सरकार ने अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए आशा बहनों की नियुक्तियां की थीं। प्रियंका गांधी ने सोमवार को ट्वीट कर कहा, डब्ल्यूएचओ द्वारा हमारी आशा बहनों को मिला सम्मान पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। यूपीए सरकार ने गांव-खेड़ों के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए आशा बहनों की नियुक्तियां की थीं। कोरोना के समय आशा बहनों ने अभूतपूर्व ढंग से, खुद की फिक्र किए बिना इस काम को किया। डब्ल्यूएचओ ने रविवार को भारत की 10 लाख महिला आशा कार्यकताओं को देश में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने और कोरोना महामारी पर लगाम लगाने के अथक प्रयासों के लिए आशा बहनों को सम्मानित किया। ये आशा कार्यकर्ता ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने की प्रथम इकाई हैं। इनमें से अधिकतर ने भारत में महामारी के चरम दौर में घर-घर जा कर कोरोना पीड़ितों का पता लगाया और उनकी इलाज में मदद की। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डा। ट्रेडोस अधनोम गेब्रेयेसिस ने वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान, क्षेत्रीय स्वास्थ्य मुद्दों के लिए प्रतिबद्धता और शानदार नेतृत्व करने के लिए रविवार को छह पुरस्कारों की घोषणा की।

बेरोजगारी के मामले में सांसद वरुण गांधी ने अपनी ही सरकार को दिखाया आईना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी सांसद वरुण गांधी ने बेरोजगारी और भर्तियों को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि अपने कंधों पर पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ लेकर चलने वाले प्रतियोगी छात्रों का जीवन विगत कुछ वर्षों से एक लंबे संघर्ष की दास्तां बन चुका है। दरअसल, वरुण गांधी गरीबों, युवाओं और किसानों सहित तमाम ज्वलंत मुद्दों पर मुखरता से अपनी बात रखते हैं।

इसी बीच वरुण गांधी ने अपनी ही सरकार को घेरकर कहा कि छात्र अब सिर्फ पढ़ाई नहीं करता है, बल्कि अपने हक की लड़ाई भी स्वयं ही लड़ता है। उन्होंने ट्वीट किया कि अपने कंधों पर पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ लेकर चलने वाले प्रतियोगी छात्रों का जीवन विगत कुछ वर्षों से एक लंबे संघर्ष की दास्तां बन चुका है। छात्र अब सिर्फ पढ़ाई नही करता, अपने हक की लड़ाई भी स्वयं लड़ता है। अरसों से लटकी भर्तियां और रेत की तरह फिसलता वक्त, छात्र हताश है।

वरुण गांधी ने कहा कि बिना कारण रिक्त पड़े पद, लीक होते पेपर, सिस्टम पर हावी होता शिक्षा माफिया, कोर्ट-कचहरी व टूटती उम्मीद। छात्र अब प्रशासनिक अक्षमता की कीमत भी स्वयं चुका रहा है। चयन सेवा आयोग कैसे बेहतर हो, परीक्षाएं कैसे पारदर्शी एवं समय पर हों, इसपर आज और अभी से काम करना होगा। कहीं देर ना हो जाए। इससे पहले उन्होंने राशन कार्ड की पात्रता को लेकर बनाए जा रहे नए नियमों का हवाला देकर अपनी ही सरकार को घेरा था। उन्होंने कहा था कि चुनाव से पहले पात्र और चुनाव के बाद अपात्र? जनसामान्य के जीवन को प्रभावित करने वाले सभी मानक अगर ह्यचुनावह्व देख कर तय किए जाएँगे, तब सरकारें अपनी विश्वसनीयता खो बैठेंगी। चुनाव खत्म होते ही राशनकार्ड खोने वाले करोड़ों देशवासियों की याद सरकार को अब कब आएगी? शायद अगले चुनावों में..!

कुतुबमीनार परिसर में कोई भी खुदाई नहीं होगी : सरकार

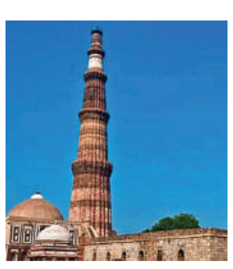

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने उन रिपोर्ट्स को नकारा हैं, जिनमें कुतुबमीनार परिसर की खुदाई की बात कही गई। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जीके रेड्डी ने कहा कि मंत्रालय ने इस तरह का कोई आदेश जारी नहीं किया है। इससे पहले रिपोर्ट थी कि मंत्रालय ने इस तरह के आदेश देने के साथ कुतुबमीनार परिसर में मूर्तियों की आइकोनोग्राफी कराए जाने का भी निर्देश दिया है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री रेड्डी ने कहा कि भारतीय पुरात्व सर्वेक्षण यानी एएसआई की ओर से कुतुबमीनार परिसर में कोई भी खुदाई नहीं की जाएगी। अब तक इस बारे में मंत्रालय ने कोई भी निर्णय नहीं लिया है।

ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के साथ ही कुतुब मीनार को लेकर भी विवाद सामने आया। एएसआई के पूर्व क्षेत्रीय निदेशन धर्मवीर शर्मा ने दावा किया है कि कुतुब मीनार नहीं बल्कि एक सन टावर (वेधशाला टावर) है। इसका निर्माण कुतुब अल-दीन ऐबक द्वारा नहीं बल्कि 5वीं शताब्दी में राजा विक्रमादित्य द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि इस बारे में मेरे पास काफी सबूत हैं, और एएसआई की तरफ से मैंने कई बार कुतुब मीनार का सर्वे किया है। कुतुब मीनार की मीनार में 25 इंच का झुकाव है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इसे सूर्य का निरीक्षण करने के लिए बनाया गया था। 21 मई को संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने तीन इतिहासकारों, चार एएसआई अधिकारियों और शोधकताओं के साथ साइट का दौरा किया। एएसआई के अधिकारियों ने सचिव को बताया कि कुतुब मीनार परिसर में 1991 के बाद से खुदाई का काम नहीं हुआ है।

इससे पहले, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रवक्ता विनोद बंसल ने दावा किया था कि कुतुब मीनार वास्तव में ह्यविष्णु स्तम्भह्व था और संरचना का निर्माण 27 हिंदू-जैन मंदिरों को ध्वस्त करने के बाद प्राप्त सामग्री से किया गया था। बीते दिनों हिंदू संगठनों ने कुतुबमीनार का नाम बदलकर विष्णु स्तंभ करने की मांग को लेकर कुतुबमीनार के ठीक सामने प्रदर्शन किया।

भाजपा में मुसलमानों को परेशान करने की प्रतियोगिता चल रही : महबूबा

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने हिंदुओं को मुसलमानों के खिलाफ खड़ा किया और आज भाजपा ऐसा काम कर रही है, इतना ही नहीं प्रधानमंत्री चुपचाप देख रहे हैं। दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने छोटे बच्चों के लिए मदरसा शिक्षा का विरोध कर कहा था कि किसी भी धार्मिक संस्थान में प्रवेश उस उम्र में होना चाहिए जिसमें व्यक्ति अपने निर्णय खुद ले सके।

इस पर पीडीपी प्रमुख की आक्रामक टिप्पणी सामने आई। जिसमें उन्होंने कहा कि देश को गुजरात मॉडल, यूपी मॉडल, असम मॉडल, एमपी मॉडल में बदलने का प्रयास हो रहा है। आप इसे कुछ भी कह सकते हैं। मुख्यमंत्री आपस में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, कि मुसलमानों को सबसे ज्यादा कौन परेशान कर सकता है। इसलिए मंदिरों और मस्जिदों के मुद्दे उठाए जा रहे हैं। महबूबा ने कहा कि इनका कम्पटीशन चल रहा है कि हमें देश को गुजरात मॉडल बनाना है या उत्तर प्रदेश मॉडल बनाना है। ये असम के मुख्यमंत्री से भी दो कदम आगे जाना चाहते हैं। हमारे सामने मिशाल है कि गुजरात में क्या हुआ, उत्तरप्रदेश में मुसलमानों के साथ क्या हो रहा है।

महबूबा ने कहा कि ये इस मुल्क की बुनियाद को हिलाने की बात कर रहे हैं। ये मुल्क जिस संविधान पर बना था उस संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

मोदी सरकार ने 'हज सब्सिडी के सियासी छल' को ईमानदारी के बल से खत्म किया : नकवी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि मोदी सरकार ने 'हज सब्सिडी के सियासी छल' को ईमानदारी के बल से खत्म किया है। उन्होंने कहा कि सब्सिडी के खात्मे के बावजूद हज यात्रियों पर आर्थिक बोझ ना पड़ना इस बात का प्रमाण है कि दशकों से हज सब्सिडी के बल पर सियासी छल चल रहा था। उन्होंने यहां हज-2022 के लिए हज समन्वयकों, हज सहायकों के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के दौरान यह भी कहा कि मोदी सरकार ने 'सब्सिडी के सियासी छल' को ईमानदारी के बल से खत्म किया है। नकवी ने कहा कि हज 2022 के लिए हज कमेटी के माध्यम से हज यात्री 10 इम्बार्केशन पॉइंट्स (प्रस्थान स्थलों)- अहमदाबाद, बेंगलुरु, कोच्चि, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और श्रीनगर से जाएंगे। उन्होंने बताया कि भारत से हज के लिए उड़ान चार जून से शुरू हो रही हैं।

नकवी ने कहा, ह्यमोदी सरकार में संपूर्ण हज प्रक्रिया में किए गए महत्वपूर्ण सुधारों से जहां एक तरफ हज प्रक्रिया पारदर्शी हुई है, वहीं दूसरी ओर दो वर्षों के बाद हज पर जा रहे हज यात्रियों पर गैर-जरुरी आर्थिक बोझ ना पड़े इसकी व्यवस्था की गई है।' उनके मुताबिक, संपूर्ण हज प्रक्रिया के शत-प्रतिशत डिजिटल होने से भारतीय मुसलमानों के 'इज ऑफ डूइंग हज' (हज करने में सुगमता) का सपना साकार हुआ है। डिजिटल हज, 'डिजिटल इंडिया' के सर्वश्रेष्ठ उदाहरणों में से एक है। नकवी ने कहा, 'लोगों की सेहत, सुरक्षा, सलामती को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण सुधारों के साथ हज 2022 हो रहा है। हज 2022 की संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार और सऊदी अरब की सरकार द्वारा तय किये गए पात्रता, आयु, स्वास्थ्य मानदंडों एवं अन्य जरुरी कोरोना दिशानिदेर्शों के अनुसार की गई है।' उन्होंने बताया, 'इस साल भारत से 79,237 मुसलमान हज 2022 पर जाएंगें। इनमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं शामिल होंगी।

रूस-यूक्रेन जंग की कीमत चुका रही दुनिया, अमेरिका बेहाल, ब्रिटेन में रिकार्ड स्तर पर पहुंची महंगाई

लंदन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को 4 महीने पूरे हो गए हैं। युद्ध अब भी जारी है। इस युद्ध की कीमत रूस, यूक्रेन के अलावा पूरी दुनिया को चुकानी पड़ रही है। जंग में कमजोर यूक्रेन ने जिस तरह से ताकतवर रूस को अभी तक चुनौती दी है, वह सबको हैरान कर रहा है, लेकिन इसमें सबसे बड़ा योगदान अमेरिका का है। उसे इसके लिए सबसे ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। इसके अलावा ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा नीदरलैंड भी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। यहां महंगाई उच्च स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो सालों से कोरोना महामारी से पस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था में हाल के महीनों में सुधार के संकेत दिख रहे थे, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण उसके पटरी से उतरने का खतरा बढ़ गया है। यही नहीं, चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों और उससे निपटने के लिए लगाए गए सख्त लॉकडाउन से वैश्विक सप्लाई चेन में बाधा, गैस-पेट्रोल की ऊंची कीमतों और कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बेकाबू महंगाई दर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेन को 40 अरब डॉलर की अतिरिक्त सहायता देने वाला बिल पास कर दिया है। फरवरी से लेकर अब तक अमेरिका यूक्रेन को 56.44 अरब डॉलर की मदद दे चुका है। यह मदद रूस के 2022 के कुल रक्षा बजट से भी अधिक है। बता दें कि रूस ने इस साल अपना रक्षा बजट 51.3 बिलियन डॉलर रखा था। इसके अलावा रूस से लड़ाई जारी रखने के लिए यूक्रेन को और मदद की जरूरत है। उसने अमेरिका और अन्य सहयोगी देशों से इसकी मांग की थी। इसे लेकर अमेरिका ने कार्रवाई शुरू कर दी थी। इसी क्रम में शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 40 बिलियन डॉलर की अतिरिक्त मदद के विधेयक पर साइन कर दिया। यह विधेयक अमेरिकी कांग्रेस में दोनों दलों के समर्थन से पारित हुआ था। इतनी भारी भरकम मदद देकर अमेरिका का कद दुनिया में तो बड़ा हो गया, लेकिन अपने देश में बाइडन सरकार को तमाम आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

यहां महंगाई अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर जा रही है। रूस की ओर से लगाए गए जवाबी बैन की वजह से अमेरिका को कई तरह की आर्थिक परेशानियां झेलनी पड़ रही है। ब्रिटेन में भी महंगाई लगातार नए मुकाम हासिल कर रही है। बुधवार को ऑफिस फॉर नेशनल स्टैटिस्टिक्स (ओएलएन) की ओर से जारी किए गए आंकड़ों को देखें तो देश में मुद्रास्फीति 9 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह चार दशक का उच्च स्तर है। इससे पिछले महीने मार्च में ब्रिटेन में महंगाई दर बढ़कर सात फीसदी के स्तर पर पहुंची थी, जबकि एक अप्रैल में इसमें एकदम से दो फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक, जो कि पहले से ही देश में बढ़ते घरेलू बिलों के बीच जीवन यापन संकट को कम करने के लिए उपाय करने के मामले में दबाव का सामना कर रहे हैं, उन्होंने वैश्विक ऊर्जा कीमतों को मुद्रास्फीति में वृद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया है। सुनक ने कहा कि दुनिया भर के देश बढ़ती महंगाई से जूझ रहे हैं। अप्रैल में मुद्रास्फीति का यह उच्च स्तर ऊर्जा मूल्य कैप वृद्धि से प्रेरित है, जो बदले में उच्च वैश्विक ऊर्जा कीमतों से प्रेरित है।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में इस साल अंतरराष्ट्रीय व्यापार में 4.7 फीसदी की वृद्धि के अपने पिछले पूवार्नुमान को डेढ़ फीसदी से ज्यादा घटाकर सिर्फ तीन फीसदी कर दिया है। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास संगठन (अंकटाड) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर सिर्फ 2.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जो उसके पिछले पूवार्नुमान 3.6 फीसदी से एक फीसदी कम है।

उधर, विश्व बैंक और आईएमएफ ने भी रूस-यूक्रेन युद्ध को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महामारी के बाद दूसरा बड़ा झटका बताया है। विश्व बैंक और आईएमएफ ने रूस-यूक्रेन सहित मध्य यूरोप, मध्य, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया की कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं के मंदी की चपेट में आने की चेतावनी दी है। यही नहीं, युद्ध के कारण खाद्यान्नों खासकर गेहूं और वनस्पति तेलों की कीमतों में तेज उछाल से कई विकासशील और गरीब देशों में श्रीलंका की तरह के हालात पैदा होने की आशंका भी जाहिर की जा रही है। रूस और यूक्रेन गेहूं, मक्के और खाद्य तेलों के दुनिया के तीन बड़े निर्यातकों में से हैं। रूस और यूक्रेन अकेले दुनिया का लगभग 30 फीसदी गेहूं निर्यात करते हैं। मध्य पूर्व और उत्तरी और पूर्वी अफ्रीका के कई देश रूस और यूक्रेन के गेहूं पर निर्भर हैं। इसी तरह रूस उर्वरकों में नाइट्रोजन का दुनिया का सबसे बड़ा, पोटैशियम का दूसरा सबसे बड़ा और फॉस्फोरस का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। युद्ध के कारण एक तो काला सागर से व्यापार ठप है। दूसरे, पश्चिमी देशों ने रूस पर वित्तीय और व्यापार संबंधी पाबंदियां लगा रखी हैं। इससे गेहूं, खाद्य तेलों और उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

देश के सामने पंजाब के कृषि क्षेत्र को 'मॉडल' के तौर पर पेश करेगी आप सरकार : केजरीवाल

चंडीगढ़, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में उनकी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार राज्य के कृषि क्षेत्र को देश के सामने एक मॉडल के रूप में पेश करेगी, जैसा कि पार्टी ने राष्ट्रीय राजधानी में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में अपने उल्लेखनीय कार्यों के जरिए करके दिखाया है।

ह्यआपह्व के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने कहा पंजाब में, खेती एक बहुत बड़ा मुद्दा है। हमारा उद्देश्य है कि जिस तरह हमने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली के क्षेत्रों को ह्यमॉडलह्व के रूप में पेश किया है, हम पंजाब के कृषि क्षेत्र को देश के सामने एक मॉडल के रूप में पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार द्वारा दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली के क्षेत्रों में किए गए कार्यों की व्यापक रूप से सराहना की गई है।

केजरीवाल केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल के आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री भगवंत मान और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव भी मौजूद थे। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में उनकी पार्टी की सरकार की पहली प्राथमिकता किसानों की आय बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी (किसानों) आय नहीं बढ़ेगी, किसान आत्महत्या करते रहेंगे और कर्ज के जाल में फंसे रहेंगे।

गोयल बंधुओं के प्रयास से फिर से फर्रूखनगर-दिल्ली ट्रैक पर दौड़ी रेल

» मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। कोरोना महामारी में बंद हुई ट्रेनों के संचालन को केंद्रीय रेल मंत्री, रेल राज्य मंत्री, सांसदों से मिलकर सिफारिश करने वाले रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य डीपी गोयल लंबे समय से प्रयासरत हैं। अब से पहले कई ट्रेनों का संचालन वे करवा चुके हैं। सोमवार को फर्रूखनगर-दिल्ली (04030), दिल्ली-फर्रूखनगर (04901) के बीच ट्रेन को भी शुरू करवा दिया गया।

इस मौके पर जिला परिषद गुरुग्राम उपाध्यक्ष संजीव यादव, दैनिक रेल यात्री संघ से भीम सिंह सारवान, हरभजन सिंह बाजवा, छतर सिंह पोसवाल की ओर से डा. डीपी गोयल, नवीन गोयल को क्षेत्र की तरफ से पगड़ी पहनाकर स्वागत व सम्मान किया गया। गुरुग्राम-रेवाड़ी-जयपुर रेल मार्ग पर बंद पड़ी ट्रेनों के संचालन में अग्रणी भूमिका निभा रहे डीपी गोयल के कार्यों की सराहना करते हुए क्षेत्र के लोगों ने धन्यवाद किया है। इस अवसर पर डीपी गोयल के साथ पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल, किसान नेता राव मान सिंह ने ट्रेन को झंडी दिखाई। इससे पूर्व स्टेशन पर एकत्रित क्षेत्र के लोगों को संबोधित करते हुए डीपी गोयल ने कहा कि रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य होने के नाते उनका यह कर्तव्य है कि वे ट्रेनों संबंधित समस्याओं को मंत्रियों, सांसदों और रेल अधिकारियों तक पहुंचाएं। वे जनता और रेलवे के बीच की कड़ी बनकर काम कर रहे हैं। उनका यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएं दिलाने का भी प्रयास रहता है। डीपी गोयल ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, गुरुग्राम के सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का आभार व्यक्त किया है। जिनके माध्यम से उनके द्वारा रेल संबंधी समस्याओं पर जब भी आग्रह किया, उस काम को पूरा किया गया।

ऐतिहासिक है फर्रूखनगर स्टेशनः नवीन गोयल

अपने संबोधन में नवीन गोयल ने कहा कि फर्रूखनगर रेलवे स्टेशन ऐतिहासिक है। देश में मुंबई के ठाणे के बाद वर्ष 1873 में दूसरी लाइन यहां डाली गई थी। इस ऐतिहासिक स्टेशन के सौंदर्यकरण के लिए वे मुख्यमंत्री मनोहर लाल और रेल मंत्री से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि परिवहन के संसाधनों में इजाफा करने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं। लंबी दूरी की बसों, ट्रेनों का संचालन करके यात्रियों को लाभ दिया है। इस मौके पर सन्दीप शर्मा, रजनीश सिंह राठी, गगन गोयल, धर्मेन्द्र शर्मा, राजेश बंसल, जितेश गोगिया, लोकेश नारंग भी उपस्थित रहे।

यात्रियों को अब फिर से मिली सुविधाः राव मान सिंह

किसान नेता राव मान सिंह ने कहा कि कोरोना ने हम सबको प्रभावित किया है। रेलवे यात्रा का सस्ता साधन है। ट्रेनें बंद होने के बाद यात्रियों को अधिक खर्च करके दूसरे वाहनों में यात्रा करनी पड़ती थी। इस ऐतिहासिक स्टेशन पर ट्रेन बंद होने से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही थी। डीपी गोयल, नवीन गोयल ने सकारात्मक प्रयास किए और आज इस ट्रेन का फिर से संचालन हो गया है। इस सेवा के बाधित होने से 40-45 गांवों का रेल मार्ग से संपर्क टूटा हुआ था। अब इस ट्रेन के संचालन से क्षेत्र में खुशी की लहर है।

इस तरह से है ट्रेन का शेड्यूल

कोरोना महामारी के चलते मार्च-2020 से यह ट्रेन बंद थी। अब यह गाड़ी संख्या 04901 मेल एक्सप्रेस शाम को छह बजे दिल्ली सराय रोहिल्ला से चलेगी, जो गुरुग्राम होते हुए शाम को 07:30 बजे फर्रूखनगर पहुंचेगी। वहीं गाड़ी संख्या 04930 सुबह सात बजे फर्रूखनगर से चलेगी जो गुरुग्राम होते हुए सुबह 8:30 बजे सराय रोहिल्ला पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 04030-फर्रूखनगर से सुबह सात बजे चलेगी। जो 07:09 पर सुलतानपुर, 07:23 पर गढ़ी-हरसरू, 07:32 पर बसई धनकोट, 07:38 पर गुरुग्राम, 07:46 पर बिजवासन, 07:51 पर शाहबाद मोहम्मपुर, 07:57 पर पालम, 08:05 पर दिल्ली कैंट, 08:17 पर पटेलनगर और 08:30 पर दिल्ली सराय रोहिल्ला पहुंचेगी। ट्रेन संख्या-04901 वापसी में दिल्ली सराय रोहिल्ला से शाम को छह बजे चलेगी, जो 18:09 पर पटेल नगर, 18:21 पर दिल्ली कैंट, 18:27 पर पालम, 18:33 पर शाहबाद मोहम्मदपुर, 18:39 पर बिजवासन, 18:47 पर गुरुग्राम, 18:53 पर बसई धनकोट पहुंचेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने नव संकल्प शिविर में हुई घोषणा के क्रियान्वयन पर चर्चा की

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी के उदयपुर में 3 दिवसीय नव संकल्प शिविर के बाद दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार की अध्यक्षता में आज प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में नव संकल्प शिविर में घोषणा के क्रियान्वन पर चर्चा, आजादी के 75वें वर्ष में राज्य स्तरीय विशाल कार्यक्रम आयोजित करने और राज्य स्तर पर राजनीतिक मामलों पर रुपरेखा तैयार करने के लिए जिला अध्यक्षों, जिला कॉआर्डिनेटर, प्रदेश उपाध्यक्षों, अग्रिम संगठनों के अध्यक्ष एवं सेल एवं विभागों के अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार के साथ पूर्व सांसद रमेश कुमार, पूर्व मंत्री डा. नरेन्द्र नाथ, कम्युनिकेशन विभाग के चैयरमेन व पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, प्रदेश उपाध्यक्ष मुदित अग्रवाल, पूर्व विधायक विजय लोचव, कोषाध्यक्ष संदीप गोस्वामी, प्रदेश महिला अध्यक्ष अमृता धवन, राजेश गर्ग और सभी जिला अध्यक्ष, जिला कॉआर्डिनेटर, अग्रिम संगठनों व सेल एवं विभाग के चैयरमेन भी मौजूद थे।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के समापन से पूर्व 27 मई, 2022 को पं. जवाहर लाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर एक विशाल सेमिनार का आयोजन किया जाऐगा, जिसमें समस्त दिल्ली के हजारां कांग्रेस कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। सेमिनार में उदयपुर में हुए नव संकल्प शिविर में हुई चर्चा और आगामी कार्यक्रमों पर विचारधारा सहित संगठन को मजबूत बनाने के लिए रुपरेखा तैयार की जाएगी।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा निर्देशित आजादी गौरव यात्रा दिल्ली में 3 दिन तक रहेगी जिसका स्वागत दिल्ली के महिपाल पुर क्षेत्र में किया गया जाएगा। आजादी गौरव यात्रा दिल्ली के अनेको क्षेत्रों से होती हुई 31 मई को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजघाट पर पहुचेगी जहां यात्रा का समापन होगा।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि उदयपुर नव संकल्प शिविर में हुई चर्चा और भविष्य की योजनाओं के लिए दो दिवसीय राज्य स्तर पर कार्यशाला का दिल्ली कांग्रेस द्वारा आयोजन किया जाऐगा। दिल्ली में संगठन को ब्लाक/बूथ स्तर पर मजबूत बनाने के लिए भी कार्यक्रम बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा पर भी रुपरेखा तैयार की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

आप के सीएम उम्मीदवार रहे कर्नल अजय कोठियाल थामेंगे भाजपा का दामन

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने वाले कर्नल सेवानिवृत्त अजय कोठियाल भाजपा में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, प्रदेश नेतृत्व से अभी तक उनकी कोई मुलाकात नहीं हुई अलबत्ता, पार्टी हाईकमान से उनका संपर्क बताया जा रहा है। कोठियाल ने पिछले बुधवार को आप की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। विधानसभा चुनाव में वे आप के मुख्यमंत्री का चेहरा भी थे, लेकिन चुनाव में खुद के साथ ही आप के अन्य प्रत्याशियों की भी जमानत जब्त हो गई थी। कोठियाल ने पूर्व सैनिकों, बुजुर्ग, महिलाओं, युवाओं और बुद्धिजीवियों की भावनाओं के चलते इस्तीफा देने को वजह बताई थी। कोठियाल के इस्तीफा के कुछ देर के भीतर ही आप के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष भूपेश उपाध्याय ने भी पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि कर्नल कोठियाल अब भाजपा में अपनी नई सियासी पारी खेल सकते हैं। उनके समर्थक भी इसके लिए उन पर दबाव डाल रहे हैं। कर्नल भाजपा हाईकमान के वरिष्ठ नेताओं से बातचीत भी चल रही है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर अभी तक किसी वरिष्ठ नेता से उन्होंने संपर्क नहीं किया। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार और महामंत्री कुलदीप कुमार ने बताया कि वे अभी चंपावत उप चुनाव में व्यस्त हैं। कर्नल से अभी तक उनकी कोई बात नहीं हुई है। उधर, सोमवार को कोठियाल दून में ही उपलब्ध थे, लेकिन मीडिया से दूरी बना कर रखी।

मेरे परिवार को मेरे ऐसे कपड़े पहनने से कोई फर्क नहीं पड़ता, इसलिए मुझे परवाह नहीं कि लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे - निकहत जरीन

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व बॉक्सिंग चैंपियन निकहत जरीन ने अपने आधुनिक पहनावे को अपनी निजी पसंद बताया है। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने के विवाद पर कहा कि किसी की पोशाक पूरी तरह से उसकी पसंद का विषय है। उन्होंने एक समाचार चैनल से कहा कि 'यह पूरी तरह से उनकी अपनी पसंद है। मैं उनकी पसंद पर टिप्पणी नहीं कर सकती। मेरी अपनी पसंद है। मुझे ऐसे कपड़े पहनना पसंद हैं। मुझे ऐसे कपड़े पहनने से कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे परिवार को मेरे ऐसे कपड़े पहनने से कोई फर्क नहीं पड़ता। इसलिए, मुझे परवाह नहीं है कि लोग मेरे बारे में क्या कहते हैं।' निकहत जरीन ने कहा, 'लेकिन अगर वे हिजाब पहनना चाहती हैं और अपने धर्म का पालन करना चाहती हैं, तो यह उनकी निजी पसंद है। मुझे उनके हिजाब पहनने से कोई समस्या नहीं है। आखिरकार यह उनकी अपनी पसंद है। मैं इसके साथ ठीक हूं।'

भाजपा का पोलखोल अभियान दिल्ली में हुआ फेल, इतनी बुरी स्थिति भाजपा की दिल्ली में पहले कभी नहीं थी : सौरभ

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा का पोलखोल अभियान दिल्ली में फेल साबित हुआ है। दिल्ली भाजपा के यू ट्यूब चैनल पर भाजपा के पोल खोल अभियान को 5-10 व्यूज मिल रहे हैं। इतनी बुरी स्थिति भाजपा की दिल्ली में पहले कभी नहीं थी। दिल्ली में माइक लेकर भाजपा के कार्यकर्ता शोर मचा रहे हैं और एक आदमी सुनने वाला नहीं है। भाजपा एमसीडी चुनाव से भाग रही है। लोग कह रहे हैं कि भाजपा आम आदमी पार्टी से डर गई है।

आम आदमी पार्टी (आप) के मुख्य प्रवक्ता और विधायक सौरभ भारद्वाज ने आज पार्टी मुख्यालय में महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 15 मई से भारतीय जनता पार्टी दिल्ली ने पोलखोल अभियान चला रखा है। भाजपा कह रही है कि इसे 30 तारीख तक चलाएंगे। कुछ दिनों पहले मुझे उनके पोलखोल अभियान को दूर से देखने का मौका मिला। इतनी बुरी स्थिति भाजपा की दिल्ली में पहले कभी नहीं थी। भाजपा के सांसद पोलखोल के पर्चे बांटने के लिए बाजारों मे घूम रहे हैं। माइक लेकर भाजपा कार्यकर्ता शोर मचा रहे हैं और मार्केट के अंदर एक आदमी सुनने वाला नहीं है। मतलब इतने बुरे हालात दिल्ली भाजपा के कभी नहीं थे। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता हमारे यहां 5-6 कार्यकताओं के साथ आए थे। दुकानों में जाकर दुकानदार को पर्चा दे रहे थे। दुकानदार पर्चा लेकर के रख रहा था और पर्चा पढ़ भी नहीं रहा था। इस कैंपेन में दिल्ली-भाजपा ने अपने सारे बड़े-बड़े नेताओं को उतार रखा है। रमेश विधूड़ी, हंसराज हंस, मीनाक्षी लेखी, आदेश गुप्ता रोज कहीं न कहीं पर्चे बांट रहे हैं। दिल्ली वालों को इनके कैंपेन में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने कोशिश की कि हम पता करें कि इसके पीछे क्या कारण है। कारण यह है कि जैसे ये खिड़की एक्सटेंशन में पर्चा बांट रहे है कि साहब देखिए इन्होंने मोहल्ला क्लिनिक नहीं खुलवाया। शाहपुर जट में गली-गली घूमकर बोल रहे हैं कि देखों ये झूठ बोलते हैं। उनका मोहल्ला क्लिनिक खुला नहीं है। वहीं उस इलाके में मोहल्ला क्लिनिक है, जहां 150 लोग रोज उस मोहल्ला क्लिनिक में इलाज करवाते हैं। ये कह रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल ने स्कूल नहीं बनवाए। जबकि जिस इलाके में जाते हैं, वहां पर उन लोगों के बच्चे नए स्कूलों में जा रहे हैं। उनके बच्चे स्विमिंग पूल के अंदर स्विमिंग कर रहे हैं। क्लासरूम के अंदर स्मार्ट बोर्ड्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। स्कूल के अंदर क्रिकेट एकेडमी और फूटबॉल एकेडमी चल रही है। वहीं भाजपा कह रही है कि स्कूलों के अंदर कोई काम नहीं हुआ। इसलिए दिल्लीवालों ने पूरे तरीके से भाजपा के इस पोलखोल अभियान को फेल कर दिया।

खुफिया तंत्र ने किया आगाह, आईएसआई ने खालिस्तानी ओजीडब्ल्यू को पंजाब में मालगाड़ियों को निशाना बनाने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में अलगाववादी संगठनों की सक्रियता को लेकर खुफिया एजेंसियों ने आगाह किया है और कहा कि पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) खालिस्तानी ओवर ग्राउंड वर्कर्स या स्लीपर सेल को पंजाब और आसपास के राज्यों में रेलवे ट्रैक को निशाना बनाकर भारत को गंभीर नुकसान पहुंचाने की योजना बना रही है। सुरक्षा नेटवर्क के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। सूत्रों ने खुफिया इनपुट का हवाला देते हुए कहा कि आईएसआई रेलवे पटरियों को निशाना बनाने पर विचार कर रही है, खासकर जब मालगाड़ियां गुजर रही हों। सूत्रों ने आगे कहा कि आईएसआई लाहौर में छिपे आतंकवादी हरविंदर सिंह रिंडा के साथ खालिस्तान के स्लीपर सेल और ओजीडब्ल्यू को भारी धनराशि की पेशकश कर रही है।

जहां राज्य सरकार और रेलवे सुरक्षा बलों को पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में रेल नेटवर्क पर निगरानी बढ़ाने के लिए कहा गया है, वहीं राज्यों के भारतीय रेलवे के मंडल कार्यालयों को तत्काल प्रभाव से पटरियों पर गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जुटाए गए साक्ष्य साबित करते हैं कि भारत विरोधी तत्व (एआईई) पंजाब में शांति और सद्भाव को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ह्लजब उन्हें (आईएसआई) जम्मू-कश्मीर में सफलता नहीं मिली, तो उन्होंने सीमावर्ती राज्य में आतंकवाद को बहाल करने के लिए अपना ध्यान पंजाब पर केंद्रित कर दिया और इस कार्य में विदेशों से काम कर रहे सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) बब्बर खालसा और अन्य जैसे सिख आतंकवादी संगठन पंजाब के गुमराह युवाओं को हथियार उठाने और राज्य में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में हरियाणा के करनाल जिले से चार सिख आतंकवादियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ हथियारों, गोला-बारूद और आईईडी के विशाल जखीरे से पता चलता है कि वे (खालिस्तानी आतंकवादी) अन्य राज्यों में भी अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि मोहाली में पंजाब पुलिस के खुफिया मुख्यालय पर रॉकेट चालित ग्रेनेड हमले ने यह भी गवाही दी कि पंजाब में इन आतंकवादियों को आईएसआई द्वारा प्रदान किए गए ड्रोन द्वारा हथियार, गोला-बारूद और नशीले पदार्थ भारत में धकेले गए हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में राजेन्द्र नगर विधानसभा में पानी की समस्याओं को लेकर भाजपा का प्रचंड विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि राजेन्द्र नगर विधानसभा के नारायणा गांव, इंदरपुरी, जे जे कॉलोनी, बुद्ध विहार, ओल्ड राजेन्द्र नगर और न्यू राजेन्द्र नगर इत्यादी ऐसे कई जगह हैं जहां पानी की समस्या है। लोगों का भी कहना है कि घर में आने वाले पानी से पेट की, लीवर की और किडनी से संबंधित बीमारियां होने लगी हैं। एक तरफ पानी की समस्या को लेकर लोग बीमार पड़ रहे हैं और दूसरी तरफ दिल्ली सरकार के अस्पतालों में लोग इलाज के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

आज राजेन्द्र नगर विधानसभा में पानी की समस्याओं को लेकर भाजपा द्वारा किए गए केजरीवाल सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया जिसमें श्री आदेश गुप्ता सहित भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकताओं ने तीकोना पार्क से ओल्ड राजेन्द्र नगर स्थित दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय तक सिर पर घड़ा रखकर पैदल मार्च किया और केजरीवाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए केजरीवाल का पुतला फूंका। श्री गुप्ता ने कहा कि आज दिल्ली को 1100 से ज्यादा एमजीडी पानी की जरुरत है जिसे दिल्ली जलबोर्ड पूरा नहीं कर पा रहा है। इसके साथ ही जलबोर्ड द्वारा दिए गए पानी का 30 फीसदी पानी बर्बाद हो जाता है क्योंकि जलबोर्ड द्वारा बिछाई गई पाइप पुरानी और जर्जर हो चुकी है। कागजों में तो वे बदल दी जाती है और उसका पेमेंट भी हो जाता है लेकिन हकीकत यह है कि पाइप लाइन को कभी दुरुस्त नहीं किया जात। क्योंकि सभी पैसे आप के नेताओं के जेब में चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने जलबोर्ड को 60,000 करोड़ रुपये दिए लेकिन आज स्थिति पहले से ज्यादा बदतर हालात में है। सीएजी द्वारा 22 बार जलबोर्ड को ऑडिट के लिए पत्र लिखा जा चुका है, लेकिन जलबोर्ड में इतना ज्यादा भ्रष्टाचार है कि केजरीवाल ऑडिट कराने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार नहीं है। सीएजी ने आरोप भी लगाया है कि कही जलबोर्ड सारे पैसे का गबन तो नहीं किया है जिसके कारण वह ऑडिट कराने से कतरा रहा है।

आपसे जुड़िए अभियान- हजारों गुड़गांव वासियों ने मेंबरशिप मिस्ड कॉल की

» सतबीर शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। गुड़गांव निगम चुनाव की तैयारी में आम आदमी पार्टी ने आप से जुड़िए अभियान चलाया है जिसके तहत 7026870268 पर मिस्ड कॉल करके लोग आम आदमी पार्टी से जुड़ सकते हैं। आम आदमी पार्टी की बादशाहपुर अध्यक्ष डॉ सारिका वर्मा ने बताया कि सभी वार्ड में बहुत बढ़िया काम चल रहा है और शनिवार एतवार श्याम को मार्केट में कैनेपी लगाकर आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता लोगों को जोड़ रहे हैंह्ल अक्सर लोग हमें देखकर यही कहते हैं ह्लअच्छा अब गुडगांव में भी आम आदमी पार्टी आ गई है, चलो अब यहां पर भी हमारे काम होंगेह्व ह्ल दिल्ली के लोग अपने सरकारी स्कूल की बहुत प्रशंसा करते हैं और 24 घंटे बिजली, साफ पानी के लिए आम आदमी पार्टी सरकार से बहुत संतुष्ट हैह्ल जो नए लोग पार्टी के लिए समय निकाल सकते हैं उन्हें अपनी-अपनी वार्ड के हाट्सएप ग्रुप पर भी जोड़ा जा रहा है।

गुड़गांव के निगम चुनाव की तैयारी राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता जी के नेतृत्व में हो रही है और हर मंगलवार सभी निगम संयोजक और वार्ड प्रभारी के साथ मीटिंग होती हैह्ल डॉ सारिका वर्मा ने बताया 15 तारीख को 2000 लोग जुड़े और इस हफ्ते 4000 से अधिक नए लोग आम आदमी पार्टी गुडगांव से जुड़े हैं।

कई वर्षों से निगम क्षेत्र में काम करवाने में बहुत कठिनाई हो रही है चाहे रोड की गड्ढे हो या नालियां साफ करवाना, एक रात की बारिश में पूरा गुडगांव जल थल हो गया ह्ल घरों में पानी भर जाता है, सड़क पर गाड़ियां रुक जाती हैंह्ल हर साल गुड़गांव की जलभराव समस्या बद से बदतर होती जा रहा हैह्ल काउंसलर से बात करने के बावजूद भी कोई काम जमीन पर होता नहीं दिखताह्ल निगम में भारी भ्रष्टाचार की वजह से जो काम होते हैं वह भी कुछ ही हफ्तों में बेकार हो जाते हैं।

आम आदमी पार्टी जिस तरह दिल्ली और पंजाब में अपने सभी चुनावी वादे पूरे कर रही है उसी तरह गुडगांव निगम में सुधार लाएगी और गुडगांव के लोगों को अपनी तकलीफों से निजात दिलाएगीह्ल कोई भी आरडब्लूए, गुडगांव का नागरिक प्रशासन से खुश नहीं है और निगम के कामों से दिन प्रतिदिन मायूस हो रहा है ह्ल 29 मई को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कुरुक्षेत्र में आयोजित ह्लअब बदलेगा हरियाणाह्व रैली का संबोधन करने आ रहे हैंह्ल हरियाणा की राजनीति में अब एक इमानदार विकल्प लोगों के सामने आ गया है और आगामी चुनावों में इसका असर जरूर दिखेगा।

एकीकरण के बाद भी एमसीडी कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं दे रही भाजपा की केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार एमसीडी के एकीकरण के बाद भी कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं दे रही है। अध्यापकों को पिछले 5-6 महीनों से तो सफाई कर्मचारियों को 2-3 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। जेई, ऐई समेत सैंकड़ों कर्मचारियों को पिछले 5-6 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। दुर्गेश पाठक ने भाजपा से जवाब मांगा है कि केंद्र सरकार के आधीन होने के बावजूद एमसीडी कर्मचारियों की तनख्वाह में इतना विलंभ क्यों हो रहा है? साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी से आग्रह है कि अपने वादे के अनुसार सभी कर्मचारियों की तनख्वाह जल्द से जल्द जारी करे। खुद भाजपा का दावा था कि एकीकरण के बाद एमसीडी की सभी समस्याएं खत्म हो जाएंगी, कर्मचारियों को तनख्वाह भी समय से मिलेगी।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में एक महत्तवपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 17 सालों के कार्यकाल में बीजेपी ने एमसीडी में इतना भ्रष्टाचार किया है कि आज एमसीडी के पास अपने कर्मचारियों को तनख्वाह देने तक के पैसे नहीं हैं। दिल्ली की जनता इस उम्मीद में थी कि चुनाव के बाद नई सरकार सभी समस्याओं पर विराम लगाएगी। लेकिन इसी दौरान भारतीय जनता पार्टी ने तीनों निगमों के एकीकरण की घोषणा कर दी और कहा कि इसके बाद सभी कर्मचारियों को समय से तनख्वाह मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब एमसीडी की समस्याएं खत्म हो जाएंगी, सभी प्रॉजेक्ट समय से पूरे होंगे और एमसीडी में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार नहीं होगा क्योंकि खुद मोदी जी ने इसकी जिम्मेदारी ली है।

दुर्गेश पाठक ने कहा कि इसके बाद हमने भी सोचा कि कुछ वक्त रुककर भाजपा के इन दावों को भी देख लिया जाए। लेकिन अबतो पानी सिर के ऊपर चला गया है। जनता के लिए यह जानना बेहद जरूर हो गया है कि एमसीडी के सभी कर्मचारी किन हालातों में जी रहे हैं। ईस्ट एमसीडी के स्कूलों के सभी अध्यापकों को पिछले 6 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। सफाई कर्मचारियों को 2-3 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। डॉक्टरों, नर्सों, माली, बेलदार, ऑफिस कर्मचारियों आदि को पिछले 5-6 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। यही हाल नॉर्थ एमसीडी का है। वहां के स्कूलों के अध्यापकों को भी 3-4 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। सफाई कर्मचारियों को 2-3 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। जेई, ऐई, सभी समूहों के कर्मचारियों का बुरा हाल है।

एमसीडी प्रभारी ने कहा कि आमतौर पर यदि तनख्वाह आने में एक हफ्ते का भी विलंभ होता है तो हाथ-पांव फूलने लगते हैं। दिमाग सोच में पड़ जाता है कि किराया कैसे भरेंगे, बच्चों की फीस कैसे भरेंगे, सबज़ियां कैसे आएंगी, घर कैसे चलेगा? और यहां तो एमसीडी के कर्मचारियों को 6-6 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। सोचिए उनकी स्थिति कितनी खराब होगी।

दिल्ली के 16 हजार 828 पार्कों में से करीबन 11 हजार 500 पार्कों का सर्वेक्षण डीपीजीएस की 70 टीमों द्वारा किया गया पूरा : गोपाल राय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सचिवालय में आज पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय की अध्यक्षता में दिल्ली के विधायकों और डीपीजीएस के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त बैठक की गई। इस बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि मुख्यमंत्री पार्क सौन्दर्यीकरण योजना के तहत ह्यग्रीन पार्क ग्रीन दिल्लीह्ल की थीम पर दिल्ली के पार्कों का सौन्दर्यीकरण करने का निर्णय लिया गया। दिल्ली के पार्कों के विकास के लिए हर विधानसभा में एक इंचार्ज, हर दो विधानसभा पर एक पर्यवेक्षक (आब्जर्वर) और राज्य स्तर पर दो कोर्डिनेटर की ट्रेनिंग के लिए नियुक्ति की जा रही हैं। साथ ही आरडब्लूए को योजना में शामिल करने की ऑनलाइन प्रक्रिया एवं दस्तावेजों के सम्बन्ध में जानकारी साझा की गई। और विधायक को उनके एरिया में मौजूद पार्कों के बारें में विस्तृत जानकारी भी दी गई हैं। बैठक के बाद दिल्ली सचिवालय में आयोजित महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली को आधुनिक, न्यायसंगत और टिकाऊ शहर बनाने के लिए, दिल्ली के पार्कों को आधुनिक, विश्व स्तरीय बनाने लिए सामुदायिक पार्क पहल की शुरूआत की गई है। इसके तहत दिल्ली के सभी पार्कों का ह्यग्रीन पार्क ग्रीन दिल्ली थीमह्ल पर विकास किया जाएगा। जिसके पहले चरण में डीपीजीएस की 70 टीमों द्वारा दिल्ली में मौजूद 16 हजार 828 पार्कों में से लगभग 11 हजार 500 पार्कों का सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका हैं। जिनमे लगभग 6 हजार 345 पार्क मैंटेन नहीं हैं। उन्होंने बताया कि पार्कों के विकास और सौन्दर्यीकरण के लिए प्रत्येक आरडब्लूए को डीपीजीएस द्वारा प्रति एकड़ 2 लाख 55 हजार की वित्तीय सहायता दी जाएगी। साथ ही नए पार्कों के विकास के लिए प्रति एकड़ 1 लाख की अतिरिक्त धनराशि भी देने का निर्णय लिया गया हैं। इसके साथ ही पार्कों में पानी की समस्या को ध्यान में रखते हुए एसटीपी की इंस्टालेशन के लिए प्रति एकड़ 3 लाख 50 हजार की सहायता देने का निर्णय भी लिया गया हैं।

-ग्रीन पार्क ग्रीन दिल्ली योजना में पंजीकरण करने की प्रक्रिया

पर्यावरण मंत्रीश्री गोपाल राय ने बताया कि आरडब्लूए को इस योजना में एक अप्लीकेशन के द्वारा आवेदन कर सकती हैं। जिसके अनुसार सबसे पहले उन्हें अपने आसपास के किसी पार्क का चुनाव करना हैं। इसके बाद पार्क अपनाने के लिए पंजीकृत आरडब्लूए होना अनिवार्य है। यदि कोई पंजीकृत आरडब्लूए मौजूद ना हो तो नई आरडब्लूए बनाए और पंजीकृत करायें। इसके बाद आरडब्लूए अपनी पात्रता की जांच करें। पात्रता/ योग्यता की जांच के बाद उन्हें दिल्ली सरकार के ई- जिला पोर्टल पर रजिस्टर किया जाएगा, और साथ ही सभी उल्लेखित दस्तावेजों को अपलोड करना भी अनिवार्य हैं।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत दिल्ली के पार्कों के विकास और ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया में आम जनता की मदद के लिए हर विधानसभा में एक इंचार्ज, हर दो विधानसभा पर एक पर्यवेक्षक (आब्जर्वर) और राज्य स्तर पर दो कोर्डिनेटर की ट्रेनिंग के लिए नियुक्ति भी की जा रही हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि यह योजना लोगों के विभिन्न समूहों के साथ परामर्श करके और उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करके पार्कों को सभी के लिए एक बेहतर स्थान बनाने पर ध्यान केंद्रीत करेगी। वर्तमान में पार्कों के प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की न्यूनतम भागीदारी है। इन हरित स्थानों के डिजाइन और रखरखाव में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

तावडू नगरपालिका सचिव विनय कुमार का तबादला गोहाना नगर परिषद हो गया

मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात। तावडू नगरपालिका सचिव विनय कुमार का तबादला गोहाना नगर परिषद हो गया हैं। स्थानीय निकाय चुनाव आचार संहिता लगने से पूर्व उनका तबादला हुआ हैं और उनकी जगह यहां किसी को भी नहीं लगाया गया है। इसी तरह जिला की फिरोजपुर झिरका नगरपालिका सचिव का लम्बे समय से पद रिक्त होने के बाद सुनील रंगा को लगाया गया है और कार्यवाहक तौर पर तावडू नपा का भी अतिरिक्त चार्ज सौंपा गया है। तावडू नपा अध्यक्ष पति आशीष गर्ग के मुताबिक नपा सचिव का गोहाना नगर परिषद में तबादला होने और तावडू नपा पर नया सचिव न लगाने से फिरोजपुर झिरका नपा सचिव को अतिरिक्त तौर से तावडू का पद भार मिलने की संभावना है।

नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी में सी.एम.एस. की दो छात्राएं चयनित

लखनऊ, एजेंसी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, आर.डी.एस.ओ. कैम्पस की दो छात्राओं उर्वी प्रकाश एवं पंखुड़ी वर्मा ने नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एन.आई.एफ.टी.-2022) हेतु चयनित होकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। अब ये छात्राएं देश के प्रख्यात फैशन संस्थानों में एडमीशन लेकर अपनी रूचि के अनुसार फैशन टेक्नोलॉजी, डिजाइनिंग एवं मैनेजमेन्ट आदि विषयों में उच्चशिक्षा एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर देश का गौरव बढ़ायेंगी। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने सी.एम.एस. की इन प्रतिभाशाली छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं व आशीर्वाद देते हुए कहा कि सी.एम.एस. शिक्षकों का आभार व्यक्त किया, जो अपने छात्रों में निहित प्रतिभा व उनकी रूचियों को पहचानकर उसी के अनुरूप छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं।
सी.एम.एस. छात्राओं के निफ्ट में चयन पर सी.एम.एस. परिवार गौरवान्वित है एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है। श्री शर्मा ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में कीर्तिमान स्थापित करने के साथ ही देश की लगभग सभी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सी.एम.एस. छात्र अपने मेधात्व का परचम लहरा रहे हैं, जिसका श्रेय विद्यालय के कर्तव्यनिष्ठ शिक्षकों को जाता है।

राशनकार्ड को लेकर गलत आदेश जारी करने की जवाबदेही तय हो -माले

लखनऊ, एजेंसी। भाकपा (माले) की राज्य इकाई ने कहा है कि राशन कार्ड निरस्तीकरण के नियमविरुद्ध नए मानक बनाने व जनता में जारी करने की जवाबदेही तय की जाए और ऐसा करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। राज्य सचिव सुधाकर यादव ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि सरकार की ओर से खाद्य आयुक्त द्वारा रविवार को जारी स्पष्टीकरण में कहा गया कि लगता है कि नीचे डीएम स्तर पर कुछ ह्यकन्फ्यूजनह्ण हो गया। आयुक्त के अनुसार 2014 के शासनादेश में कोई बदलाव नहीं हुआ है और अपात्रों पर जुमार्ना लगाने का तो सवाल ही नहीं उठता। माले नेता ने कहा कि पहले तो अपात्र श्रेणी को लेकर मनमानापूर्ण आदेश जारी किये गए, राशनकार्ड धारकों को ही गुनहगार करार देकर जुमार्ना लगाने की धमकी दी गई और हड़कंप मचाकर हजारों राशनकार्ड सरेंडर करवाये गए। उसके बाद आया यह मासूम-सा स्पष्टीकरण अस्वीकार्य है। इसकी हर स्तर पर जांच कर कार्रवाई होनी चाहिए।

यूपी में आंधी-पानी से गिरा पारा, मौसम हुआ खुशनुमा, आम की फसल को नुकसान

लखनऊ, एजेंसी। करीब दो महीने से भीषण गर्मी की मार झेल रहे उत्तर प्रदेश के लोगों को सोमवार को उस समय राहत मिली जब राज्य के अधिकांश जिलों में तेज आंधी और बारिश हुई। कई जिलों में तो इस दौरान दिन में ही अंधेरा छा गया। फिलहाल बारिश के चलते पारा लुढ़क गया है और मौसम खुशनुमा हो गया है। वहीं दूसरी ओर आम की फसल को आंधी-पानी से नुकसान हुआ है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित कानपुर, प्रतापगढ़, पीलीभीत, फरुर्खाबाद, मुरादाबाद, औरैया, अमरोहा, उन्नाव और बस्ती समेत प्रदेश के कई जिलों में आज सुबह से ही मौसम करवट लेता दिखाई पड़ा। कई जिलों में तेज हवाएं चलने और धूलभरी आंधी से सैकड़ों पेड़ गिर गए जबकि बिजली के पोल गिरने से सैकड़ों इलाके अंधेरे में डूब गए। इस दौरान आम के बागों में कच्चे आम के ढेर लग गए जिससे अच्छा मुनाफा कमाने की बागवानों की हसरत धराशाई हो गई। वहीं, औरैया में पेड़ गिरने से एक किसान की मौत हो गई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिसंख्य इलाकों में आंधी बारिश के आसार जताये हैं। इस दौरान कुछ स्थानो पर 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और गरज चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी विभाग ने दी है। किसानो को बिजली चमकने की दशा में घरों में रहने और पेड़ की आड़ लेने से बचने की सलाह दी गई है।

ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग के पूजन की अदालत से मांगी अनुमति

वाराणसी, एजेंसी। ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर वाराणसी जिला जज की अदालत में जहां सुनवाई पूरी हो चुकी है वहीं दूसरी ओर विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत डा. कुलपति तिवारी ने ज्ञानवापी में मिले कथित शिवलिंग की पूजा करने की अनुमति को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया है। यह प्रकरण भी पूर्व के मामलों के साथ अदालत में सुना जाएगा। लेकिन सोमवार को सुनवाई के पहले दिन ही मामले में अगले दिन की तारीख सुनवाई के लिए दे दी गई है। विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत कुलपति तिवारी सुबह अदालत पहुंचे और जिला अदालत में याचिका दाखिल करने के लिए अपने अधिवक्ता संग विचार विमर्श किया। पूर्व में सर्वे के दौरान ज्ञानवापी के वजूखाने में प्राप्त शिवलिंग की पूजा करने के लिए वह अदालत की चौखट में पहुंचे हैं। शिवलिंग के पूजन के अधिकार सहित प्रतिदिन भोग आरती व अन्य वैदिक रीति रिवाजों और परंपराओं के निर्विघ्न पूरा करने को लेकर वह याचिका लगाने पहुंचे तो अदालत परिसर में भी खूब चर्चा और गहमागहमी का दौर शुरू हो गया।

46 नगर निकाय इकाईयों के 19 जून को होने जा रहे चुनाव की रणभेरी बजने से जिला में चुनावी सरगर्मियां तेज

» मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। 46 नगर निकाय इकाईयों के 19 जून को होने जा रहे चुनाव की रणभेरी बजने से नूंह नगर परिषद के अलावा पुन्हाना व फिरोजपुर झिरका नगरपालिका चुनाव को लेकर भीषण गर्मी में ठप पड़ी सियासी सरगर्मियों में उबाल आ गया है। संबंधित दावेदारों ने मतदाता सूची को खंगालने के अलावा वार्डो में जन सम्पर्क अभियान तेज कर दिया हैं। भाजपा, जजपा, इनेलो, कांग्रेस व आप आदि समेत अन्य सियासी पार्टियों ने चुनावी बिगुल बजने से पूर्व सियासी सरगर्मियां शुरू कर रखी थी। सतारूढ भाजपा ने 27 व 28 को हिसार में निकाय चुनाव को लेकर चुनावी खाका तैयार करने के लिए बैठक बुला रखी हैं। जबकि जजपा,इनेलो, कांग्रेस, आप आदि दलों से जुड़े सियासी लोग जिला में निकाय चुनाव को लेकर अपनी-अपनी पार्टी कार्यकताओं के संग बैठके आयोजित कर चुके हैं। भाजपा-जजपा गठबंधन निकाय चुनाव अकेले या अलग- अलग लड़ेंगे इसका अभी फैसला होना पाकी हैं। इसी तरह पार्टियां निकाय चुनाव पार्टी चुनाव चिहन स लडने की बात का भी अभी तक कोई खुलासा नहीं हो सका हैं। जिला के निकाय चुनाव के सियासी जानकारों की माने तो नूंह नगर परिषद के पहली बार 13 वार्डों व पुन्हाना ,फिरोजपुर झिरका नगरपालिकाओं के होने वाले चुनाव इस बार रोचक होंगे। सियासी दल इन चुनावों को विधानसभा चुनाव का सेमीफाईनल मानकर चल रहे हैं और इसी वजह से वह इसके लिए अधिक जोर आजमाईश कर रहे हैं।

यहां यह बताना जरूरी है कि राज्य की 46 नगर निकाय इकाईयों के 19 जून को सुबह 7 बजे से सांय 6 बजे तक चुनाव होगा, इस बार मतदान के लिए एक घण्टा का अतिरिक्त समय दिया गया हैं। उम्मीदवार 30 मई से 4 जून तक अपने नामांकन दाखिल कर सकेंगे। जिसके लिए प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक का समय तय किया गया है। 2 जून को अवकाश होने के कारण नामांकन दाखिल नहीं हो सकेंगे। 6 जून को नामांकनों की जाँच होगी। जबकि 7 जून को उम्मीदवार अपने नामांकन पत्र वापिस ले सकेंगे। इसी दिन उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह व पोलिंग बूथ अलॉट किया जाएगा। जबकि 19 जून को प्रातः 7 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक चुनाव होगा। इसके अलावा जरूरत होने पर 21 जून को री पोल होगा। चुनावी परिणाम 22 जून को घोषित किया जाएगा।

इस बारे में अतिरिक्त उपायुक्त व जिला नगर आयुक्त डा0 सुबीता ढाका ने माना कि राज्य में जिन नगर परिषद ,नगर पालिका व नगर निगम के चुनाव होने है उनका ऐलान चुनाव आयोग द्वारा ऐलान कर दिया हैं और साथ ही कहा कि चुनाव आयोग की गाईडलाईन द्वारा ही निष्पक्ष चुनाव करायें जाऐंगे।

तेज आंधी एवं बारिश ने भारी तबाही मचाई

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला में तडके तेज आंधी एवं हवाओं से हुई तेज बारिश ने भारी तबाही मचाई हैं। मई माह के आखिरी सप्ताह में हुई बारिश ने पिछले चार दशक का रिकार्ड तोड़ कर रख दिया हैं और तापमान में भारी गिरावट आने से पिछले काफी समय से गर्मी से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिली हैं। धूलभरी आंधी से सैकड़ों बिजली के खम्बे, तार, दर्जनों बिजली के ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने के अलावा पेड़-पौधे, टीन-छप्पर, बोर्ड आदि पर भी इसकी मार पड़ी हैं। जिससे कई घण्टें बिजली गुल व पेयजल व्यवस्था प्रभावित रहने से चौतरफा त्राही-त्राही मची हुई थी। इससे सरकारी-गैर सरकारी कार्यालयों का काम काज भी बुरी तरह से प्रभावित रहा।

पूर्व सैनिक होशियार सिंह, रामकुमार, सरजीत सिंह, तुलेराम, घनश्याम, लालचंद आर्य आदि के अलावा इरफान मुजीब अहमद रूपडिया, मोहम्मद हारून, इलियास, आफताब, नसीबा, हमीदा आदि ने बताया कि जिला में तडके तेज आंधी

एवं हवाओं से हुई तेज बारिश ने भारी तबाही मचाई हैं। मई माह के आखिरी सप्ताह में हुई बारिश ने पिछले चार दशक का रिकार्ड तोड़ कर रख दिया हैं। उन्होंने बताया कि मिटटी भरी आंधी से जहां जन जीवन प्रभावित हो गया तो तेज बारिश ने सभी को राहत दे दी। उन्होंने बताया कि आंधी व बरसात से बिजली व्यवस्था ठप होने से सभी हल्कान थे।

इस बारे में नूंह के कार्यकारी अभियंता(बिजली) ने सोमवार सांय माना कि तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से बिजली, खम्बे, तारे व ट्रांसफार्मर आदि पर इसकी मार पड़ी हैं। उन्होंने माना कि इससे बिजली व्यवस्था बाधित रही और उनकी टीमें क्षति का अवलोकन करने के लिए फिल्ड में हैं।

कोरोना महामारी के उपरान्त सी.एम.एस. के समर कैम्पों में लौटीं मनोरंजक शैक्षिक गतिविधियाँ

लखनऊ, एजेंसी। दो वर्षो की कोरोना महामारी व लॉकडाउन के उपरान्त सी.एम.एस. के निःशुल्क समर कैम्पों में छात्रों के लिए विभिन्न मनोरंजक शैक्षिक गतिविधियाँ एक बार फिर से लौट आयीं हैं। गर्मी की छुट्टियों के सर्वश्रेष्ठ सदुपयोग एवं छात्रों की सृजनात्मक प्रतिभा को निखारने हेतु सिटी मोन्टेसरी स्कूल के विभिन्न कैम्पसों में इन दिनों समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जहाँ विद्यालय के छात्र अपनी रूचि के अनुसार निःशुल्क खेलकूद, तैराकी, जूडो-कराटे, क्रिकेट, नृत्य-संगीत, वाद्य यंत्र, ऐरोबिक्स, पेन्टिंग आदि विभिन्न विधाओं में पारंगत हो रहे हैं।

छात्रों के अभिभावक सी.एम.एस. के विभिन्न कैम्पस द्वारा समर कैम्प के आयोजन से अत्यन्त प्रसन्न हैं एवं विद्यालय के इस अभिनव प्रयास की भूरि-भूरि प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय प्रबन्धन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। सी.एम.एस. कानपुर रोड कैम्पस की वरिष्ठ प्रधानाचार्या डा. विनीता कामरान ने कहा कि समर कैम्प का उद्देश्य छुट्टियों के दौरान छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से व्यस्त रखना, उनकी फिजिकल फिटनेस को बनाये रखना एवं मजेदार तौर-तरीकों से उनकी क्षमताओं को बढ़ाना है।

सीवरलाईन का काम कछुआ गति से चलने से शहरवासी परेशान, एक बरसात ने शहर के हालात बिगाड़े

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। नूंह नगर परिषद में सीवरेज -पानी की लाईन डालने का काम धीमी गति से होने और अब कुछ समय से विभाग द्वारा उसकी सुध लेना भूल बैठा है। इससे शहरवासी परेशान हैं। शहरवासियों की माने तो सीवरेज लाईन का काम अधुरा होने व खोदी हुई सडकों से चारों तरफ गली-मोहल्लों में गंदगी का आलम हैं और शहरवासियों के लिए यह नासूर समस्या बनती जा रही है।

शहरवासी एडवोकेट मोहम्मद मुजीब, सुखीराम, नीरज कुमार, खुबचंद, ताराचंद, अरसद वकील आदि ने बताया कि नूंह नगर परिषद में सीवरेज की पाईप लाईन का काम कछुआ गति से चलने और ठेकेदार द्वारा काम को बीच में छोडकर चले जाने से सोमवार सुबह हुई बरसात ने शहर के हालात बिगाड़ कर रख दिये हैं। उन्होंने बताया कि हर गली, सडक, चौक पर गंदगी के आलम होने से नगरपरिषद के कर्मचारी भी देखने नहीं आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि सीवरलाईन का कार्य शहरवासियों के लिए जी का जंजाल बन गया है और जहां यह कार्य पूरा हुआ है वहां कनेक्सन न होने से अब लाईन खस्ताहाल हो रही है। पूर्व विधायक हबीबुर्रहमान के आवास के पीछे, सुनार बाजार, नया गुरूद्वारा के पास आदि जगहों पर बुरा हाल हैं। उन्होंने जल्द से जल्द समस्या समाधान की मांग की हैं।

इस बारे में नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी से सम्पर्क करने पर बताया गया कि उनके तबादले के बाद किसी के पास भी यहां का पदभार नहीं है और साथ ही कहा कि सचिव भी कार्यालय में मौजूद नहीं हैं। उन्होंने बताया कि इस बारे में ईओ व सचिव ही बेहतर जानकारी मुहैया करा सकते हैं और वह किसी भी तरह की बयानबाजी के लिए अधिकृत नहीं हैं।

मदिरा दीवानें अब घर में ही बना सकेंगे मदिरालय, पहला होम बार लाइसेंस गाजियाबाद में जारी

गाजियाबाद, एजेंसी। मदिरा दीवानें अब घर में मदिरालय बना सकेंगे। अब कोई भी व्यक्ति अपने घर में दोस्तों रिश्तेदारों को शराब परोसने के लिए होम बार लाइसेंस ले सकता है। गाजियाबाद जिले में इसकी शुरूआत कर दी गई है। मुरादनगर क्षेत्र के लिए पहला होम बार लाइसेंस जारी किया गया है। यह लाइसेंस एक साल को मान्य होगा। अधिकारियों की मानें तो कोई भी व्यक्ति अपने घर में शराब की चार बोतल से ज्यादा नहीं रख सकता, लेकिन अब शराब पीने व पिलाने के शौकीन होम बार लाइसेंस ले सकेंगे। हालांकि, इसके लिए आबकारी विभाग के नियमों का पालन करना होगा। लाइसेंस पाने वाला व्यक्ति एक साथ 84 बोतल से ज्यादा स्टॉक में नहीं रख सकता। बार में मौजूद शराब के ब्रांड भी तय हैं। देशी व विदेशी किसी भी ब्रांड की चार बोतल से ज्यादा नहीं रख सकते। इसके साथ ही बीयर की 12 बोतल रखने की इजाजत होगी। व्हिस्की, बोदका, रम, देशी शराब, बीयर, सैंपेन, स्कॉच व्हिस्की के अलावा भी कई श्रेणी तय की गई हैं। हर श्रेणी के में तय सीमा तक ही बोतल होम बार में रखी जा सकती हैं। पहला होम बार लाइसेंस मुरादनगर क्षेत्र में एक व्यापारी को जारी किया गया है।

इसके लिए कुछ नियम भी निर्धारित किए गए है जैस 1। बिक्री के लिए नहीं अपने

अतिथियों को शराब पिलाने की होगी इजाजत, 2। लाइसेंस धारक 20 फीसदी आयकर के दायरे में आना चाहिए, 3। पांच साल का आयकर रिटर्न होना जरूरी, एक साल के लिए जारी किया जाएगा लाइसेंस आदि।

लाइसेंस प्राप्त करने वाला व्यक्ति आयकर सीमा के 20 फीसदी वाले स्लैब में शामिल होना चाहिए। इसी स्लैब में पांच साल से आयकर जमा कर रहा हो। इसके लिए पांच साल का आयकर रिटर्न भी जरूरी है। लाइसेंस के लिए 25 हजार रुपये सिक्योरिटी और 11 हजार रुपये फीस तय है। घर में बार लाइसेंस लेने के बाद व्यक्ति को बोतलों का स्टॉक भी रखना होगा। अधिकारी कभी भी स्टॉक चेक कर सकते हैं। बोतल खरीदने का बिल भी होना जरूरी है। तय सीमा से ज्यादा पाए जाने पर लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि कि जनपद में पहला होम बार लाइसेंस जारी किया गया है। इस योजना से जो लोग अपने घर में आए दिन शराब की पार्टी करते हैं वह किसी छापेमारी के डर बगैर पार्टी कर सकते हैं।

इबादत के लिए झूठ क्यों बोल रहे हैं, जो भाईचारा चाहते हैं, वो अपना दिल बड़ा करें : तारिक फतह

वाराणसी, एजेंसी। ज्ञानवापी मामले को लेकर वाराणसी जिला जज की अदालत में सुनवाई शुरू हो चुकी है। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन का कहना है कि ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे मामले में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 नहीं लागू होता है। कशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी मस्जिद विवाद मामले में एक और याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है। अश्विनी उपाध्याय ने याचिका दायर कर मांग की है कि उनका पक्ष भी सुना जाए। एक तरफ जहां ज्ञानवापी मामले को लेकर लड़ाई कानूनी रूप ले चुकी है वहीं इसको लेकर बयानबाजी का दौर भी जारी है।

तारिक फतह ने ज्ञानवापी मामले को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि ज्ञानवापी मस्जिद नहीं है, बल्की वह मंदिर था। पाकिस्तान मूल के कनाडाई लेखक तारिक फतह ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि कुरान में एक बड़ी ही साफ लाइन है कि सच बोलो। चाहे उसके लिए जान भी क्यों न चली जाए। ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में मिली पत्थर की ठोस संरचना को फव्वारा बताने वालों से सवाल करते हुए फतह ने पूछा कि वे ये बताएं कि 400 साल पहले वह कैसे बना। तब तो फ्लैट जमीन में फव्वारा बनाने की तकनीक नहीं थी। तारिक फतह ने कहा कि इबादत के लिए झूठ क्यों बोल रहे हैं? जो भाईचारा चाहते हैं, वो अपना दिल बड़ा करें।

तारिक फतह ने कहा कि सब जानते हैं कि अपने भाइयों के कातिल और बाप को जेल में डालने वाले औरंगजेब ने मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई थी। फतह ने कहा कि औरंगजेब ने कितने मुसलमानों को मारा इस बात का पता क्यों मुस्लिमों को नहीं है। अवैध कब्जा करके या चोरी की जमीन पर मस्जिद बनाना इस्लाम में उचित नहीं है। ज्ञानवापी मस्जिद नहीं है बल्कि वो मंदिर था। फतह ने इसका साथ ही उसे सौंप देने की भी बात कही।

राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष का जबरदस्त हंगामा, राज्यपाल बोलीं-अगले पांच साल में विकास की भव्य इमारत लेगी आकार

लखनऊ, एजेंसी। उप्र विधानसभा की कार्यवाही भले ही पेपरलेस हो गयी हो लेकिन सदन हंगामालेस नहीं हो पाया। उप्र विधान मण्डल के संयुक्त अधिवेशन को सम्बोधित करने पहुंची राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल को विपक्ष के जबरदस्त हंगामे से दो-चार होना पड़ा। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्षी सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर जमकर नारेबाजी की और ह्यराज्यपाल वापस जाओह्ण के नारे लगाये। लेकिन राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने हंगामें और नारेबाजी को दरकिनार कर अपना अभिभाषण जारी रखा। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पिछले पांच वर्ष सुशासन काल रहे। बीते पांच वर्षों में प्रदेश में विकास की नींव डालने का काम किया गया है। अब अगले 05 वर्षों में इसी नींव पर विकास की भव्य इमारत आकार लेगी।

सोमवार को राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल विधानमण्डल के दोनों सदनों को संयुक्त रुप से सम्बोधित करने विधान मण्डप पहुंची। उन्होंने 11 बजे जैसे ही अपना अभिभाषण पढ़ना शुरू किया प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में समूचे विपक्ष ने जोरदार हंगामा करना शुरू कर दिया। इस दौरान सपा विधायक ह्यराज्यपाल वापस जाओह्ण के नारे लगाते रहे। सपा विधायक वेल तक पहुंच गए और सरकार विरोधी, महंगाई और बेरोजगारी के पोस्टर लहराए। उधर विपक्ष के हंगामें को नजर अंदाज कर राज्यपाल ने अपना अभिभाषण जारी रखा। अपने करीब एक घण्टे के अभिभाषण में राज्यपाल ने कहा कि विगत 05 वर्षों में प्रदेश में विकास की नींव डालने का काम किया गया है। अब अगले 05 वर्षों में इसी नींव पर विकास की भव्य इमारत आकार लेगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश में निवेश को बढ़ाने, आधारभूत अवसंरचना को सुदृढ़ करने और प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने का कार्य किया जाएगा। हालिया विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक जनादेश के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि आगामी 05 साल में अब सुशासन को और सुदृढ़ करने के लिए मेरी सरकार की खुद से प्रतिस्पर्धा प्रारम्भ होगी। राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2016 के सापेक्ष 2021 में डकैती के मामलों में 73.94 प्रतिशत, लूट में 65.88 प्रतिशत, हत्या में 33.95 फीसदी और रेप में 50.66 फीसदी की कमी आई है। प्रदेश में वर्तमान में 186 भू-माफिया जेल में हैं। 4,274 लोगों के खिलाफ अतिक्रमण के मामले में कार्रवाई की गई। वहीं सरकार की ओर से लगभग 98.88 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार ने 594 किमी लंबी 6 लेन गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना का काम शुरू किया है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अब तक 94 हजार कन्याओं का विवाह संपन्न कराया गया है। सरकार ने आगामी 5 सालों में 2 करोड़ स्मार्ट फोन-टैबलेट वितरित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश शीघ्र ही पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का एक मात्र राज्य बन जाएगा। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से पांच सालों में तीन हजार किमी. से ज्यादा सड़क बनाई गई। शहीद हुए परिवार को आर्थिक सहायता के लिए 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख कर दिया गया। राज्यपाल ने कहा कि विगत पांच वर्षों में प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 43.5 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं, स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत 2.61 करोड़ व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया गया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से 1.67 करोड़ निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए गए। सौभाग्य योजना के माध्यम से 1.41 करोड़ निःशुल्क बिजली कनेक्शन दिए गए। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत 2.55 करोड़ किसानों को 42 हजार 565 करोड़ रुपये हस्तान्तरित किए गए। 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपये का फसली ऋण माफ किया गया। सेंटर फार मानीटरिंग इंडियन इकोनामी के आकलन के अनुसार जून 2016 में प्रदेश की बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत थी, जो अप्रैल 2022 में घटकर 2.9 प्रतिशत रह गई है।

राज्यपाल ने कहा कि पूर्व की भांति मेरी सरकार प्रदेशवासियों को पारदर्शी और जवाबदेह शासन व ईमानदार तथा संवेदनशील प्रशासन उपलब्ध कराने के लिए तत्पर रहेगी। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों के अलग-अलग समूह गठित किए गए हैं। राज्यपाल ने कहा कि मंत्री समूहों द्वारा अलग-अलग जनपदों का भ्रमण कर ह्यसरकार आपके द्वारह्ण के अनुरूप जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही, समाज के कमजोर वर्गों के सम्मानित नागरिकों का खास ध्यान रखते हुए उनकी समस्याओं के समाधान के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि लोक कल्याण संकल्प पत्र-2022 के माध्यम से प्रदेश की जनता से जो भी वादे किए गए हैं, सरकार इन वादों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्पित है और इसके लिए सरकार द्वारा सेक्टरवार 100 दिन, 06 माह, 01 साल, 02 साल एवं 05 साल की वृहद कार्ययोजनाएं बनाई गई हैं। इन कार्ययोजनाओं पर काम शुरू भी हो चुका है।

संक्षिप्त समाचार

पहाड़ों में बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट, तापमान में आएगी भारी गिरावट

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में बीते दो दिनों में मौसम का मिजाज बदला है जिससे उत्तराखंड के अलग-अलग हिस्सों में अच्छी बारिश से मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी से निजात मिली है तो वहीं पहाड़ों की बात करें तो ऊंचे इलाकों में मौसम में बदलाव से ठंड बढ़ गयी है। कई स्थानों पर मार्ग बाधित हुए हैं जिससे चारधाम में भी कई जगहों पर यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है जिससे कोई जनजानि न हो। मौसम विभाग की माने तो निदेशक मौसम केंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि उत्तराखंड में पहाड़ी इलाकों में मंगलवार को भी बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है जिससे तापमान में भारी गिरावट आ सकती है। साथ ही मैदानी इलाकों में भी बारिश, ओलावृष्टि व 80 से 90 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी तूफान चलने की संभावना है जिसमें पेड़ उखड़ने का खतरा बना रहता है। उन्होंने आंधी तूफान के दौरान एहतियात बरतने की बात कही, साथ ही पहाड़ी इलाकों में यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को भी ठंड से बचने की सलाह दी।

पलायन को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं अधिकारीः डीएम

नैनीताल, एजेंसी। सरोवर नगरी नैनीताल से दूर जनपद नैनीताल के भीमताल विकास भवन में जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो पलायन हो रहा है उसे रोकने के लिए प्लान बनाएं, जिससे पलायन रुक सके। उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कक्षा एक से लेकर पांच तक कुमाऊंनी भाषा मे पाठ्यक्रम पढ़ाया जाये तथा जनकवि गिर्दा के गीतों को स्कूलों में प्रार्थना के रूप में गाया जाये। इस मौके पर तमाम नैनीताल जनपद के अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने यह भी कहा उत्तराखंड के बच्चों को प्रदेश की सभी भाषाओं का ज्ञान होना अति आवश्यक है। उन्होंने सभी बेरोजगार व्यक्तियों से कहा कि यहां भी सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है सिर्फ काम करने का हौसला होना चाहिए। उत्तराखंड में भी रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

पेड़ के नीचे आने से युवक की दर्दनाक मौत

देहरादून, एजेंसी। बीते रोज देर रात्रि को आई तेज आंधी तूफान में कई जगह पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आईं हैं जिससे जानमाल का नुकसान हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार जनपद के लक्सर कोतवाली क्षेत्र में पेड़ के नीचे आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक युवक का नाम 25 वर्षीय सुमित ग्राम बीजोंपुरा निवासी बताया जा रहा है। इस दौरान मृतक का शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार देर रात अचानक तेज आंधी तूफान चलने लगा। इस दौरान सुमित बीजोपुर्रा गांव से सुल्तानपुर अपनी रिश्तेदारी में गया हुआ था। सुबह करीब चार बजे वह सुल्तानपुर से घर के लिए निकला। जैसे ही वो लक्सर में चैधरी पेट्रोल पंप के पास पहुंचा, अचानक तेज आंधी से सड़क किनारे खड़ा पेड़ गिर पड़ा। बाइक चला रहा सुमित पेड़ के नीचे दब गया और मौके पर ही मौत हो गई।

भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी, उत्तराखंड इकाई की महिला मोर्चा एग्जिक्यूटिव सदस्यों की बैठक आयोजित

देहरादून, एजेंसी। भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी, उत्तराखंड इकाई की महिला मोर्चा एग्जिक्यूटिव सदस्यों की एक बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष रमा गोयल के नेतृत्व में हुई। इसमें आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। देहरादून से थोड़ी दूर बस्तियों में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने पर भी विचार किया गया। इस अवसर पर इसके साथ ही महिलाओं को उनके अधिकारों एवं सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए जून महीने में एक कार्यक्रम की योजना बनाई गई। इस सदस्य की बेटी का जन्मदिन भी मनाया गया। इस अवसर पर बैठक में रमा गोयल, अंतेजा बिष्ट, बिमला गौड़, परवीन शर्मा, मंजू गुप्ता, अमिता गोयल, राखी गुप्ता एवं उनकी बेटियां उपस्थित रहीं।

राज्य सरकार भू-माफियाओं के इशारों पर चल रही हैः उक्रांद

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड क्रांति दल के पूर्व केन्द्रीय महामंत्री सुनील ध्यानी ने कहा है कि राज्य बनने के बाद उत्तराखंड मे शहरीकरण का दर अन्य हिमालयी राज्यों के सापेक्ष सेकड़ों गुणा हुआ हैं। लगातार अभी तक की सरकारें नगर निगम, नगरपालिकाओं तथा नगर पंचायतों का गठन कर या इनकी सीमाओं को बढ़ाकर ग्रामीण संस्कृति को नष्ट कर रही हैं। उन्होंने कहा कि लाजमी हैं कि ग्रामीण क्षेत्र को निकायों मे शामिल कर ग्राम समाज कि जमीनों पर भू माफियाओं के कब्जे तथा शहरी भूमि बनाकर बिल्डरों, कारपोरेट के लिए रास्ता बना रही हैं। उन्होंने कहा कि अभी हाल मे नगर पंचायतों जो नए सर्जित हुए हैं वहा पर बड़ा खेल सरकारी जमीनों का चल रहा है, जिसमें राजस्व विभाग से लेकर सरकार के नुमाइंदे तथा सफेदपोश कब्जा करने में शामिल हैं।

आजादी के अमृत महोत्सव पर भारत-चीन-नेपाल सीमा पर देश भर के साईकलिस्ट फहरायेंगे 75 तिरंगे

टूर-डी-कैलाश साईकल रैली में मुख्यमंत्री धामी करेंगे साईलिस्टों की हौंसलाहफजाई

देहरादून/पिथौरागढ़, एजेंसी। देशव्यापी आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर उत्तराखंड सरकार और स्थानीय पिथौड़ागढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित की जा रही टूर-डी-कैलाश साईकल रैली में देश भर के 60 से ज्यादा साईकलिस्ट जुटे हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी इस आयोजन के अंतर्गत भारत-चीन-नेपाल सीमा से सटे उत्तराखंड में समुद्र तल से लगभग 10,500 फीट पर स्थित गुंजी चोटी में इस साईकल रैली का शुभारंभ करेंगें। उपायुक्त पिथौरागढ़ आशीष कुमार चैहान ने बताया कि आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर साईकलिस्ट इस चोटी पर 75 तिरंगे फहरा कर देश का गौरव बढ़ायेंगे। तीन दिवसीय इस आयोजन में पुणे, मुम्बई, दिल्ली एनसीआर, चंडीगढ़ और जम्मू सहित उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों से साईकलिस्ट भाग ले रहे हैं। आयोजन के तहत प्रत्येक दिन लगभग 40 किलोमीटर की दूरी तय कर साईकलिस्ट 14,000 फीट तक चढ़ने का दम भरेंगें। सोमवार को उपायुक्त आशीष कुमार चैहान ने सभी साईकलिस्टों को दस हजार फीट के लिये गुंजी के लिये रवाना किया। दो दिन के ऐक्लेमेटाईजैशन के बाद 25 मई को मुख्यमंत्री

पुष्कर धामी द्वारा स्वयं गुंजी में आकर साईलिस्टों का उत्साह बढ़ायेंगे। इस अवसर पर धामी 14,154 फीट स्थित जोलिंगकोंग के लिये रवाना करेंगे। साईकलिस्ट अपने इस सहासिक अभियान के तहत सीमा से सटे 14,190 फीट स्थित नाभीधांग की भी चढ़ाई कर अपने साहस का परिचय देंगे। इवेंट डायरेक्टर यतिंदर मंमगाई ने बताया कि सीमांत क्षेत्र में तिरंगे का मान बढ़ाने के साथ साथ जिला प्रशासन का प्रयास सुदूर दुर्गम क्षेत्रों जैसे आदि कैलाश, ओम पर्वत आदि धार्मिक मान्यताओं वाले स्थानों में 'रिस्पोंसिबल टूरिज्म' को बढ़ावा देना है। उन्होंनें इस बात पर भी बल दिया कि आयोजन के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही प्रदेश में माउंटेन बाईकिंग में आपार संभावनाओं को तलाशना है। उन्होंनें बताया कि यह आयोजन जीरो कार्बन फुटप्रिंट एक्टिविटी हैं जिसमें पर्यावरण के प्रति सभी साईकलिस्ट सजगता दिखायेंगें। मंमगाई का प्रयास इस बार के नॉन कोम्पिटेटिव आयोजन को इंटरनैश्नल इवेंट बनाकर अल्ट्रा कोम्पिटेटिव बनाना है और पिथौरागढ़ और उत्तराखंड को साईकलिंग मानचित्र पर लाना है।

बहाली की मांग को लेकर स्टेट फ्रंटलाइन हैल्थ वर्कर्स यूनियन का आंदोलन जारी

● आप के साथ सचिवालय तक निकाला पैदल मार्च

देहरादून, एजेंसी। बहाली की मांग को लेकर स्टेट फ्रंटलाइन हैल्थ वर्कर्स यूनियन का सहस्त्रधारा रोड स्थित एकता विहार में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान धरने को आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने अपना समर्थन दिया और वहां से आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ सचिवालय तक पैदल मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने सहस्त्रधारा रोड क्रासिंग पर बैरीकैडिंग लगाकर रोक लिया। आज बहाली की मांग को लेकर स्टेट फ्रटलाइन हैल्थ वकर्स यूनियन का सहस्त्रधारा रोड स्थित एकता विहार में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी रहा और आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने अपना समर्थन दिया और वहां से आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ सचिवालय तक पैदल मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने सहस्त्रधारा रोड क्रासिंग पर बैरीकैडिंग लगाकर रोक लिया। इस बीच प्रदर्शनकारियों व पुलिस के बीच तीखी नोंकझोंक हुई और बाद में सभी वहीं धरने पर बैठ गये। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश समन्वयक जोत सिंह बिष्ट ने कहा कि कोरोना काल में इन कर्मचारियों ने अपनी जान पर खेलकर मरीजों की सेवा की और अब उन्हें अकारण हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सहस्त्रधारा रोड पर काफी लंबे समय से बैठे स्टेट फ्रटलाइन हैल्थ वर्क्स यूनियन से जुडे.हुए आउटसोर्स कर्मचारी धरने पर बैठे है लेकिन सरकार की ओर से कोई सुध अभी तक नहीं ली है जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि कहा की संघर्ष की इस घड़ी में आम आदमी पार्टी आप के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि यह वही फ्रंटलाइन वर्कर्स है जिन्होंने कोरोना कॉल में अपनी जान की परवाह किए बगैर कई बेगुनाह लोगों की जान बचाई और लगातार लोगों की सेवा की लेकिन सरकार ने उनको स्थाई करने के बजाए उनको सड़क पर धक्के खाने को मजबूर कर दिया। इस दौरान जोत सिंह बिष्ट, उमा सिसोदिया, जीतेन्द्र पंत, रविंद्र आनन्द, सरिता गौतम, सतीश शमा, दीप प्रकाश पंत, इंदु व्यास सहित अनेक कार्यकर्ता एवं आउटसोर्स कर्मचारी मौजूद रहे।

मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल्स हैंडीक्राफ्ट विभाग के सहयोग से महिला हस्तशिल्पियों व कारीगरों का किया पंजीकरण

देहरादून, एजेंसी। तेजस्वनी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं बिजनेस एसोसिएशन ने मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल्स हैंडीक्राफ्ट विभाग के सहयोग से महिला हस्तशिल्पियों, कारीगरों का पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर कैम्प में 35 महिलाओं ने अपने उत्पाद का पंजीकरण कर विभाग द्वारा चलाई जा रही स्कीमों की जानकारी ली। इस मौके पर विभाग की ओर से हैंडीक्राफ्ट प्रमोशन अफसर शैलेश सिंह ने सभी महिलाओं को विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि इस यह पंजीकरण कार्ड पांच वर्षों के लिए बनाया जाता है जिससे उनको किसी भी बैंक से बिजनेस लोन मुद्रा लोन लेने पर कई तरह के फायदे मिलते है। यही नहीं सरकार द्वारा लगाई जाने वाली सभी प्रदर्शनियों क्राफ्ट बाजार, शिल्प बाजार आदि में उनको मुफ्त दुकान भी उपलब्ध करवाई जाती है। यही नहीं विभाग की ओर से कई अवार्ड भी समय समय पर घोषित किए जाते है जिनके अधिकतम राशि 10 लाख रुपये तक रहती है। शैलेश ने बताया कि आज पंजीकरण के बाद लगभग 2 माह का समय लगता है पहचान पत्र आने में उसी के बाद आप सभी सुविधाओं के पात्र हो सकते हैं। इस बारे में संस्था की अध्यक्ष प्रिया गुलाटी ने कहा कि ये एक पहला कदम था महिलाओं को सरकार से जोड़ने का जो संस्था की ओर से बढ़ाया गया। जो महिलाएं इस कैम्प में नही पहुंच सकी जानकारी के आभाव में उनके लिए अगले 15 दिनों में पुनः एक और कैम्प किया जा रहा है। कार्यक्रम में त्रिशला मालिक, कविता पाल, अंशिका खुराना, रोमी सलूजा एवं अभिषेक बिश्नोई बतौर समन्वयक मौजूद रहे।

दून नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष रहे दीनानाथ सलूजा का निधन

● मेयर, नगर आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने की शोकसभा आयोजित

देहरादून, एजेंसी। प्रमुख समाजसेवी एवं दून नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष रहे 84 वर्षीय दीनानाथ सलूजा का आज निधन हो गया। वह अपने पीछे हरा भरा परिवार छोड़ गये है। वह पिछले दो साल से कोमा में थे। वहीं नगर निगम में मेयर, नगर आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने शोकसभा आयोजित कर दोपहर बाद नगर निगम को बंद कर दिया गया। यहां राजपुर रोड स्थित अपने आवास पर प्रमुख समाजसेवी एवं दून नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष रहे 84 वर्षीय दीनानाथ सलूजा ने अंतिम सांस ली। उनके निधन से राजनैतिक दलों, सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों एवं पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया गया। 1990 के दौर में भूमि और भवन आवंटित करने वाले तत्कालीन नगर पालिका बोर्ड के अध्यक्ष दीनानाथ सलूजा का निधन हो गया है। बताया कि आजादी पूर्व स्थापित और आजादी बाद कई दशक तक दिल्ली, चंडीगढ़, लखनऊ समेत विभिन्न स्थानों से प्रकाशित तकरीबन सभी प्रमुख समाचार पत्र-पत्रिकाओं का शहर में सबसे बड़े नेटवर्क के जरिये वितरण कराने वाली नेशनल न्यूज एजेंसी के स्वामी दीनानाथ सलूजा काफी लंबे समय से बीमार थे। वर्ष 89-90 और कुछ हद तक डेढ़ दशक पहले तक दीनानाथ सलूजा दूनघाटी के सामाजिक-सांस्कृतिक और वैर राजनीतिक मंचों का प्रमुख चेहरा होते थे। उत्तराखंड आंदोलन के शुरूआती दौर में भी वे प्रत्यक्ष और बाद में परोक्ष रूप से सक्रिय रहे। देहरादून में आंदोलन के संचालन के लिए एकदम शुरूआत में बनी संघर्ष समिति के निर्माण में भी उनकी भागीदारी रही। दीनानाथ सलूजा 1989 से 1994 तक देहरादून नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रहे। वह दून के ऐसे आखिरी पालिकाध्यक्ष थे, जो सभासदों के वोट से चुने गए थे। 1989 तक पालिकाध्यक्षों को सभासद ही चुनते थे, जबकि 1997 से पालिकाध्यक्ष का चुनाव सीधे आम जनता के वोट से होने लगा। नगर निगम परिसर स्थित लाला जुगमंदर दास प्रेक्षागृह (टाउनहॉल) का पहली बार आधुनिकीकरण सलूजा के ही कार्यकाल में किया गया था। वहीं दूसरी ओर स्वर्गीय दीनानाथ सलूजा के आवास पर सात्वंना देने वालों का तांता लगा रहा।

बीसीसीआई की तरफ से महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का आईपीएल की तर्ज पर टूनार्मेंट शरू

● मंगलवार को देहरादून लिटिल मास्टर क्लब की भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी स्नेह राणा वलोसिटी की तरफ से खेलती नजर आएंगी

देहरादून, एजेंसी। बीसीसीआई की तरफ से महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का आईपीएल की तर्ज पर तीन टीमों का टूनार्मेंट शुरू हो गया है। 24 मई को देहरादून लिटिल मास्टर क्लब की भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी स्नेह राणा वलोसिटी की तरफ से खेलती नजर आएंगी। आज लिटिल मास्टर क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष व कोच नरेन्द्र शाह ने बताया कि स्नेह राणा के अलावा टीम में दिप्ती शर्मा, याचिका शिफाली वर्मा खेलती नजर आएंगी जिसमें कुछ विदेशी महिला क्रिकेट खिलाड़ी भी खेलती नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि लिटिल मास्टर क्लब देहरादून में पहली बार इस प्रकार के टूनार्मेंट होने पर खुशी का माहौल से क्यों की उनकी क्लब की खिलाड़ी स्नेह राणा भी खेल रही है। वहीं दूसरी ओर उभरती हुई तेज गैंद बाज प्रिया राज ने कहा है कि मुझे बहुत खुशी हुई की अब महिला क्रिकेट पर काफी ध्यान दिया जा रहा है।

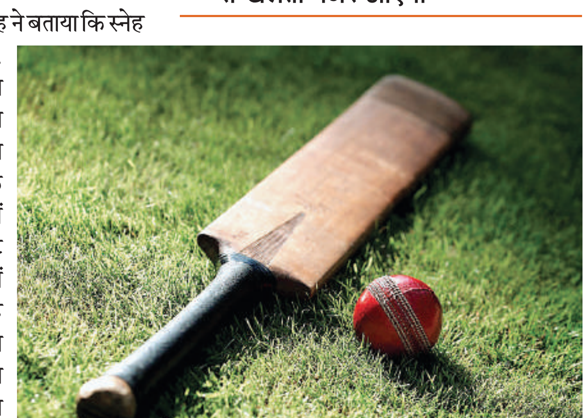

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के टूनार्मेंट सभी खिलाड़ियों को और भी ज्यादा क्रिकेट के प्रति महिला क्रिकेट खिलाड़ी को प्रोत्साहित करेंगे हम भी बीसीसीआई की दिल से प्रसन्नता व्यक्त करते हैं। इस अवसर पर लिटिल मास्टर क्रिकेट क्लब की सचिव किरन शाह ने कहा है कि यह सुनकर बहुत खुश हुई की महिला क्रिकेट के लिए भी बीसीसीआई ने एक अच्छा कदम उठाया है की लड़कियों को भी आईपीएल खेलने को मिलेगा ओर अगले साल से छह टीमें खेलेंगी बहुत अच्छी पहल है और इसके लिए उन्होंने बीसीसीआई को बधाई दी है। वहीं क्रिकेटर जितेन्द्र ने कहा है कि यह एक अच्छी पहल है जिस प्रकार पुरुष खिलाड़ियों को सब कुछ मिल रहा उसी तरह महिला क्रिकेट खिलाड़ी को भी मिलना चाहिए और अब यह शुरूआत कर दी गई है। उन्होंने बीसीसीआई को बधाई दी है और कहा कि उन्होंने अगले साल से छह टीमों का आईपीएल कराने का फैसला लिया जो काबिलेतारीफ है।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के बयान पर भैरव सेना ने किया बुद्धि-शुद्धि यज्ञ

देहरादून, एजेंसी। भैरव सेना के कार्यकर्ता कार्यकारी जिलाध्यक्ष रंजीत पाठक के नेतृत्व में ऐतिहासिक गांधी पार्क राजपुर रोड पहुंचे। वहां पर उन्होंने उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की स्मृति में प्वाइंट एवं यात्री विश्राम बनाने का बयान जारी करने के विरोध में भैरव सेना ने बुद्धि-शुद्धि यज्ञ कर अपना विरोध दर्ज किया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष संदीप खत्री ने बताया की केदारनाथ फिल्म का उत्तराखंड में संगठन के द्वारा पुरजोर विरोध हुआ था, जिसको लेकर सरकार द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया जिसके अध्यक्ष तत्कालीन कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज को ही बनाया गया था और उनकी रिपोर्ट के आधार पर ही फिल्म को उत्तराखंड राज्य में प्रतिबंधित कर दिया गया था। जिसके लिए भैरव सेना ने उनके आवास पर जाकर उनको सम्मानित भी किया था। इस अवसर पर प्रदेश सचिव संजय पंवार ने कहा की वर्तमान में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज का मुगल देश दुबई से आते ही उन्होंने तुगलकी फरमान जारी कर दिया। उन्होंने कहा कि जिसमें उन्होंने केदारनाथ फिल्म के दृश्य तथा फिल्म के अभिनेता सुशांत

सिंह राजपूत का स्मृति प्वाइंट तथा यात्री विश्राम गृह बनाने का बयान जारी कर दिया। जिसको भैरव सेना तथा उत्तराखंड राज्यवासी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि स्मृति प्वाइंट बनाना ही है तो उत्तराखंड राज्य की महान विभूतियों श्रीदेव सुमन, हेमवती नंदन बहुगुणा, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली, माधव सिंह भंडारी अनुसूया बहुगुणा, तीलू रौतेली, गोविन्द वल्लभ पंत सहित हजारों समर्पित उत्तराखंडीयों का बनाओ परन्तु उनको छोड़कर एक फिल्म अभिनेता का स्मृति प्वाइंट बनाने का क्या औचित्य है। उन्होंने कहा कि जिसनें कि उत्तराखंड राज्य के लिए कोई भी योगदान नहीं दिया। वहीं

● मंत्री ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की स्मृति में प्वाइंट एवं यात्री विश्राम बनाने का दिया था बयान

कार्यकारी जिला अध्यक्ष पंडित पाठक ने कहा कि किसी भी सूरत में उत्तराखंड में बाहरी व्यक्तियों को हीरो बनने नहीं दिया जाएगा वह भी ऐसे व्यक्ति जिन्होंने उत्तराखंड के लिए कोई योगदान नहीं किया। उत्तराखंड के महान विभूतियों का अपमान भैरव सेना के कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस अवसर पर दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीवात्मा के गुण व शक्तियां विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन

देहरादून, एजेंसी। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के तत्त्वावधान में जीवात्मा के गुण व शक्तियां विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 399 वां वेबिनार था।

वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने कहा कि मनुष्य चेतन प्राणी है और उसकी चेतन शक्ति जीवात्मा की है। जीवात्मा के गुण,शक्तियां और स्वरुप का ज्ञान इसलिए महत्वपूर्ण और आवश्यक है। जीवात्मा को अपना उद्धार स्वयं ही करना है जो आत्मज्ञान के बिना संभव नहीं है। महर्षि गौतम रचित ग्रन्थ न्यायदर्शन से उद्धरण लेते हुए उन्होंने जीवात्मा के छह गुणों की चर्चा की और तत्पश्चात सत्यार्थ प्रकाश में दी गयी जीवात्मा की 24 शक्तियों की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि इसके उपरांत जीवात्मा के स्वरुप के बिंदुओं की विवेचना की।

मनुष्य की भौतिक उन्नति और अध्यात्मिक प्रगति के लिए जीवात्मा की सही और पूर्ण जानकारी कितनी आवश्यक है। इसे धर्मपरायणता के साथ जोड़ के स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जीवात्मा की शक्तियों की चर्चा करते हुए विषय के स्पष्टीकरण हेतु संगत उदाहरण प्रस्तुत किये। वैदिक विचारधारा के उन सूत्रों को, जो विषय से सम्बंधित थे,सामने रखा।

अपने निजी स्वरुप,अपने गुण-अवगुण और अपनी नैसर्गिक शक्तियों का बोध जीवन में आगे बढ़ने और मानव जीवन के परम लक्ष्य तक पंहुचने के लिए कितना आवश्यक है। इस पर पुनः चर्चा करते हुए अपना उद्बोधन पूर्ण किया। मुख्य अतिथि कमान्डर पी सी बक्शी व अध्यक्ष यशपाल आर्य ने भी अपने विचार रखे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर गायक रविन्द्र गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, सुदर्शन चैधरी, विजय खुल्लर, ईश्वर देवी, रजनी चुघ, कुसुम भंडारी, जनक अरोड़ा, कमला हंस आदि के मधुर भजन हुए।

सुराज सेवादल का दून अस्पताल के बाहर प्रदर्शन, धरना

अस्पताल पर लगाया मरीजों का सही ईलाज न किये जाने का आरोप

देहरादून, एजेंसी। दून अस्पताल प्रशासन के भ्रष्टाचार में संलिप्त होने पर मरीजों का सही ईलाज न किये जाने के विरोध में सुराज सेवादल के कार्यकताओं ने प्रदर्शन कर धरना दिया। आज सुराज सेवादल के कार्यकर्ता सुराज सेवादल के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के महानगर महासचिव मेहरबान अली की अगुवाई में दून अस्पताल के बाहर एकत्रित हुए ओर वहां पर मरीजों का सही उपचार न होने के विरोध में प्रदर्शन कर धरना दिया। इस अवसर पर मेहरबान ने बताया कि दून अस्पताल प्रशासन पूरी तरह भ्रष्टाचार में संलिप्त है। वहां गरीब मरीजों का उपचार नहीं किया जाता। गंदगी चरम सीमा पर है।

उन्होंने कहा कि चारों तरफ बदबू ही बदबू एवं गंदगी का आलम है। इस अवसर पर मेहरबान ने बताया कि जो मरीज भर्ती होता है वह दूरदराज पहाड़ी क्षेत्रों से सही उपचार की वजह से आता है, लेकिन दून अस्पताल सरकारी अस्पताल होने के बावजूद भी सारी दवाइयाँ बाहर से मंगवाते हैं। उन्होंने कहा कि जब मरीज के पास जो थोड़े बहुत पैसे होते हैं और वह खत्म हो जाते हैं तो उन्हें डरा धमका कर गुमराह कर कोरोनेशन अस्पताल रेफर कर देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी ही घटना मेरे साथ भी हुई दून अस्पताल में एक्स-रे मशीन है! पर उन्होंने अपने क्लीनिक खोल रखे हैं! उनके पास सही उपचार के लिए समय नहीं है! मरीजों से व्यवहार ऐसा करते हैं जैसे वह अपराधी हो। उन्होंने कहा कि हड्डियों के ऑपरेशन के लिए उन्होंने दलाल बैठा रखे हैं। उन्होंने कहा कि अगर मरीज पैसे देगा तो उपचार मिलेगा अन्यथा जवाब मिलेगा बैड नहीं है। इस अवसर पर धरना प्रदर्शन में सुराज सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी, राजेंद्र पन्त, मेहरबान, मोहिनी, मोनिका, प्रकाश, अंजू, बबीता सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरिद्वार हरकी पैड़ी पर गंगा आरती के लिए बदले नियम

हरिद्वार, एजेंसी। हरकी पैड़ी पर होने वाली गंगा की विश्व प्रसिद्ध मुख्य आरती को पहली बार ऑनलाइन बुक किया जा सकेगा। पहले तक श्रीगंगा सभा के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर आरती की तारीख को नोट कराकर बुकिंग करानी पड़ती थी। अब यात्री स्वयं ऑनलाइन पूरी बुकिंग कर सकेंगे। श्रद्धालुओं को बुकिंग के खाली स्लॉट का भी पता चल सकेगा। 2100 रुपये में गंगा की मुख्य आरती को बुक किया जा सकेगा। श्रीगंगा सभा की ओर से ऑनलाइन बुकिंग पर विशेष फोकस किया जा रहा है। अभी वेबसाइट पर काम शुरू कर दिया है, अगले कुछ दिनों में सभी व्यवस्था को ऑनलाइन कर दिया जाएगा। श्रीगंगा सभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ स्वयं इसकी निगरानी कर रहे हैं।ः देश-विदेश से हरकी पैड़ी की आरती देखने को श्रद्धालु पहुंचते हैं। ब्रह्मकुंड में मुख्य और सहायक आरती समेत 11 आरतियां होती हैं। मुख्य आरती के लिए 2100 रुपये और अन्य आरतियों के लिए 1100-1100 रुपये पहले से ही तय किए गए हैं। आरती की बुकिंग नवसंवत्सर के हिसाब से शुरू होती है। इस साल 2 अप्रैल से बुकिंग शुरू हुई थी। अभी अगस्त तक मुख्य आरती की बुकिंग नहीं है। सितंबर में भी कुछ चुनिंदा दिन ही खाली है। 21 मार्च 2023 तक की बुकिंग अभी ली जा रही है। वर्ष 2023 से 2024 के लिए बुकिंग 22 मार्च 2023 को शुरू होगी।

संक्षिप्त समाचार

साहित्यकारों ने सतपाल जैन को अपना काव्य संग्रह 'शब्दों की परछाइयां' और 'आईना' भेंट किया

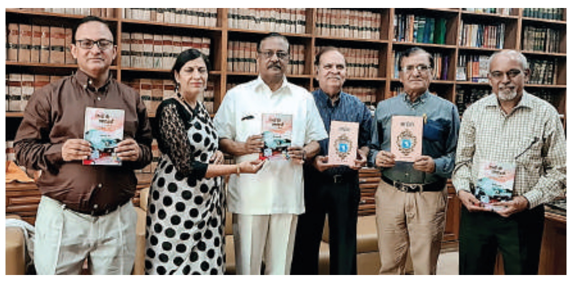

मदरलैंड संवाददाता, चण्डीगढ़। दो साहित्यकारों नीरू मित्तल 'नीर' ने अपना काव्य संग्रह 'शब्दों की परछाइयां' और आर के भगत ने अपना गजल संग्रह 'आईना' एडीशनल सॉलीसीटर जनरल और पूर्व सांसद सतपाल जैन को भेंट किया। इस अवसर पर बोलते हुए सतपाल जैन ने कवियों को बधाई देते हुए कहा कि कविताएं मन की भावनाओं और समाज की विडंबनाओं को शब्दों में पिरो कर कागज पर उकेरी हुई अभिव्यक्ति है। उन्होंने सतत साहित्य सृजन की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर बोलते हुए संवाद साहित्य मंच के अध्यक्ष प्रेम विज ने समाज में साहित्य की भूमिका और दायित्व पर प्रकाश डाला। डा विनोद कुमार शर्मा, नीरू मित्तल 'नीर', आर के भगत, प्रेम विज, आर के मित्तल तथा अन्य सदस्यों ने अपने अपने विचार प्रकट किए।

एनजीओ एनए कल्चरल सोसायटी को मिला वीमेन एचीवर अवार्ड

मदरलैंड संवाददाता, चण्डीगढ़। समाज में महिलाओं के उत्थान के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों की वजह से चंडीगढ़ की एन ए कल्चरल सोसाइटी को वुमन अचीवर अवार्ड से नवाजा गया। गौरतलब है कि सोसाइटी पिछले 5 सालों से समाज में महिलाओं व जरूरतमंद बच्चों के लिए लगातार प्रयासरत रहती है और खास कर करोना काल में सोसाइटी की पायल निखार ने अपने घर से ही भोजन बना बना कर कई जरूरतमंदों का भला किया इसीलिए आयोजक राधिका व मुख्य अतिथि गुलशन ग्रोवर व संजीव जुनेजा ने सोसाइटी की पदाधिकारियों को अवार्ड से सम्मानित किया।

18 पेटी देसी शराब सहित एक को किया गिरफ्तार

मनमोहन शर्मा, मदरलैंड संवाददाता, हांसी। पुलिस अधीक्षकों नितिका गहलोत के दिशा निदेर्शानुसार जिला भर में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक्साइज स्टाफ हांसी की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान अशोक वासी बड़सी के रूप में हुई। एक्साइज स्टाफ को मुखबिरी मिली कि एक बोलेरो पिकअप नंबरल्ऌ१ ,39 उ,7156 में भारी मात्रा में शराब आ रही है। यदि फौरन रेड की जाये तो काबू की जा सकती है स्टाफ की टीम ने बस स्टैंड के पास नाकाबंदी करके गाड़ी को रोककर तलाशी ली जिसके कब्जे से 18 पेटी शराब बरामद करके दोनों को गिरफ्तार करके थाना शहर हांसी में आबकारी अधिनियम संशोधीत 2020 के तहत कार्रवाई करके न्यायालय पेश करके जेल भेज दिया हैं।

10 लड़कों एवं लड़कियों का नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप में हुआ चयन

मदरलैंड संवाददाता,कनीना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धनौंदा के 10 विद्यार्थियों का नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप में चयन हो गया है। सभी 10 विद्यार्थियों को राजकीय वरिष्ठ विद्यालय में सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्राचार्य कृष्ण कुमार तथा मुख्य प्रवक्ता सतन कुमार कुमार रहे। इस मौके पर कृष्ण कुमार ने कहा कि कड़ी मेहनत के चलते विद्यार्थियों का चयन नेशनल मींस कम मेरिट स्कूल में हुआ है। विद्यार्थियों को दिन रात मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे काम करने चाहिए जिससे माता पिता और गुरुजनों नाम रोशन हो सके, विद्यार्थियों को कठिन से कठिन मेहनत करनी चाहिए जिससे हर काम संभव हो सके। वरिष्ठ प्राध्यापक सतन कुमार ने कहा की मेहनत का फल नहीं होती दिन रात मेहनत से हासिल होगी उन्होंने बताया कि स्कूल संजू, सिया ,चंचल, मुस्कान और रितिक में नाम कमाया है। उधर राजकीय माध्यमिक विद्यालय खरकड़ाबास के अनीता, हैप्पी, तन्नू ,कमल और जितेंद्र ने नाम कमाया है।

होंडा अपनी नई सिटी ई: एचईवी के लिए नए बाजार के रूप में पंजाब को लेकर है उत्साहित

चंडीगढ़ : भारत में प्रीमियम कारों की अग्रणी निमार्ता होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने हाल ही में न्यू सिटी ई: एचईवी के लॉन्च के साथ भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में अपनी यात्रा शुरू की है। यह भारत में स्ट्रांग इलेक्ट्रिक हाइब्रिड तकनीक से लैस पहला प्रमुख मॉडल है। होंडा कार्स इंडिया की मैनेजमेंट टीम की ओर से श्री ताकुया सुमूरा, प्रेसिडेंट और सीईओ और श्री कुणाल बहल, वाइस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग और सेल्स, आज चंडीगढ़ में उपस्थित थे और उन्होंने अपने कुछ सम्मानित ग्राहकों को नई लॉन्च हुई सिटी ई:एचईवी की चाबियां सौंपीं।नई सिटी ई:एचईवी एक क्रांतिकारी सेल्फ-चार्जिंग, अत्यधिक कुशल टू-मोटर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक सिस्टम, जो शानदार प्रदर्शन देताहै, 26.5 किमी/लीटर का उत्कृष्ट माइलेज और बहुत कम उत्सर्जन जैसे फीचर्स के साथ आती है। इस नई पेशकश के साथ सेगमेंट में पहली बार होंडा की एडवांस्ड इंटेलीजेंट सेफ्टी टेक्नोलॉजी होंडा सेंसिंग को पेश किया गया है, जो आगे की सड़क को देखने के लिए वाइड-एंगल हाई-परफॉर्मेंस फ्रंट कैमरा और फार-रीचिंग डिटेक्शन सिस्टम का उपयोग करता है और दुर्घटना के जोखिम को कम करने के लिए ड्राइवर को सचेत करता है और कुछ मामलों में टक्कर या इसकी गंभीतरा को कम करने के लिए हस्तक्षेप भी करती है। चंडीगढ़ मार्केट में अपनी यात्रा पर बोलते हुए, श्री ताकुया सुमूरा, प्रेसिडेंट और सीईओ, होंडा कार्स इंडिया लि. ने कहा, हमारी राष्ट्रीय बिक्री में चंडीगढ़ सहित पंजाब के बाजार का हिस्सा 6 प्रतिशत से ज्यादा है और ये हमारे लिए एक प्रमुख बाजार है। हमारी दोनों सेडान, होंडा सिटी और होंडा अमेज की बाजार हिस्सेदारी मजबूत है और होंडा के साथ लोगों का एक अच्छा ब्रांड संबंध है। नए मॉडल सिटी ई:एचईवी की पेशकश, भारतीय बाजार में नवीनतम और उन्नत तकनीक लाने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। हमारा मानना है कि यह सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक मॉडल इलेक्ट्रिक भविष्य की दिशा में सहजता से आगे बढ़ने के लिए बाजार में उपलब्ध सबसे व्यावहारिक समाधान है। हमें सिटी ई:एचईवी के लिए बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जो मेनस्ट्रीम सेगमेंट में इस टेक्नोलॉजी की स्वीकार्यता को दशार्ता है।

मलेरिया विंग ने महर्षि दयानन्द पब्लिक स्कूल में दवाई का किया छिड़काव

» विनोद कुमार, मदरलैंड संवाददाता

चण्डीगढ़। गांव दरिया में मलेरिया विंग दरिया के कर्मचरियों ने महर्षि दयानन्द पब्लिक स्कूल में मच्छर मारने की दवाई का छिड़काव किया। यह छिड़काव जगतार सिंह और गुरमुख ने किया। उन्होंने स्कूल के हर कोने में जाकर छिड़काव किया ताकि स्टूडेंट्स को मच्छर न काटे। कर्मचारियों ने पूरे स्कूल में अच्छी तरह छिड़काव किया ताकि स्कूल से मच्छर पूरी तरह खत्म हो सकें। प्रिंसिपल डॉ विनोद शर्मा ने इस सराहनीय कार्य के लिए मलेरिया विंग दरिया का आभार व्यक्त किया। मलेरिया विंग स्कूलों और घरों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। कर्मचारी लोगों को बता रहे हैं कि पानी की टंकियों को ढक्कन से बंद रखें। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिन फ्रिज के पीछे की ट्रे, कूलर फूलदान, पशु -पक्षियों के पानी के कसोरे रगड़ कर पोंछे और 3 से 4 घंटे तक पानी को सुखाएं। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि वे घर के आसपास पानी जमा न होने दें और पानी से भरे गड्ढे को मिट्टी से भर दें। उन्होंने घरों से टूटे गमले, पुराने टायर, बेकार बर्तन घड़े, ड्रम इत्यादि को हटाने की भी सलाह दी। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि घर के आसपास की जगह को साफ रखें। बंद नालियों को साफ करवाएं और खुलवा दें। गांव के लोगों ने बताया कि वे मलेरिया विंग, स्वास्थ्य विभाग चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा दी जा रही हिदायतों का पालन करेंगे।

एमसीएम ने अन्य बाहरी महिलाओं के लिए अपनी अंतरराष्ट्रीय मानक रॉक क्लाइंबिंग सुविधा खोली

» मदरलैंड संवाददाता

चण्डीगढ़। 1968 में अपनी स्थापना के बाद से, मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ विभिन्न मोर्चों पर अग्रणी रहा है। इस प्रतिष्ठा पर खरा उतरते हुए, कॉलेज को चंडीगढ़ में पहला संस्थान होने पर गर्व है, जिसने रॉक क्लाइम्बिंग की साहसिक सुविधा शुरू की है जो सभी अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करती है। वर्ष 2005 में शुरू की गई , चढ़ाई वाली चट्टान 12 मीटर ऊँची और 5 मीटर चौड़ी है। कोविड को देखते हुए इस सुविधा को बंद कर दिया गया था, जिसे अब फिर से शुरू किया गया है, जिसमें कोई भी विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में इस खेल को आगे बढ़ा सकता है। कॉलेज का शारीरिक शिक्षा विभाग भारत सरकार के फिट इंडिया मूवमेंट पहल के तहत छात्राओं को रॉक क्लाइम्बिंग का प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने बताया कि कॉलेज की छात्राओं के साथ-साथ बाहर से आने वाली महिलाओं के लिए रॉक क्लाइंबिंग में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। शरीर को सुदृढ़ बनाने वाली रॉकक्लाइबिंग जिसकी आजकल माँग है के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. भार्गव ने कहा कि उदगम पर विजय प्राप्त करने के लिए मानसिक दृढ़ता के साथ शारीरिक फिटनेस और चुस्ती-फुर्ती अत्यावश्यकता होती है।

ज्वाइंट एक्शन कमेटी के आह्वान पर 1 जून को प्रदर्शन और 14 को होगा गवर्नर हाउस कूच

» मदरलैंड संवाददाता

चण्डीगढ़। आज सेनेटरी इंस्टालेशन वर्कर्स यूनियन की और से सेक्टर 11 में गेट मीटिंग की।और कर्मचारियों को ज्वाइंट एक्शन कमेटी के आह्वान पर होने व वाले प्रद्रर्शन में पहुचने की अपील की।कर्मचारियों को ज्वाइंट एक्शन कमेटी के कंवीनर अशवनी कुमार यूनियन के चेयरमैन महि पाल प्रधान कुलदीप सिंह और जनरल सेक्रेटरी नछत्तर सिंह ने कर्मचारियों को संबोधन करते हुए कहा के नगर निगम और चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकारी कर्मचारियों की मांगों को पूरा नही कर जिस कारण कर्मचारियों में रोष है और कर्मचारी आंदोलन करने के लिए मजबूर हो रहे हैं।जिस में 1 जून को एमसी कार्यलय के बाहर धरना प्रदर्शन होगा और 14 जून को गवर्नर हाउस कूच किया जाएगा।इस लिए प्रशासन से अपील है कि कर्मचारियों की लंबित पड़ी मांगो को जल्द पूरा किया जाए जिस में आउटसोर्स वर्कर्स का 21 फीसदी डीसी रेट बढ़ाया जाए, आउटसोर्स वर्कर्स का शोषण रोका जाए ,जो ठेकेदार वर्कर्स से पैसे की मांग करते हैं उन पर उचित करवाई की जाए, डीसी रेट का एरियर दिया जाए, खाली पदों को जल्द भरा जाए,एमसी कर्मचारियों के रुलो में संशोधन किया जाए और नगर निगम कर्मचारियों को सालाना जीपी फण्ड की स्तस्टमेंट दी जाए और डेली वेज वर्कचार्ज को छठे वेतन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार वेतन बढ़ाया जाए आदि।

जीप मेरिडियन एसयूवी को लांच करने पहुंचे पंजाब गायक जस्सी गिल

» हरप्रीत सिंह, मदरलैंड संवाददाता

लुधियाना। पंजाब के लोग हो और कार अच्छी से अच्छी कार उनकी पहली पसंद है। पंजाबी लोगों खास कर युवा पीढ़ी को नई-नई गाड़िया रखने का बहुत ही शौक है। मुझे खुद नई-नई कार को लेकर बहुत ज्यादा क्रेज रहता है। यह बात कही पंजाबी गायक व एक्टर जस्सी गिल ने। जोकि ग्रुप लैंडमार्क के लुधियाना में नए ओपन हुए शोरूम पर आयोजित कार्यक्रम में नई जीप मेरिडियन एसयूवी को लांच करने पहुंचे थे। उनके साछ ग्रुप लैंडमार्क की एमडी गरिमा मिश्रा भी साथ थी। इस मौके पर जस्सी गिल ने कार्यक्रम में आए लोगों के साथ अपने जीवन और शौक के बारे में ढेरों सारी बाते की। साथ ही उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ही वह एक नई कार खरीद कर लाए है। जब कार लेकर घर पहुंचे तो उनकी माता जी ने पूछा कि अगर पूरे परिवार ने कहीं जाना हो तो इस कार में कैसे जाए जाएगा। इस पर उन्होंने सोचा कि बात बिल्कुल ठीक है। इसलिए घर पर एक एसयूवी होनी बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि फिर उन्होंने माता जी से कहा कि इस बार तो कार ले ली है। अगली बार कोई और बड़ी कार खरीद लेंगे। इसके अलावा उन्होंने और भी कई ढेर सारे इसी तरह के अनुभव सांझे किए। वहीं जस्सी गिल को देखकर पूरे कार्यक्रम में मौजूद युवा भी झूम उठे और उनके साथ लगातार सेल्फियां लेते रहे। वहीं एमडी गरिमा मिश्रा ने कहा कि इस मौके पर वह बेहद खुश है और साथ ही इस बात की भी खुशी है कि जस्सी गिल आज उनके साथ गाड़ी को लांच करने पहुंचे है। उन्होंने बताया कि यह कार पूरी तरह से आम लोगों को आराम प्रदान करेगी।

अमेरिकन ईगल की 50 नए स्टोर खोलने की योजना

अमृतसर। अमेरिका के पसंदीदा जींस ब्रांड अमेरिकन ईगल की योजना पूरे भारत में अपने रिटेल फुटप्रिंट का विस्तार करने की है, जिससे ग्राहकों के लिए खरीदारी का अनुभव और भी सुविधाजनक हो जाएगा। अमेरिकन ईगल ग्राहकों को उनके पसंदीदा कपड़े खोजने में मदद करने के लिए बना है। यह जींस के नवीनतम रुझानों की पेशकश करता है, जिसमें विभिन्न साइज शामिल है; महिलाओं के लिए 24-36 इंच और पुरुषों के लिए 29-38 इंच तक की साइज यहां मिल जाएंगी। अमेरिकन ईगल ने अमेरिकन ईगल आउटफिटर्स, इंक. की तरफ से आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड को प्राप्त लाइसेंस के तहत जयपुर, राजस्थान में अपना पहला फ्रैंचाइजी स्टोर लॉन्च किया है। अमेरिकन ईगल, इंडिया के ब्रांड हेड श्री आशीष मुकुल ने कहा कि अमेरिकन ईगल एक आइकॉनिक ग्लोबल जीन्स ब्रांड है और हमारा मानना है कि मजबूत ग्राहक संपर्क और एक आजमाया हुआ कारोबारी मॉडल स्थापित करने के बाद, अब हम अगले तीन वर्षों के दौरान प्रमुख फ्रेंचाइजी भागीदारों के साथ मिलकर देश भर में ब्रांड की पहुंच बढ़ाने के इरादे से 50 और स्टोर खोलने की योजना बना रहे हैं। जयपुर जैसा मजबूत मार्केट जबरदस्त संभावनाएं प्रस्तुत करता है। एनसीआर, हैदराबाद, पुणे, चंडीगढ़ , चेन्नई, मुंबई, बैंगलोर, कोलकाता और अब जयपुर में अपने स्टोर खोलकर हमने देश के अधिकांश प्रमुख शहरों को कवर कर लिया है।

हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग महासभा के संविधान की रूपरेखा तैयार

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। नामदेव धर्मशाला में सोमवार को हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग महासभा कार्यकारिणी की बैठक प्रधान बिशन कुमार सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन संघर्ष समिति व हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग महासभा के महासचिव बिरदी चंद गोठवाल ने किया। इस मौके पर महासभा का संविधान ड्रॉफ्ट कमेटी के चेयरमैन व पूर्व तहसीलदार लालाराम नाहर की अध्यक्षता में तैयार किया गया और सभा के सम्मुख संविधान को पढ़कर सुनाया। संविधान पर महासभा के कोषाध्यक्ष नरेंद्र सैनी, सुरेश जांगड़ा, सुरेंद्र सैनी, प्रवीण कश्यप, चंदन सिंह जालवान, अमर सिंह निम्होरिया, भगवान दास सैनी, किशनलाल लुहानीवाल, लक्ष्मीनारायण आर्य, डॉ. संजय वर्मा, सुभाष कश्यप, ओमप्रकाश लुहारिया, बाबूलाल वर्मा व पतराम खिंची आदि ने अपने-अपने सुझाव दिए। संविधान पर आए सुझावों को समावेशित करके

● दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ रत्न लाल की गिरफ्तारी पर किया निंदा प्रस्ताव पारित

अनुमोदन हेतु 29 मई को प्रातः 11 बजे वाल्मीकि धर्मशाला नजदीक बहादुर सिंह तालाब नारनौल में आमसभा की आगामी बैठक में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया। बैठक में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. रत्न लाल की गिरफ्तारी व लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रविकांत के साथ की गई मारपीट के विरोध में रोष प्रकट किया गया तथा इस मामले में सर्व सहमति से निंदा प्रस्ताव भी पास किया गया। सभा सदस्यों ने धार्मिक भावनाओं को आहत करने की आड़ में शोषित-पीड़ित समाज के प्रबुद्ध प्रोफेसर व समाज सुधारकों को गिरफ्तार करके अभिव्यक्ति का गला घोटने की असंवैधानिक कार्यवाही को गलत बताते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की। इस अवसर पर शिवनारायण मोरवाल, राजेश चांवरिया, शिवचंद्र जांगड़ा, इंद्रजीत प्रजापत, सांवल राम, रामकुमार ढैणवाल आदि उपस्थित रहे।

लगभग 7 करोड़ रुपए से होगा नांगल चौधरी नगर पालिका का विकास

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। हरियाणा सरकार ने नांगल चौधरी नगर पालिका के विकास के लिए 6 करोड़ पचास लाख रुपए की राशि उपलब्ध करवाते हुए नगर पालिका क्षेत्र के शेष बचे हुए विकास कार्यों को पूरा करवाने का रास्ता साफ कर दिया है। इस विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए नांगल चौधरी के विधायक डा. अभय सिंह यादव ने बताया कि कुछ समय पहले मुख्यमंत्री से नगरपालिका के विकास के लिए धन उपलब्ध करवाने की प्रार्थना उन्होंने लिखित रूप से मुख्यमंत्री हरियाणा को सौंपी थी। यह राशि प्राप्त होने के के बाद शहर के मुख्य मार्गों पर विशाल आकार के स्वागत द्वारों का निर्माण, नगर पालिका क्षेत्र में बचे हुए सभी गलियों एवं रास्तों का निर्माण, नगर पालिका क्षेत्र में विभिन्न श्मशान घाटों के रास्ते उनके ऊपर टीन सेड का निर्माण एवं नगर पालिका क्षेत्र के जोहड़ों में सुधार तथा जोहड़ के साथ लोगों को सैर करने के लिए ट्रैक बनाने की व्यवस्था की जाएगी। डा. यादव ने कहा कि नांगल चौधरी नगर पालिका में निमार्णाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का काम भी शीघ्र पूरा करवाया जाएगा तथा इस प्लांट द्वारा साफ किए हुए पानी को फसलों की सिंचाई के लिए काम लिया जाएगा। जो किसान इस पानी को उपयोग करेंगे उन्हें यह पानी हर महीने नियमित रूप से मिलेगा ताकि वहां फलों एवं सब्जियों आदि का उत्पादन कर सकें। सिंचाई विभाग को इस विषय में योजना बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दे दिए गए हैं। इसी तरह से नगर पालिका क्षेत्र में निमार्णाधीन बस अड्डा,फायर स्टेशन, अंबेडकर भवन एवं लाइब्रेरी के निर्माण का काम भी इस वर्ष के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा तदोपरांत इन सभी सुविधाओं का लाभ शहर वासियों को मिलने लग जाएगा। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और हमारा यह भरसक प्रयास है कि हर गांव और शहर में सरकार की विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचे और इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार हो।

गौशाला व किसानों के लिए 'हरा चारा स्कीम 2022-23' की शुरूआत

» संतोष यादव, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। हरियाणा सरकार ने पशुओं के चारे की कमी को देखते हुए गौशाला व किसानों के लिए ₹ हरा चारा स्कीम 2022-23 ₹ की शुरूआत की है। इस स्कीम लाभ लेने के लिए किसान व गौशाला को एक अनुबंध पत्र भरकर एमएफएमबी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डॉ जेके आभीर ने बताया कि पंजीकृत गौशाला जिस किसान से हरा चारा प्राप्त करेगा उस किसान की जमीन , फसल (हरा चारा) व अन्य जानकारी मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत करेगी। संबंधित गौशाला 31 मई तक उक्त किसान का विवरण मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत कर सकती है। उन्होंने बताया कि पंजीकृत गौशाला संबंध में अन्य किसी जानकारी के लिए कृषि तथा किसान कल्याण विभाग की वेबसाइट फसल डॉट हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर देख सकते हैं। उन्होंने बताया कि एक किसान को प्रति एकड़ 10 हजार रुपए का अनुदान डीबीटी के माध्यम से उसके बैंक खाते में किया जाएगा और एक किसान अधिकतम 10 एकड़ का लाभ ले सकता है जोकि 1 लाख रुपए प्रति किसान है। पंजीकृत गौशालाएं जिनके पास 100 पशुओं से कम पशु हैं यह 10 पशुओं पर प्रति एकड़ की दर से चारा चयनित किसान से सब्सिडी पर प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बताया कि चारे का मुल्य सम्बन्धित गौशाला एवं चयनित किसान द्वारा आपसी सहमति से अनुबंध पत्र प्रारूप से निर्धारित किया जाएगा व एमएफएमबी पॉटल पर अनुबंध पत्र पंजीकरण के 15 दिन बाद डाल देगा। डीसी ने बताया कि संबंधित गौशाला चयनित किसान की पूरी जानकारी 30 जून तक संबंधित उप कृषि निदेशक को उपलब्ध करवाएगी जिससे कि उसकी भौतिक सत्यापन समय पर किया जा सके। संबंधित गौशाला द्वारा चारे की मात्रा एवं कीमत सत्यापित की जाएगी उसके बाद भौतिक सत्यापन के बाद संबंधित उप कृषि निदेशक की सिफारिश अनुसार किसान को डीबीटी के माध्यम से सब्सिडी जारी की जाएगी।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

कहो तो कह दूँ। अफसरों सावधान हो जाओ, चौतरफा घूम रहे हैं 'मामाजी के जासूस'

चैतन्य भट्ट

आजकल अपने मुख्यमंत्री यानी 'मामाजी' फुल फॉर्म में हैं, सुबह होती है सूरज अभी पूरा उग भी नहीं पाता कि मामाजी अफसरों की मीटिंग शुरू कर देते हैं, बेचारे अफसर रात रात भर सो नहीं पा रहे हैं कि कंही ऐसा न हो कि सुबह नींद न खुल पाए और मामाजी एक ही झटके में निबटा दें। घर में जितनी भी घड़ियां है जितने भी मोबाइल हैं उन सबमें सुबह चार बजे का अलार्म लगा देते है मोबाइल अपने तकिये के नीचे रखते हैं कि पता नहीं कब मामाजी का फोन आ जाए या उनका मेसेज आ जाये। भारी हलाकान हो गये हैं पूरे प्रदेश के आराम तलाब अफसर। पहले कितने अच्छे थे मामाजी न कभी किसी को चमकाते थे न किसी को डांटते थे, मनमर्जी से काम कर रहे थे तमाम अफसर, जनता परेशां होती थी होती रहती थी उनकी सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता था लेकिन पिछले कुछ समय से मामाजी को पता नहीं क्या हो गया है, जब भी अफसर लोग एक दूसरे से मिलते है बस एक ही चर्चा करते है कि अचानक मामाजी ने ऐसा रौद्र रूप कैसे धारण कर लिया, रात को बिस्तर पर चले तो जाते है लेकिन नींद नहीं आती “किसी का भी फोन आता है तो लगता है कि मामाजी का फोन न हो मोबाईल देखकर डर लगने लगा है कि पता नहीं कब बज जाए और मामाजी मीटिंग के लिए बुला लें, जो अफसर आठ और नौ बजे सोकर उठते थे वे सुबह “ब्रह्म मुहूर्त” में नहा धोकर साफ सुथरे कपडे पहन कर बैठ जाते हैं कि पता नहीं मामाजी कब किसको बुला लें और आजकल तो एक और मुश्किल हो गयी है मामाजी के जासूस पूरे प्रदेश में घूम रहे हैं और चुपचाप भ्रष्ट अफसरों की रिपोर्ट मामाजी को सौप देते है और मामाजी सुबह सुबह किसी भी जिले के कलेक्टर को उसके जिले के उन भ्रष्ट अफसरों की लिस्ट उन्हें सौप देते है तब कलेक्टर को पता लगता है कि उनकी नाक के नीचे कितना भ्रष्टाचार हो रहा हैं अब कलेक्टर भी धर्म संकट में पड़ कर सोचता है कि वो करे भी तो क्या करे, जब मामाजी ने ही लिस्ट सौपी है तो गोल गपाड़ा भी नहीं कर सकते वरना पहले तो सब कुछ आराम से चल रहा था लेकिन मामाजी की खुफिया शाखा चुन चुन कर भृष्ट अफसरों की लिस्ट बना कर उनके सामने रख रही है ,अब तो अफसरों को किसी से भी बात करने में डर सा लगने लगा है कि पता नहीं कौन सी बात मुंह से निकल जाए क्या पता वो मामाजी का जासूस हो ।अब हर आदमी को वे शक की निगाह से देखने लगे हैं हर दूसरा आदमी उन्हें मामाजी की 'खुफिया शाखा' का जासूस नजर आता है मामाजी को इस बात के लिए धन्यवाद तो देना पड़ेगा कि उन्होंने अफसरों की पीठ पर जीन कस दी है अपना तो मानना है कि मामाजी अपने जासूसों को अपनी पार्टी के नेताओं के पीछे भी लगाओ ताकि पता लगे कि वे क्या गुल खिला रहे हैं ।

वे बूढ़े तो दूसरे नेता क्या हैं

कमलनाथ सरकार को पलटाने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक सभा में साफ साफ कह दिया कि भले ही लोग मुझे जवान समझें लेकिन मैं बुढ़ापे की तरफ बढ़ रहा हूँ । अपन ने जब से उनकी ये बात सुनी है उन नेताओ के बारे में सोचने के लिए मजबूर हो गए हैं जो सचमुच बूढ़े हो गए है लेकिन अभी भी अपने आप को जवान मानते हैं बाल और मूंछ काली कर अपने आपको जवान साबित करने में लगे हुए है लेकिन सिंधिया जी ने ये कह कर सबकी हालत पतली कर दी है ” वैसे महाराज ने ऐसा क्यों कह दिया ये अपनी समझ से बाहर है, अभी उनकी उम्र ही क्या है, चेहरे पर पूरी चमक और ताजगी है, बाल काले हैं, तेज चाल से चलते हैं, भाषण देते है तो पूरा जोश दिखाई देता है, बुढ़ापे का तो एक भी लक्षण नजर नहीं आता, हट्टे कट्टे जवान आदमी हैं लेकिन अपने आप को बुढ़ापे की तरफ अग्रसर होने की बात कह रहे हैं उनकी इस बात से वे तमाम नेता परेशान हो गए है जो सचमुच में बुढया गए है उनको लगने लगा है कि जब महाराज अपने आप को बूढ़ा बताने में जुट गए है तो उन्हें तो अभी तक दूसरा जन्म ले लेना चाहिए था ” इधर दोनों ही दलों ने पचास और साठ का फामूर्ला तय करने की बात कह दी है और जब से ये खबर सामने आई है बेचारे पचास और साठ से ऊपर वाले नेता अपने आप को अभी से बेरोजगार समझने लगे हैं । अब अपना क्या होगा ये ही चिंता उन्हें खाये जा रही है और इसी चिंता में वे अपनी उम्र से भी ज्यादा बूढ़े दिखने लगे हैं लगता दोनों ही पार्टियों ने तय कर लिया है की अब इन “डुकरों” के दम पर पार्टी चलने वाली है नहीं इसलिए जवानों को सामने लाओ लेकिन यहां तो अच्छा खासा जवान नेता अपने आप को बुढ़ापे की तरफ जाने की बात करने लगा है अपनी तो महाराज से एक ही इल्तजा है कि एक बार आईने के सामने खड़े होकर अपने आप को देख लो उन्हें पता लग पायेगा कि अभी भी उनके चेहरे पर “जवानी की चमक और नूर” लबालब है ”

क्या दिन आ आ गये ठोको ताली के

कहते है न वक्त किसी का नही होता, कब राजा को रंक बना दे दे और कब रंक राजा बन जाए कहना मुश्किल है, अब देखो न जिस कॉमेडी के शो में अपने सिध्दू साहेब जज की कुर्सी पर बैठकर तमाम कॉमेडियंस को “जज” किया करते थे उनमें से एक कॉमेडियन “भगवंत मान” भी थे जो सिद्धू साहेब के सामने कॉमेडी कर उनसे अच्छे नंबर पाने कीआशा करते थे ,वक्त ने ऐसा पलटी खाई कि भगवंत मान पंजाब के मुख्यमंत्री बन गए और “ठोको ताली” कहने वाले सिध्दू जी को सुप्रीम कोर्ट ने जेल भेज दिया , बहुत मिन्नतें की सिद्धू साहेब ने कि उनकी तबियत खराब है उन्हें गेंहू से एलर्जी है लेकिन कोर्ट ने कोई बात नहीं मानी और सिध्दू जी एक कैदी बतौर अपना अपना टाइम जेल के कैदियों के बीच में काट रहे है अच्छे भले बीजेपी में थे पता नहीं क्या सोचा कांग्रेस में चले गए गए और फिर ऐसी लाई लुटी कि कंही के नहीं रहे, उनके चक्कर में कांग्रेस के अच्छे अच्छे नेता कांग्रेस से विदा लेकर बीजेपी में चले गए इसलिए किसी ने कहा है कि वक्त की तासीर ही ऐसी होती है ”

सुपर हिट ऑफ द वीक

'मैं और मेरी प्रेमिका एक समय में बड़े ही सुखी और खुशियों से भरपूर थे', श्रीमान जी ने अपने एक मित्र को बताया

'फिर क्या हुआ अब इतने मायूस क्यों दिखते हो' मित्र ने पूछा

'फिर हम दोनों ने शादी कर ली' श्रीमान जी ने बतला दिया

संपादकीय

जनता को राहत

महंगाई से जूझ रही जनता को राहत पहुंचाने केंद्र सरकार ने बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम कर दिया है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए घटा दिया गया है। इस कटौती के बाद आम आदमी को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली समेत देशभर में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हो गए हैं। पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद अब पेट्रोल पर 19.90 और डीजल पर 15.80 रुपए एक्साइज ड्यूटी चार्ज लगेगा। इससे पहले सरकार पेट्रोल पर 27.90 और डीजल पर 21.80 रुपए एक्साइज ड्यूटी के रूप में वसूल रही थी। केंद्र सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है जब जनता की कमाई महंगाई की भेंट चढ़ती जा रही थी। जनता को महंगाई से निताज दिलाने पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों से वैट कम करने का आग्रह किया था, मगर एक भी राज्य ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। लिहाजा महंगाई का ग्राफ बढ़ता जा रहा था। ऐसे में केंद्र सरकार ने पहल करते हुए पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला किया। हालांकि, केंद्र के ऐलान के ठीक बाद केरल ने और उसके बाद राजस्थान सरकार ने वैट कम करके अपने राज्य के लोगों को राहत दी। अब भी कई राज्यों ने केंद्र की तर्ज पर वैट कम करने का फैसला नहीं किया है। लेकिन माना जा रहा है कि उन पर अब वैट कम करने का दबाव है और जल्द ही इस दिशा में फैसला होगा। पेट्रोल और डीजल के दाम 110 रुपए से अधिक हो चुके थे। उधर डीजल के दाम बढने से मालभाड़ा भी बढने लगा था। इसका असर अनाज और सब्जियों पर दिख रहा था। कहा जा रहा था कि डीजल का रेट कम होने से माल भाड़ा कम होगा और इससे रोजमर्रा की चीजों की कीमतों पर ब्रेक लगेगा। अब ऐसा होने की उम्मीद प्रबल हो गई है। हालांकि, महंगाई से सिर्फ भारत नहीं, पूरी दुनिया जूझ रही है। निश्चित रूप से इसकी एक वजह ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल का महंगा होना है। मार्च में 30 फीसदी की रिकॉर्ड तेजी के बाद दाम घटकर 100 डॉलर प्रति बैरल से कुछ ऊपर स्थिर हुए हैं, लेकिन युद्ध लंबा खिंचने की आशंका को देखते हुए अरब देश एक बार फिर दाम बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। बता दें कि अब तक जिस भाव पर हम पेट्रोल और डीजल की खरीद करते रहे हैं, उनमें से टैक्स 46 फीसदी होता है। केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी लगाती है तो राज्य सरकारें इसपर वैट और सेस यानी अतिरिक्त टैक्स लगाते हैं। यही वजह है कि देश अलग-अलग हिस्सों में पेट्रोल और डीजल के दामों में काफी अंतर होता है। आखिरी बार एक्साइज ड्यूटी में कटौती का फैसला तब किया गया था जब उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नजदीक थे। चुनाव परिणाम आते ही पेट्रोल-डीजल से लेकर एलपीजी तक की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला था। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल भी भाजपा पर यही आरोप लगाते हैं कि मोदी सरकार चुनाव को देखकर फैसले लेती है।

स्वतन्त्रता सेनानी और क्रांतिकारी भगवतीचरण वोहरा

कल्पना पांडे

यशपाल और दुर्गा भाभी ने एक साथ प्रभाकर की परीक्षा दी थी, इसलिए उनके लिए भगवतीचरण के घर जाना आसान था। तो एक दिन भगत सिंह यशपाल से नाराज हो गए और कहा, 'तुम्हारा हमेशा उसके पास आना जाना है.. वह अच्छा खाता-पीता है। गप्पे लड़ाता है, लेकिन तू पता नहीं कर सकता कि वो सीआईडी का आदमी है या नहीं। यशपाल ने कहा, - मैंने कोशिश करके देखा पर कुछ मिला नहीं और अगर हर कोई सोचता है कि वह सीआईडी है, तो मैं कैसे इनकार कर सकता हूं?' एक दिन भगतसिंह ने यशपाल को एक भरी हुई पिस्तौल दिखाई और गंभीरता से कहा, अब मैं उसे गोली मारने जा रहा हूँ। यशपाल ने कहा कि -पूरी जिम्मेदारी तुम्हारी होगी। भगतसिंह चुप हो गए। इसके एक दिन बाद यशपाल ने भगतसिंह को भगवतीचरण के घर तकिये पर लेटे हुए बतियाते देखा, भगवतीचरण बनियान में पेट पर हाथ रखकर बातें कर रहे थे।

भगत सिंह के महत्वपूर्ण साथी भगवतीचरण वोहरा का जन्म 4 नवंबर, 1903 को लाहौर में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। वे एक गुजराती ब्राह्मण थे। उनके पिता पंडित शिवचरण वोहरा रेलवे में एक उच्च पदस्थ अधिकारी थे। उन्हें अंग्रेजों द्वारा “रायसाहब” की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था। चूंकि उस समय टाइपराइटर नहीं था, इसलिए भगवती चरण के दादाजी आगरा को जीवन निर्वाह के लिए लिखते (किताबत) थे। उनके पूर्वज गुजरात से आगरा और आगरा से लाहौर चले गए। उपनाम वोहरा (संस्कृत मूलः व्यूह) का अर्थ उर्दू में व्यापारी भी है। माना जाता है कि भगवतीचरण के परिवार ने अपना अंतिम नाम खो दिया था क्योंकि उन्होंने लाहौर के मुस्लिम-बहुल इलाके में ब्राह्मण के रूप में अपनी नौकरी छोड़ दी थी। भगवती चरण के दादाजी के बारे में एक मजेदार कहानी है। उस समय वह एक रुपया प्रतिदिन कमाते थे, और एक रुपया कमाने के बाद वह काम करना बंद कर दिया करते थे। डेढ़ सौ साल पहले आज की तरह असुरक्षा और लालच नहीं था। 1918 में, जब वह सिर्फ 14 साल के थे, उनके माता-पिता ने उनकी शादी 11 वर्षीय दुर्गावती देवी से कर दी, जिन्होंने 5 वीं कक्षा तक पढ़ाई की थी।

विज्ञान विषयों में इंटर के बाद भगवतीचरण वोहरा असहयोग आंदोलन में कूद पड़े। इस आंदोलन में भगतसिंह, सुखदेव आदि भी थे। लेकिन चौरीचौरा हिंसा के बाद गांधीजी ने जिस एकतरफा तरीके से आंदोलन वापस ले लिया उससे युवाओं मे निराशा का माहौल फेल गया। उसके बाद वोहरा ने लाहौर के नेशनल कॉलेज से बीए किया। वहां उनकी मुलाकात भगत सिंह और कई अन्य सहयोगियों से हुई। भगतसिंह और सुखदेव इसके मुख्य सदस्य थे जिन्होंने “देश की गुलामी और मुक्ति का सवाल” नामक एक अध्ययन समूह चलाया। नौजवान भारत सभा का गठन 1923 में भगत सिंह की पहल पर हुआ था। भगवती चरण को उस संगठन का प्रचार सचिव नियुक्त किया गया। नौजवान भारत सभा का कार्य लोगों में क्रांतिकारी विचारों का प्रसार करना था। भगवती चरण, भगत सिंह, सुखदेव, धन्वंतरी, एहसान इलाही, पिंडीदास सोढ़ी बैठक की योजना बनाने से लेकर बैठक तक ले जाने तक सभी काम करते थे। संगठन राजनीतिक व्याख्यानों के अलावा सामाजिक भोज का आयोजन करता था। इसमें सभी धर्मों और जातियों के लोगों को एक साथ बैठकर खिचड़ी जैसा सादा भोजन करने के लिए आमंत्रित किया गया था। नौजवान भारत सभा ने जानबूझकर वंदे मातरम, सत-श्री अकाल, अल्लाहु अकबर के नारों के बजाय इंकलाब जिंदाबाद, जय हिंद, हिंदुस्तान जिंदाबाद के व्यापक और धर्मनिरपेक्ष नारों का उपयोग करने का फैसला किया।

भगत सिंह हमेशा अपनी जेब में क्रांतिकारी करतार सिंह सराभा की एक छोटी सी तस्वीर रखते थे, जिन्हें 1914 में गदर आंदोलन के दौरान फांसी दी गई थी। नौजवान भारत सभा ने एक बार हिम्मत करके लाहौर के ब्रैडली हॉल में सराभा के लिए एक स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया। भगवती चरण ने अपने पैसे का इस्तेमाल एक छोटी सी तस्वीर से बड़ी तस्वीर बनाने के लिए किया। तस्वीर के ऊपर सफेद खादी का पर्दा लटका हुआ था। इस समय भगवती चरण के मुख्य भाषण ने पूरे माहौल को अभिभूत कर दिया। उनकी पत्नी दुर्गावती और सुशीला दीदी नामक एक नौजवान भारत सभा कार्यकर्ता ने उनकी उंगली काटकर, अपने खून के छींटें उस सफेद पर्दे पर बिखेर दिए और मरने तक स्वतंत्रता के लिए काम करने की शपथ ली।

दुर्गावती हमेशा भगवतीचरण वोहरा के साथ काम करती थीं। क्रांतिकारी आंदोलनों के कारण भगवतीचरण को अक्सर भागना पड़ता और भूमिगत रहना पड़ा। इस दौरान उनकी अनुपस्थिति में भी क्रांतिकारी भगवतीचरण के घर आर्थिक और अन्य मदद के लिए आतेजाते थे। जिन लोगों ने इन अजनबियों को आते-जाते देखा, उन्होंने भी दुर्गावती के चरित्र के बारे में अफवाह फैला दी। अपमान के बावजूद, दंपति ने क्रांतिकारियों को भोजन, आश्रय और वित्तीय सहायता के लिए हमेशा अपने दरवाजे खुले रखे। उन दिनों उनके पास लाहौर में तीन घर थे, लाखों की संपत्ति और हजारों बैंक बैलेंस थे, लेकिन उन्होंने इन सभी सुख-सुविधाओं से इनकार कर दिया और स्वतंत्रता के लिए कई कठिनाइयों के साथ क्रांतिकारी रास्ता चुना। जब उनका विवाह हुआ तो भगवती चरण अपनी पत्नी दुर्गा को एक साधारण ग्रामीण महिला मानते थे। उन्होंने क्रांतिकारी शचिंद्रनाथ सान्याल के नाम पर अपने बेटे का नाम शचिंद्र रखा। भगत सिंह के साथी यशपाल ने अपनी “फांसी के फंदे तक” इस किताब में इस बारे मे जिक्र किया है। भगत सिंह ने दिल्ली और कानपुर में संपर्क स्थापित किया। काकोरी षडयंत्र में गिरफ्तार क्रान्तिकारियों को मुक्त कराने की योजना बनाई जा रही थी। काकोरी की गिरफ्तारी के बाद संगठन कमजोर हो गया था। भगत सिंह पंजाब के बाहर आते-जाते रहते थे और पंजाब का नेतृत्व जयचंद्र को दिया जाता था। वह निष्क्रिय था। यशपाल लिखते हैं कि जयचंद्र बहुत ही डरपोक व्यक्ति थे, वो कभी गोलियां भी साथ नहीं रखते थे। पिस्तौल की गोलियां भी निकाल लेते था। वो भगवती को अपनी राह का रोड़ा समझते थे। वो निष्क्रिय थे और उनसे सक्रियता की उम्मीद थी। भगवती चरण संगठन के लिए बहुत पैसा खर्च करते थे, लेकिन कुछ नहीं होने से वे भी तंग आ गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि “जिन कारणों से काम ठप्प है वो कठिनाइयाँ हमे भी पता होनी चाहिए। अगर कुछ नहीं होता है, तो हम कुछ अलग करेंगे”। परिणाम ये हुआ कि जयचंद्र के नेतृत्व को चुनौती देने और सक्रियता के आग्रह के चलते उन्होंने भगवती चरण को एक बाधा समझना शुरू कर दिया।

भगवती का राजनीतिक प्रभाव बढ़ रहा था। पंजाब के पुराने क्रांतिकारियों से भी उनके संबंध थे। 1922 के सत्याग्रह के निरर्थक लगने के बाद, उन्होंने उस समय पंजाब में गुप्त रूप से बन रही कम्युनिस्ट पार्टी से संपर्क किया। इस कम्युनिस्ट पार्टी के लोगों का बाद में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के साथ इतना घनिष्ठ संबंध नहीं रहा। पंजाब से कुछ साहसी लोग जो अफगानिस्तान के रास्ते रूस गए थे, उन्होंने लौटकर इस समूह का गठन किया था। इन लोगों ने गुप्त रूप से रूस और यूरोप से कम्युनिस्ट साहित्य वितरित किया। आंदोलन में व्यवस्था और योजना की कमी के कारण, एकत्र किया गया धन इस तरह खर्च किया गया था। भगवतीचरण के घर पेशावर से किताबें और पैसे आते थे। जब अंग्रेजों ने भगवतीचरण और यशपाल को काकोरी क्रांतिकारियों को मुक्त करने की साजिश रचने के लिए वारंट जारी किया गया तो दोनों फरार हो गए।

इस स्थिति का फायदा उठाकर जयचंद्र ने अफवाह फैला दी कि “भगवती पुलिस का खबरी है। आंदोलन में जाँच पड़ताल का समय नहीं मिला। भगवती धनी हैं। उन्हें कहीं भी अच्छी नौकरी मिल जाती। अच्छा व्यापार कर सकते हैं लेकिन इसकी क्या जरूरत है? वह सीआईडी में कार्यरत है। वह कोई काम नहीं करता, वह हमेशा दरवाजे के पीछे बैठा हुआ कुछ लिखता रहता है। वह इसीलिए राजनीतिक कम कर रहा है ताकि सभी उत्साही क्रांतिकारियों को एक ही समय में फंसाया जा सके”। भगवती, भगतसिंह, सुखदेव और यशपाल जैसों कि अनुपस्थिति मे लोगों ने इस अफवाह पर विश्वास किया और भगवती को शक की नजर से देखने लगे। भगवतीचरण के सीआईडी में होने का दुष्प्रचार इतना फैला कि वह नौजवान भारत सभा और कांग्रेस तक पहुंच गया। सभी एक ही बात कहते कि “विश्वसनीय सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि भगवती अंग्रेजों का खबरी और सीआईडी का आदमी है”।

काकोरी षड्यंत्र में गिरफ्तार क्रांतिकारियों की रिहाई की कोशिशों मे पंजाब से कोई मदद नहीं मिल पाने के कारण कोई कदम उठाया नहीं जा रहा था। जयचंद्र पंजाब क्षेत्र में नौजवान सभा के मुखिया थे लेकिन वे डर के मारे निष्क्रिय थे और कोई न कोई कारण सामने रख देते थे। उन्होंने आपसी मनमुटाव को हवा देते हुए भगवती चरण का लगातार अपमान किया और भगवती चरण के बारे में झूठा प्रचार करना शुरू कर दिया। अब लाहौर में इस तरह से संगठन को बनाने का फैसला किया गया कि भगवती चरण को उसका कोई अता-पता न रहे। लेकिन बड़ी समस्या यह थी कि भगवती चरण को संगठन के बारे में बहुत कुछ पता था। इसमें जयचंद्र का व्यवहार यह दिखाना था कि भगवतीचरण एक चालाक और धूर्त व्यक्ति है। जो भी योजना बनती उसके बनाते समय ही जयचंद्र अपने होठों पर उंगली रखकर कहते थे कि भगवती को पता चल जाएगा और बात वहीं की वहीं रुक जाती। इस दौरान भगत सिंह काफी परेशान थे। एक तरफ तो खबर आई कि उसका करीबी भगवती, पुलिस की खबर बन गया है, वहीं दूसरी तरफ जयचंद्र के आने से संगठन का काम ठप हो गया है। रूसी क्रांति के दौरान, जार के लोगों ने क्रांतिकारियों को पकड़ने के लिए खुद जार के खिलाफ साजिश रची। ऐसा जिक्र रशियन पुस्तकों मे हर किसी के पढ़ने में आया था। भगत सिंह दुविधा में थे। एक ओर उन्हें भगवतीचरण पर पूर्ण विश्वास था। लेकिन दूसरी ओर उनकी वजह से उन्हें संगठन के सभी कामों में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था. भगत सिंह नहीं चाहते थे कि व्यक्तिगत मित्रता संगठन के कार्य में आड़े आए। यशपाल लिखते हैं कि - फिर भी भगतसिंह को विश्वास नहीं हो रहा था कि भगवतीचरण सीआईडी में है।

परवानों को बुलाते हैं शम्मा दिखा के हम

तनवीर जाफरी

गांधीवादी सिद्धांतों व विचारधारा पर चलने वाली कांग्रेस पार्टी देश की स्वतंत्रता से लेकर अब तक दुर्भाग्यवश अनेक बार विभाजित हो चुकी है। ब्रह्मानंद रेड्डी से लेकर बाबू जगजीवन राम, हेमवती नंदन बहुगुणा,नारायण दत्त तिवारी,मोहसिना किदवई,देव राज अर्स,ममता बनर्जी और शरद पवार जैसे और भी अनेक बड़े से बड़े नेताओं ने कांग्रेस पार्टी से समय समय पर किसी न किसी मतभेद के चलते अपना नाता तोड़ा। परन्तु चूँकि यह नेता गांधीवादी व धर्मनिरपेक्ष विचारधारा पर चलने वाले तथा व्यक्तिगत जनाधार रखने वाले नेता थे लिहाजा इन्होंने सत्ता हासिल करने के लिये किसी धुर विरोधी विचारधारा की दक्षिणपंथी पार्टी में शामिल होने के बजाये स्वयं अपना संगठन खड़ा किया। परन्तु वर्तमान दौर में जबकि बेरोजगारी व मंहगाई अपने चरम पर है देश की अर्थव्यवस्था चौपट होने की कगार पर है। डॉलर के मुकाबले रुपया अपने रिकार्ड स्तर तक गिर चुका है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के पास अपनी साख बचाने के केवल दो ही उपाय हैं जिनके सहारे वह जनता में विशेषकर देश के बहुसंख्य समाज में लोकप्रिय बने रहने की कोशिश कर रही है। एक तो मुख्यधारा के मीडिया विशेषकर टी वी चैनल्स को अपने पक्ष में कर सत्ता के कसीदे पढ़वाना और समाज को धर्म के आधार पर विभाजित करने की पूरी छूट देना तथा दूसरे विवादित अविवादित धार्मिक मुद्दों को हवा देकर लोगों की धार्मिक भावनाओं को उकसाकर तथा धार्मिक विवाद पैदा कर धर्म आधारित ध्रुवीकरण कर बहुंसख्यवाद की राजनीति करना। भारतीय जनता पार्टी इस रास्ते पर चलते हुये भले ही स्वयं को संख्याबल के हिसाब से मजबूत स्थिति में क्यों न पा रही हो परन्तु देश का एक बड़ा वर्ग खासकर पढ़ा लिखा,गंभीर चिंतन करने वाला वर्ग,उदारवादी समाज यहाँ तक कि विदेशी मीडिया व अनेक विदेशी राजनेता भी भरतीय राजनीति की वर्तमान शैली की आलोचना करते रहते हैं। इस वर्ग का मानना है कि जो भारतवर्ष गाँधी का भारत कहा जाता है,जिस गाँधी के सत्य,अहिंसा के सिद्धांत की पूरी दुनिया कायल हो व अनुसरण करती हो,उस देश में गाँधी के हत्यारे गोडसे की विचारधारा का पनपना और सत्ताधारी नेताओं व उनके समर्थकों द्वारा गोडसे का गुणगान किया जाना आखिर क्या सन्देश दे रहा है ?

और इसी सन्दर्भ में दूसरा सबसे बड़ा सवाल यह कि उपरोक्त हालात के बावजूद आखिर क्या वजह है कि एक और जहाँ सत्ताधारी दल के कद्दावर मंत्री नितिन गड़करी तक यह महसूस कर रहे हों कि-“स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कांग्रेस का मजबूत होना जरूरी है और यह उनकी ईमानदारी से इच्छा है कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बने। लोकतंत्र दो पहियों के सहारे चलता है जिनमें से एक पहिया सत्ताधारी पार्टी है जबकि दूसरा पहिया विपक्ष है। लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष की जरूरत है और इसलिए मैं हृदय से महसूस करता हूं कि कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होना चाहिए ”। गडकरी का यह भी कथन है कि -“चूंकि कांग्रेस कमजोर हो रही है, अन्य क्षेत्रीय पार्टियां उसका स्थान ले रही हैं,यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है कि अन्य क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस का स्थान लें ” सवाल यह है कि जब सत्ता पक्ष का एक कद्दावर नेता व केंद्रीय मंत्री कांग्रेस के बारे में ऐसी उम्मीद व विचार रख रहा हो ऐसे में क्या वजह है कि आये दिन कांग्रेस का ही कोई न कोई प्रमुख नेता किसी न किसी बहाने से न केवल कांग्रेस छोड़ रहा है बल्कि कांग्रेस की धुर विरोधी विचारधारा रखने वाली भारतीय जनता पार्टी में ही शामिल भी हो रहा है ? वे कांग्रेसी नेता जो संसद से सड़कों तक भाजपा को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संरक्षण में चलने वाली सांप्रदायिक,नाजीवादी,गाँधी की हत्यारी,गोडसे का गुणगान करने वाली देश को धर्म जाति भाषा आदि के नाम पर विभाजित करने वाली तथा अंग्रेजों से मुआफी मांगने वाले नेताओं की पार्टी बताया करते थे,क्या वजह है कि आज वही नेता उसी भाजपा में शामिल हो रहे हैं ?

एक बात तो स्पष्ट हो चुकी है आज के दौर में कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने वाले नेताओं में गांधीवादी सिद्धांतों पर चलने अथवा वैचारिक प्रतिबद्धता नाम की कोई चीज बाकी नहीं रही है। न ही उनमें इतना दम है कि वे अपने बल पर कोई नया राजनैतिक संगठन खड़ा कर सकें। इनके लिये इससे भी महत्वपूर्ण उनका राजनैतिक भविष्य अर्थात सत्ता में बने रहना है। यही वजह है कि कल तक गांधीवादी विचारधारा की माला जपने वाले और संघ व भाजपा को पानी पी पी कर कोसने वाले सुष्मिता देव,रीता बहुगुणा जोशी,हेमंत विस्वा सरमा,माणिक साहा,ज्योतिरादित्य सिंधिया,जितिन प्रसाद,आर पी एन सिंह जैसे और भी कई नेता और पिछले दिनों सुनील जाखड़ जैसे नेता उसी भाजपा में शामिल हो गये। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तो मध्य प्रदेश में अपने समर्थक विधायकों के साथ कांग्रेस पार्टी छोड़ कर मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमल नाथ सरकार तक गिरा दी और राज्य में भाजपा सरकार बनने रास्ता साफ किया। जाहिर है जब कांग्रेस पार्टी में ही ऐसे रीढ़ विहीन सिद्धांत विहीन तथा विचार विहीन सत्ताभोगी नेताओं की भरमार हो तो कांग्रेस को रसातल में जाने से भला कौन बचा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

मजदूर संगठन की बैठक में मजदूरों की समस्या व उनके निदान पर विचार

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। भवन व पथ निर्माण मजदूर संघ की बैठक सोमवार को बरियारपुर पश्चिमी पंचायत भवन में हुई, जिसकी अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के रामजी प्रसाद ने की. मौके पर संगठन के जिलामंत्री घनश्याम शर्मा, जिला संगठन मंत्री डॉ कैलाश प्रसाद पोद्दार, कार्यसमिति सदस्या पूजा कुमारी, संगठन के गढ़पुरा प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार, मुकेश कुमार, सर्वेश कुमार, सरिता कुमारी, सुधा देवी आदि ने मजदूरों की समस्याओं को बैठक में रखा.वक्ताओं ने कहा कि मजदूरों को उचित मजदूरी नहीं मिलती, जिसके कारण मजदूरों की हालत खराब है. इस मौके पर पंचायत के मुखिया बाबू प्रसाद वर्मा ने मजदूरों को रोजगार की गारंटी किये जाने की मांग सरकार से किया.मुखिया ने कहा कि मजदूर को सरकार उपेक्षित कर रही है. बड़ें बड़े भवन बनाने वाले और सड़क बनाने वाले मजदूरों को उनका उचित मजदूरी देना चाहिए।

गाजेबाजे के साथ निकाली गयी कलश विसर्जन शोभायात्रा, दौलतपुर गांव में महाविष्णु यज्ञ का समापन

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। पिछले दिनों दौलतपुर गांव में हुए श्री श्री 1008 महाविष्णु यज्ञ के समापन के मौके पर कलश विसर्जन शोभायात्रा निकाली गयी. गाजेबाजे के साथ निकाली गयी इस शोभायात्रा में नर नारियों ने भाग लिया.यह कलश विसर्जन शोभायात्रा दौलतपुर यज्ञ परिसर से चलकर एस एच 55 होते हुए बाड़ा गांव के समीप बूढीगंडक नदी किनारे पहुंची, जहां कलश एवं देवी देवताओं की प्रतिमा का विसर्जन किया गया.इस कलश विसर्जन शोभायात्रा में यज्ञ के व्यवस्थापक अरविन्द पासवान व उनकी पत्नी जयमंगली दासी के अलावे क्षेत्र के अनेक लोग शामिल हुए. बताते चले कि पिछले 12 मई को कलश शोभायात्रा के साथ यज्ञ का शुभारंभ किया गया था, जो सोमवार की शाम कलश विसर्जन के साथ संपन्न हो गया।

पत्रकार की हत्या लोकतंत्र पर हमला:- प्रमुख

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय।छौड़ाही प्रखंड मुख्यालय में पदाधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों की हुई बैठक में पत्रकार हत्याकांड की निंदा की गयी और हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी का मांग किया गया. प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में प्रखंड प्रमुख सतीश कुमार कुशवाहा की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें बीडीओ रवि कुमारी, सीओ विजय प्रकाश, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सुजीत कुमार, मुखिया रामप्रीत ठाकुर, मनीषा देवी, रोहित कुमार पासवान, पंकज दास, भाजपा किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रामकुमार वर्मा, जदयू प्रखंड अध्यक्ष रामनरेश आजाद, मुखिया प्रतिनिधि शेख फूलहसन, उमेश शर्मा, भाजपा नेता निगम कुमार, समाजसेवी अरुण सिंह, शिवशंकर राय, विकास राय, सरपंच मिसवाउद्दीन, राजेंद्र राम, सद्दाम हुसैन, बचनदेव कुमार, बलराम चौधरी, सीपीआई के अंचलमंत्री प्रणव कुमार, शंकर कुमार, नरेश यादव, अनिल कुमार आदि ने कहा कि बखरी के पत्रकार सुभाष कुमार की हत्या की घटना अत्यंत निंदनीय है.यह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला है.इसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा.पंचायत प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने पत्रकार सुभाष के हत्यारे की अविलंब गिरफ्तारी की मांग एसपी से किया है. बैठक में दिवगंत पत्रकार के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर लोगों ने मृत आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धांजलि दी. वंही बिहार झारखंड संयोजक सरोज कुमार आचार्य ने कहा वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया केंद्र सरकार से जल्द से जल्द , पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने की मांग की है ।पत्रकारों के काम मे जितना जोखिम है कि पत्रकार जिसकी भी सच्चाई को उठायेगा वही उसके जान का प्यासा हो जाएगा।

भीषण गर्मी में बिजली से लोग परेशान

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। भीषण गर्मी में कदवा प्रखंड के लोगों के लिए बिजली की समस्या दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है लेकिन इस पर बिजली अधिकारी ध्यान देने को तैयार नहीं है ।जिसको लेकर आज दिनांक 23 मई 2022 मो कलिदासपुर ईदगाह चौक पंचायत चंदहर पर क्षेत्रीय लोगों का एक सम्मेलन हुआ जिसमें सर्वसहमति से लोगों ने बिजली विभाग को सुझाव दिया कि हमारा क्षेत्र बाढ़ ग्रस्त है और बांध के किनारे होते हुए खेत खलिहान पार करना पड़ता है ।इसलिए बिजली के पोल को आरसीसी बेस पर खड़ा किया जाय,निरंतर सेवा प्रदान करने के लिए विधुत कर्मियों को समुचित संसाधन उपलब्ध किया जाये ।साथ ही क्षेत्र की बिजली संकट को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए ।अविलम्भ बिदयपुर पावर हाउस को चालू किया जाय ।अगर जनता की इन मांगों को विभाग नहीं मानता है तो एक बृहत आंदोलन का आह्वान किया जाएगा ।इस सम्मेलन में जिला अध्यक्ष इंडियन कॉंग्रेस ब्रिगेड कमेटी कटिहार इमाम जफर,जुबेर,इफ्तेखार एवं आम आदमी के नेता हैदर अली सहित दर्जनों की संख्या में लोग शामिल रहे।

तृतीय चरण के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु डिस्पैच सेंटर से पोलिंग पार्टियों के दल को किया गया रवाना: उपायुक्त

» मदरलैण्ड संवाददाता

देवघर। त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव, 2022 के मद्देनजर कुमैठा स्पोर्ट्स स्टेडियम से पोलिंग पार्टियों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, पुलिस अधीक्षक सुभाष चन्द्र जाट की उपस्थिति में रवाना किया गया। त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव हेतु आगामी 24 मई को मतदान की तारीख चुनाव आयोग द्वारा सुनिश्चित की गयी है।

इसके अलावे तृतीय चरण के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर पोलिंग पार्टियों व चुनाव प्रक्रिया से संबंधित अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि सभी निर्वाचन आयोग की गाईडलाईन का पालन करें। साथ ही बढ़ती गर्मी को देखते हुए अपने स्वास्थ्य सुविधा का ख्याल रखें, ताकि गर्मी की वजह से डिहाईड्रेशन के शिकार होने से खुद को बचा सकें। सभी की स्वास्थ्य हेतु चिकित्सकों की टीम के अलावा सभी प्रखण्डों में स्वास्थ्य व्यवस्था का पूर्ण इंतजाम किया गया है। आगे उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण आपसी समन्वय के साथ सभी कार्य करें, ताकि प्रथम चरण की तरह तृतीय चरण का मतदान शांतिपूर्ण, स्वच्छ व भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराया जा सके।

इसके अलावे उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि चुनाव में प्रत्येक कर्मचारी-अधिकारी निष्पक्ष व पारदर्शी हो और यह दिखे भी। आगे उन्होंने सभी को बैलेट बॉक्स को सील करने, चुनाव सामग्री लेने, लिफाफे बंद करने तथा मतदान उपरांत सामग्री वापस जमा करवाने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट व सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों के कार्यो की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक संवैधानिक कार्य है जिसे बड़े ही ध्यानपूर्वक एवं सकारात्मक दृष्टिकोण से सम्पन्न किया जाना है। इसके अलावे उन्होंने कहा कि पोलिंग पार्टियों की सुविधा हेतु सभी कलस्टरों व बूथों पर सभी मूलभूत सुविधाएं के साथ चिकित्सा की व्यवस्था भी उपलब्ध करा दी गई है। मतदान के दिन सभी स्वास्थ्य उपकेंद्र नियमित रूप से खुले रहेंगे। सभी बूथों व कलस्टर व मतदान केंद्र के आसपास एंबुलेंस के साथ डॉक्टर की टीम भी उपलब्ध रहेगी।

इसके दौरान उन्होंने जानकारी दी कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर बनाये गए कंट्रोल रूम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रतिनुक्त किया गया जो समय-समय पर आप सभी को फोन कर चुनाव गतिविधियों की जानकारी लेंगे। इसके अलावे उन्होंने चुनाव कार्य प्रतिनियुक्त सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि यहाँ से बैलेट बॉक्स को लेकर निकलने के बाद आप सभी रास्ते मे बिना वजह के ना रुके। प्रयास करे कि गंतव्य स्थान पर पहुच कर ही रुके।

इससे अलावे उन्होंने चुनावी ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाने को लेकर आपसी सामंजस्य बिठा कर पूरी कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपना कार्य निभाना सुनिश्चित करने की बात कही। अपने संबोधन में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजंत्री ने चुनाव कार्य मे प्रतिनुक्त सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अपने कार्यशैली और मतदाताओं की सुविधा का ख्याल रखते हुए मिशाल कायम करें।

इसके पुलिस अधीक्षक सुभाष चन्द्र जाट पुलिस पदाधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश के साथ पूरी तरह से सतर्क रहने का निर्देश दिया। वही उन्होंने मतदान सकुशल संपन्न कराने को लेकर सभी अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। साथ ही पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मतदान केंद्र के आसपास भीड़ नहीं होने दें। मतदान करने के बाद लोगों को मतदान केंद्र से रवाना करते रहें। मतदान केंद्र में कोई अवांछनीय या अनधिकृत व्यक्ति नहीं घुसना चाहिए।मतदान केंद्र में या उसके आसपास घटित किसी भी घटना की जानकारी तुरंत मोबाइल इंचार्ज थानाधिकारी या सुपरवाइजर अधिकारी को दें।मतदान केंद्र पर ड्यूटी के दौरान उच्च स्तर के अनुशासन का पालन करें। आगे उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेट व सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अपने कर्तव्यों का निवर्हन करने का निदेश दिया, ताकि सुरक्षा व्यवस्था का पूर्ण ख्याल रखा जा सके। इसके अलावे उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी दी कि पुलिस फोर्स की प्रतिनियुक्ति के अलावा सभी बूथों के निरीक्षण हेतु गश्ती दलों का गठन किया गया है, जो कि अपने क्षेत्र अन्तर्गत बूथों का समय-समय का निरीक्षण करते रहेंगे, ताकि भयमुक्त माहौल में मतदाता अपने मत का उपयोग कर सके। साथ हीं उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था व विधि व्यवस्था से जुड़े किसी प्रकार की जानकारी या शिकायत को तुरंत कन्ट्रोल रूम फोरवर्ड करने की बात कही, ताकि किसी भी अप्रिय घटना या गतिविधि को त्वरित रोका जा सके।

इसके अलावे डिस्पैच सेन्टर में उपरोक्त के अलावे उप विकास आयुक्त डॉ0 कुमार ताराचन्द्र, डीआरडीए निदेशक परमेश्वर मुण्डा, प्रभारी अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर सह जिला परिवहन पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार रजक, जिला पंचायत राज पदाधिकारी रणवीर कुमार सिंह, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार, गोपनी प्रभारी विवेक मेहता, संबंधित प्रखण्डों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित विभाग अधिकारी व विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

बिहार में जातीय जनगणना की सुगबुगाहट तेज, सर्वदलीय बैठक 27 मई को

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना । जातीय जनगणना को लेकर बिहार में सर्वदलीय बैठक की सुगबुगाहट तेज हो गयी है. सोमवार को एक तारीख सामने आयी कि आगामी 27 मई को मुख्यमंत्री सर्वदलीय बैठक बुलाने जा रहे हैं जिसमें बिहार में जाति आधारित जनगणना को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा. इसके ठीक बाद अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे लेकर अपना बयान दे दिया है और फिलहाल किसी भी तारीख के तय होने की बात से असहमति जताई है.

क्या 27 मई को होगी बैठक?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि एक तारीख सामने आयी कि आगामी 27 मई को बिहार में कराये जाने वाले जातीय जनगणना को लेकर सभी दलों की बैठक की जाए. इसके लिए सभी दलों से संपर्क किया जा रहा है लेकिन कुछ दलों से अभी इस तारीख को लेकर सहमति नहीं आई है. सीएम ने कहा कि जातीय जनगणना पर सभी से राय लेकर ही आगे का काम होगा.

आगे की तैयारी को लेकर बोले सीएम

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जातिगत जनगणना को लेकर हमने पहले ही कह दिया है. बिहार विधानसभा ने इसे दो बार पारित किया है. इस बार सभी पार्टियों की बैठक करके इसपर फैसला लिया जाएगा और कैबिनेट के माध्यम से स्वीकृत करके इसपर काम शुरू किया जाएगा. इसे लेकर अनेक दलों से बातचीत की जाएगी.

जातीय जनगणना कराएगी बिहार सरकार

बता दें कि केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि सरकार जातीय जनगणना नहीं कराने जा रही है. वहीं राज्यों को ये छूट मिली है कि अगर वो चाहें तो अपने खर्चे पर सूबे में जातीय जनगणना करा सकते हैं. वहीं बिहार में लगभग सभी दल एकमत हैं कि प्रदेश में जातीय जनगणना होनी चाहिए. भाजपा ने इसे लेकर केंद्र के फैसले के साथ खुद को खड़ा रखा है. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से हाल में ही इस मुद्दे पर मुलाकात की थी.

रोड जाम व सड़क पर धरना/प्रदर्शन करने वालों पर एफआईआर की कड़ी कार्रवाई की जाए-डीएम

» मदरलैण्ड संवाददाता

मोतिहारी। जिलाधिकारी सह अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति शीर्षत कपिल अशोक की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई ।इस बैठक में मुख्य रूप से सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण हेतु आवश्यक कार्रवाई पर विचार विमर्श,हिट एंड रन मामलों की समीक्षा,गुड सेमेरिटन का चयन,यात्री ठहरा निर्माण विषय पर विस्तृत चर्चा की गई ।साथ हीं संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया ।जिलाधिकारी ने कहा कि एनएचएआई फोर लाइन से जुड़ने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में जोड़ने वाली सड़क पर ब्रेकर लगाना सुनिश्चित करें ।बंजरिया में सर्विस रोड निर्माण हेतु अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया ।वहीं सड़क दुर्घटना कम करने को लेकर सभी थानाध्यक्षों से सुझाव मांगे गये ।उन्होंने फोर लाइन के किनारे साइन बोर्ड लगाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया ।कहा कि मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर ई-रिक्शा से आवागमन काफी बाधित होती है ।जाम से निपटने हेतु ई-रिक्शा के ठहराव के लिए पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी ।उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि रोड जाम व सड़क पर धरना/प्रदर्शन करने वालों पर एफआईआर की कड़ी कार्रवाई की जाए ।मोटरसाइकिल चालकों के लिए जीवन रक्षा हेतु हेलमेट पहनने को लेकर रोको टोको अभियान चलाने का निर्देश दिया गया ।सड़क दुर्घटना में मृतकों के आश्रितों का मुआवजा शीघ्र भुगतान करने का निर्देश दिया गया ।इस अवसर पर संबंधित पदाधिकारी व थानाध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

26 मई तक बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर स्थानीय स्तर पर बैठक करें-मंत्री

» मदरलैण्ड संवाददाता

मोतिहारी। संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ आपदा 2022 को लेकर सोमवार को समाहरणालय स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में बिहार सरकार के गन्ना उद्योग एवं विधि मंत्री प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई ।इस बैठक में मोतिहारी सदर एवं पिपराकोठी प्रखंड के जिला परिषद सदस्य, मुखिया,प्रखंड प्रमुख एवं आपदा संबंधित सभी पदाधिकारी शामिल हुए ।इस दौरान गन्ना उद्योग एवं विधि मंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व में बाढ़ आपदा राहत अनुदान राशि से वंचित लाभुकों का आधार,खाता संख्या,राशन कार्ड आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर 27 मई तक हर हाल में अपलोड करना सुनिश्चित करेंगे,ताकि कोई भी पीड़ित लाभुक बाढ़ आपदा राहत राशि से वंचित ना रहे ।उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को निर्देश देते हुए कहा कि 26 मई तक बाढ़ ग्रस्तक्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर स्थानीय स्तर पर बैठक करें ।नाव,पॉलिथीन,ऊंचे स्थल,पीने की पानी की व्यवस्था,सड़क,पशुचारा ,

स्वास्थ्य सेवा आदि का विस्तृत स्थलीय जांच कर आवश्यकतानुसार मांग रिपोर्ट भेजें ।ताकि बाढ़ पूर्व तैयारी में कोई परेशानी ना हो ।इस अवसर पर संबंधित पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पटना में अब प्लास्टिक के कचरों से मिलेगी निजात, लगाया गया रिवर्स वेंडिंग मशीन

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना । पटना की स्वच्छता के लिए पटना नगर निगम द्वारा एक और कदम बढ़ाया गया है. पटना में आम नागरिकों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला प्लास्टिक के पानी के बॉटल, कोल्डडिंक बॉटल, जूस एवं अन्य प्रकार को चिप्स, बिस्किट के खाली पैकटों को रिसाइकिलिंग किया जाएगा. इसके लिए मौर्या लोक परिसर एवं बोरिंग रोड चौराहा पर रिवर्स वेंडिंग मशीन लगाया गया है.

एक बार में 3000 बोतल क्रश हो सकता है

एचडीएफसी बैंक एवं सीईई परियोजना के तहत पटना में पहली बार दोहरी व्यवस्था की गई है. रिवर्स वेंडिंग मशीन में दो कक्ष होंगे. दोनों कक्षों में अलग अलग सामग्री की रिसाइकिलिंग की जाएगी. यह मशीन एक बार में 3000 बोतल क्रश कर रिसाईकिल कर सकती है. रिसाईकिलिंग के बाद इन हाई प्लास्टिक मेटेरियल को सेल किया जाएगा.

दो जगहों पर क्रशर मशीन

नगर आयुक्त के निर्देश पर पटना में दो जगहों पर क्रशर मशीन लगाया जा रहा है. इसके बाद शहर के अन्य जगहों पर भी इस मशीन को लगाया जाएगा जिससे आम आदमी भी इसका उपयोग कर सकते हैं. गौरतलब है कि पटना नगर निगम द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से आम जनता में प्लास्टिक के बारे में जागरूकता प्रदान की जाती है. मशीन द्वारा 3 आर (रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकल) के तहत यह आम लोगों को रिसाइकिलिंग के लिए प्रेरित किया जाएगा.

रिवर्स वेंडिंग मशीन की विशेषताएं

➥ मशीन डिजिटल सेंसर-आधारित सिस्टम के माध्यम से बोतल के खाली एवं भरे होने का विश्लेषण करती है.

➥खाली बोतल को ही मशीन द्वारा स्वीकार्य किया जाता है.

➥ भरी हुई बोतल को मशीन अस्वीकार्य कर देती है.

➥बोतल स्वीकार्य करने के बाद मशीन डिस्प्ले में मोबाइल नबंर डालने एवं ग्राहको को मैसेज भेजने का ऑप्शन आता है.

➥कंटेनर के भी भरने के बाद मशीन हैंडलर को ट्रिगर मैसेज करता है.

➥100 प्रतिशत कंटेनर भरने के बाद डिस्प्ले में मशीन का पूरा संकेत दिखाई देता है.

अपने घरों से निकल कर भयमुक्त वातावरण में करे मतदान: उपायुक्त

» मदरलैण्ड संवाददाता

देवघर। जिला निर्वाचन पदाधिकरी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में कुमैठा स्पोर्टस स्टेडियम में बनाये गये डिस्पैच सेन्टर स्थित मीडिया कोषांग में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव को लेकर तृतीय चरण की तैयारियों से जुड़ी विस्तृत जानकारियों से सभी को अवगत करया।

इसके अलावे उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा जानकारी दी गयी कि त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव हेतु आगामी 24 मई को मतदान की तारीख चुनाव आयोग द्वारा सुनिश्चित की गयी है। साथ हीं तृतीय चरण के मतदान को लेकर मधुपुर प्रखण्ड अन्तर्गत 268 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। साथ ही सारवां प्रखण्ड अन्तर्गत 181 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। वहीं सोनारायठाड़ी प्रखण्ड अन्तर्गत 152 एवं करौं प्रखण्ड अन्तर्गत 177 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर तृतीय चरण के मतदान को लेकर इस प्रकार कुल 778 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। आगे उन्होंने कहा कि तृतीय चरण के मतदान के दौरान कुल 273613 मतदाता हैं, जिनमें से 145523 पुरूष व 128090 महिला मतदाता शामिल है।

इसके अलावा उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा जानकारी दी कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गए है। पर्याप्त मात्रा में फॉर्स की प्रतिनियुक्ति भी की गयी है। गश्ती दल की टीमों को 247 एक्टिव रहने का निर्देश दिया गया है। सभी सीमाओं पर नाकें लगाए है। संवेदनशील व अतिसंवेदनशील बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम के साथ पुलिस बलों के जवानों को संयुक्त रूप से तैनात किये गए है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन हर परिस्थिति में स्वच्छ मतदान कराएगा। किसी भी परिस्थिति में मतदान केन्द्र के 100 मीटर के अंदर किसी भी तरह के हथियार के साथ प्रवेश करने पर तुरंत गिरफ्तारी की जाएगी। किसी भी परिस्थिति में निर्वाचन कार्य में बाधा डालने पर तुरंत कार्रवाई होगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने तृतीय चरण के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर सांरवा, सोनारायठाड़ी, करौं व मधुपुर प्रखण्ड के सभी मतदाता अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करने की अपील की।

इसके अलावे पुलिस अधीक्षक श्री सुभाष चंद्र जाट ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए तृतीय चरण के मतदान को लेकर की गई विभिन्न सुरक्षा व्यवस्था व तैयारियों की वस्तुस्थिति से मीडिया प्रतिनिधियों को अवगत कराया। साथ ही मतदाता के दिन प्रतिनियुक्त पुलिस फोर्स व शांतिपूर्ण मतदान को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी से सभी को अवगत कराया।

इसके अलावे डिस्पैच सेन्टर में उपरोक्त के अलावे पुलिस अधीक्षक सुभाष चन्द्र जाट, उप विकास आयुक्त डॉ0 कुमार ताराचन्द्र, जिला पंचायत राज पदाधिकारी रणवीर कुमार सिंह, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि व मीडिया सेल के कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

सरकारी हाट के बगल में निजी हाट लगाने का विरोध

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। छौड़ाही बाजार में सरकारी हाट के बगल में नीजी हाट लगाया जा रहा है. जिसका विरोध सरकारी हाट की बंदोबस्ती लेने वाले ने किया है. एसडीएम एवं सीओ को दिये आवेदन में छौड़ाही निवासी जय जयराम महतो के पुत्र अनिल कुमार ने बताया है कि उसने पिछले 12 अप्रैल को छौड़ाही उच्च विद्यालय मटिहानी के प्रांगण में लगने वाले सरकारी हाट की बन्दोबस्ती अपने नाम से लिया है.वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए हुई हाट की बंदोबस्ती के लिए उसने एक लाख 440 रुपये जमा किया है.कुल मिलाकर उसने अब तक दो लाख नौ हजार 250 रुपये जमा किये हैं. उसने बताया है कि छौड़ाही गांव के निवासी व पिछले वर्ष इस हाट की बंदोबस्ती लेने वाले स्वर्गीय रामसखा महतो के पुत्र अरुण कुमार सिंह इस हाट के बगल में अपनी नीजी जमीन पर सामांतर रुप से हाट लगा रहे हैं.यह हाट भी मंगलवार और शनिवार को लगाया जा रहा है, जिससे सरकारी राजस्व की हानि हो रही है. उसने बताया है कि अरुण कुमार सिंह ने पिछले वर्ष हाट की बंदोबस्ती के बकाये चार लाख रुपये अबतक जमा नहीं किया है.

इस संदर्भ में मंझौल एसडीएम मुकेश कुमार ने बताया कि अंचल अधिकारी को इस अवैध हाट को रोकने की कार्रवाई करनी चाहिए.

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

संक्षिप्त समाचार

ऑल इंडिया गार्ड काउंसिल कटिहार शाखा की गठन

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। कटिहार रेल मंडल मुख्यालय में उपस्थित ट्रेन मैनेजर ने सर्वसम्मति से ऑल इंडिया गार्ड काउंसिल कटिहार शाखा की नई ईकाई का गठन किया गया ।जिसमें कटिहार रेल मंडल के सभी ट्रेन मेनेजर उपस्थित थे। मिली जानकारी के अनुसार कटिहार रेलवे मंडल के गार्ड काउन्सिल में निम्नलिखित पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें संरक्षक - इंदुकांत झा,अध्यक्ष राजकुमार रजक, उपाध्यक्ष रवि कुमार, सतीश कुमार, शाखा सचिव निशांत कुमार शर्मा, संयुक्त सचिव शम्भु कुमार, प्रमोद कुमार सिंह, संगठन सचिव संतोष कुमार, राहुल कु.शर्मा , राम प्रवेश ठाकुर, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार सहित अन्य कई पदाधिकारी सहित कार्यकारिणी सदस्य में रुपेश कुमार, मनोज कुमार यादब,सतीश यादव, शिवजी कुमार, विरेन्द्र पासवान, अमलेश कामती, आशिष कुमार, मनोज कुमार, रणधीर पासवान, राजेश प्रसाद, शशांक सक्सेना, रामेन्द्र कुमार पाण्डेय मेल ट्रेन मैनेजर आदि मौजूद थे। वही नई कार्यकारणी कमिटी के गठन पर लोगो ने हर्ष जताते हुए सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दिया है।

रेप केश का आरोपी गिरफ्तार भेजा गया जेल

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। आजमनगर थाना क्षेत्र के स्थानीय बाजार के महल्दार टोली स्थित एक निजी कोचिंग में पढ़ाई कर रही एक 16 वर्षीय युवती के साथ अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार यौन शोषण किए जाने का मामला प्रकाश में आया है ।जानकारी के अनुसार महाल्दार टोली के परिवर्तित नाम महावीर सिंह जो जीनीयस कोचिंग में पठन-पाठन कर रहा था ।अपने ही वर्ग के एक 16 वर्षीय युवती को मैट्रिक का नोट बुक देने के बहाने अपने घर बुलाकर नशे का गोली पानी में डालकर नशे की हालत में बलात्कार किया ।साथ ही अश्लील वीडियो भी बनाया बाद में वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती के साथ लगातार यौन शोषण करता रहा ।मामला जब काफी आगे बढ़ गया तब उक्त लड़की के द्वारा लोक लाज का ख्याल ना करते हुए घरवालों को सारी सच्चाई बताई तब जाकर मामले का खुलासा हुआ ।उक्त मामले में पीड़ित लड़की के भाई के द्वारा एक आवेदन आजमनगर थाने में दिया गया आजमनगर थाना अध्यक्ष मानूतोष कुमार ने बताया उक्त मामले में पीडिता भाई के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है ।साथ ही रेप के आरोपी महावीर सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

के बी झा कॉलेज के प्रायोगिक परीक्षा में वीक्षक की अनुपस्थिति का जताया गया विरोध

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। के बी झा कॉलेज कटिहार में 23 मई को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन जिला अध्यक्ष अमित पासवान के नेतृत्व में डिग्री पार्ट 2 की प्रयोगीक परीक्षा में वीक्षक की अनुपस्थिति का विरोध किया गया । वही अमित पासवान ने बताया कि क्ष्रीङ्ग१ स्त्रँ८ का आज प्रायोगिक परीक्षा होने वाला था वीक्षक की अनुपस्थिति के कारण बच्चे घंटो तक इंतजार करते रहे, जिसके बाद केबी झा कॉलेज के के प्राचार्य द्वारा नए वीक्षक की नियुक्ति की गई वही इस मौके पर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष अमित पासवान, जिला महासचिव फारुख हुसैन, जिला सचिव विशाल रामानी, कॉलेज सचिव शिवम चौधरी, कॉलेज कोषाध्यक्ष नकुल पासवान, मोनू, बिल्लू सहित सैकड़ों छात्र शामिल रहे ।

वरिष्ठ राजद नेता के रेल दुघर्टना में मौत से क्षेत्र में शोक की लहर

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। बरारी प्रखंड अन्तर्गत बरारी हाट निवासी राजद के वरिष्ठ नेता,भट्ठा मालिक,पूर्व पचायत समिति सदस्य नारायण मडंल का कटिहार रेल में दुघर्टना में हुई मौत की खबर आग की तरह फैल गई, बरारी हाट निवास की ओर लोगों ने दौड़ लगाया यह जानने के लिए कि घटना की खबर में कितनी सत्यता है,लेकिन जब प्रचलित नारायण मंडल की मौत हो गई है तो सभी स्तब्ध रह गये,उनके आवास पर जानने वालों की भीड़ जमा होने लगी, नारायण मंडल बरारी विधानसभा क्षेत्र ही नही जिला में भी उनकी पहचान भी,वे सुजापुर पंचायत से पंचायत समिति सदस्य रह चुके हैं,उनके दो पुत्र दो पुत्रियां हैं, एक पुत्र साऊथ अफ्रीका में इंजीनियर है,राजद के मजबूत स्तम्भ रहे, पूर्व विधायक नीरज यादव ने नारायण मंडल के निधन पर राजद के लिए अपूर्णिय क्षति बताया, गहरी संवेदना व्यक्त की,विधायक विजय सिंह उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया,सांसद दुलालचंद गोस्वामी,एमएलसी असोक अग्रवाल ने गहरी संवेदना व्यक्त किया,पूर्व राज्यमंत्री जनाब मंसुर आलम के करीबी रहे नारायण मंडल के निधन पर मंत्री ने दुख व्यक्त किया,नारायण मंडल के निधन पर उनके मित्र सरदार कुलवंत सिंह,दिनेश भगत,पूर्व मुखिया नियमातुर रहमान,राजन खान,डॉ पुरुषोत्तम अग्रवाल,तपन सिन्हा,नागेन्द्र चौरसिया,महेन्द्र चौरसिया,पूर्व प्रमुख मंजूर आलम,नीलम कौर,रजनी कुमारी,माला कुमारी,राजद नेता विश्वनाथ चौधरी,बीमल मालाकार,सरदार मान सिंह,जदयु अध्यक्ष मनोज कुशवाहा,भाजपा अध्यक्ष मनोरंजन पाल,मुखिया मिकाईल,प्रतिनिधि अब्दुलाह,उमेश निषाद,कांग्रेस अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह,संजय यादव,केदार सिंह,भूपेन्द्र सिंह,धनजीत यादव,पंकज यादव,संतोष झा,राजीव भारती,अमीत चौधरी,राजीव चौधरी,संजय कुमार सिंह,शालीग्राम यादव,मुखिया कोशलकिशोर यादव ,पूर्व मुखिया ब्रम्हानंद साह,पूर्व उपप्रमुख सह राजद प्रदेश नेता अमरेन्द्र सिंह संजू,प्रमुख नस्तारा खातुन,उपप्रमुख रैनी कौर, प्रमुख प्रतिनिधि मो० इलियास,भाजपा नेत्री बबीता यादव,शांति जयसवाल,सिमिति मिथलेश यादव,जदयु नेता मिथलेश कुमार,समाजसेवी नीरज कश्यप,अरविंद सिंह बंटी,दिलीप कुमार ठाकुर आदि ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

मदरलैण्ड वॉइस की खबर का असर

सालमारी-आजमनगर पथ चौड़ीकरण कार्य शुरू स्थानीय जनप्रतिनिधियों और लोगों ने जताया हर्ष

» मदरलैण्ड संवाददाता

08 मदरलैण्ड वॉइस
नई दिल्ली, शनिवार, 7 मई 2022
newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org
जिले के मालिक को सालमारी-आजमनगर की जनता का प्रणाम बरसात आने वाली है,हल्की बारिश में बिगड़ जाएगी सालमारी-आजमनगर सड़क की सूरत कुछ कीजिये हुजूर

कटिहार। जिले के बाढ़ नियंत्रण अवर प्रमंडल सालमारी अंतर्गत आजमनगर सालमारी मुख्य मार्ग तटबंध पर बनी सड़क के चौड़ीकरण की मांग दशकों से स्थानीय जनप्रतिनिधि उठाते रहे हैं ।इसको लेकर कई बार लोगों ने सड़क जाम भी किया और स्थानीय सांसद विधायक सहित बिहार के डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद भगत सांसद कटिहार दुलाल चंद्र गोस्वामी को कई बार अवगत कराया था ।लेकिन निर्माण कार्य शुरू नहीं हो रहा था ।अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को प्रखंड कार्यालय आजमनगर पहुंचने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है ।बाढ़ के समय महानंदा तटबंध पर फाइटिंग और बचाव कार्य में भी दिक्कतें होती है ।इसकी गंभीरता को देखते हुए प्रदेश मुख्यालय के संज्ञान लेने पर जिला प्रशासन ने अविलंब चौड़ीकरण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया और बरसात शुरू होने से पहले चौड़ीकरण कार्य को पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए हैं ।टॉप लाइन कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा निर्माण कार्य आरंभ किया गया है ।चौड़ीकरण कार्य कराए जाने में आजमनगर के पत्रकारों की भी अहम भूमिका रही है। आजमनगर सालमारी मार्ग चौड़ीकरण के लिए आजमनगर प्रखंड के पत्रकारों द्वारा एक आवेदन पटना सचिवालय में दिया गया था ।जिसे संज्ञान में लेते हुए चौड़ीकरण कार्य आरंभ किया गया है ।साथ हीं लगातार स्थानीय पत्रकारों ने उक्त सड़क के चौड़ीकरण की मांग उठाते रहे हैं ।बता दे बीते 7मई को मदरलैंड वॉइस ने अपने अंक में शीर्षकः-जिले के मालिक को सालमारी-आजमनगर की जनता का प्रणाम बरसात आने वाली है ।हल्की बारिश में बिगड़ जाएगी सालमारी आजमनगर सड़क की सूरत कुछ कीजिए हुजूर तो सुन ली हुजूर ने और कार्य शुरू और प्रगति पर है।

टीईटी प्रारंभिक शिक्षक संघ का गठन

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। आजमनगर प्रखंड के टीईटी शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आरडीएस कॉलेज, सालमारी के प्रांगण में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता संयुक्त रुप से जिला महासचिव नंदकिशोर राम एवं जिला संयुक्त सचिव कुंदन कुमार द्वारा की गई। इस अवसर पर टीईटी शिक्षकों के ज्वलंत मुद्दों को लेकर जल्द से जल्द जिला कार्यक्रम पदाधिकारी से मिलकर समाधान करने-कराने हेतु निर्णय लिया गया। इस दौरान टीईटी प्रारंभिक शिक्षक संघ प्रखंड इकाई आजमनगर का गठन किया गया जिसके नव चयनित पदाधिकारियों में अतुल कुमार- अध्यक्ष, नीरज कुमार सिंह- उपाध्यक्ष, निशांत कुमार- सचिव, प्रियंका पंकज- संयुक्त सचिव, अखिलेश कुमार- मीडिया प्रभारी सहित मोहम्मद जियाउर रशीद अंसारी को प्रखंड कमिटी का प्रवक्ता मनोनीत किया गया। आजमनगर प्रखंड के सभी नव चयनित पद धारकों को टीईटी प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई ,कटिहार की ओर से जिलाध्यक्ष शिक्षक अनीश कुमार, जिला महासचिव नंदकिशोर राम तथा जिला संयुक्त सचिव कुंदन कुमार ने आशा जतायी है कि प्रखंड कमिटी के तमाम पदाधिकारी शिक्षकों की समस्याओं पर बेहतर काम करेंगे जिससे संगठन को मजबूती मिलेगी।

बारिश से सड़क पर जलजमाव ने लोगों की बढ़ाई परेशानी

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बारसोई प्रखंड के चौन्दी पंचायत के वार्ड नंबर 2 के ग्रामीणों ने जलजमाव से निजात दिलाने के लिए प्रशासन के विरुद्ध जमकर हल्ला बोला प्रदर्शन किया ।प्रदर्शन का नेतृत्व जिला परिषद प्रतिनिधि आफताब ताज कर रहे थे। आफताब ताज ने कहां की वार्ड नंबर 2 के ग्रामीणों को घर से निकलना मुश्किल हो गया है। हल्की सी बारिश होने से सड़कों के ऊपर घुटने भर पानी हो जाता है। जल निकासी के लिए प्रशासन द्वारा ठोस कदम नहीं उठाई जा रही है ।जिसके चलते आए दिन जल जमाव की समस्या उत्पन्न होती रहती है ।इतना ही नहीं छोटे-छोटे बच्चे भी जलजमाव का शिकार हो रहे हैं और आए दिन छोटी मोटी घटना होती रहती है। कुछ दिन पहले ही इसी पंचायत में जलजमाव के चलते छोटे बच्चे गड्ढे में जाकर गिर गया था। तथा बच्चे की कुछ ही देर में मौत हो चुकी थी। आफताब ताज एवं ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री एवं जिला पदाधिकारी से मांग करते हुए कहा कि जलजमाव की समस्याओं से निजा जल्द से जल्द दिया जाए ताकि आए दिन छोटी मोटी घटना से लोग सुरक्षित रहे। वहीं प्रदर्शनकारियों में मोहम्मद सनोवर ,मोहम्मद मुजाहिद, अलाउद्दीन, नदीम, अख्तर, शब्बीर, मुस्लिम, महारूल ,नाहिद ,तारीख आदि दर्जनों ग्रामीण मुख्य रूप से उपस्थित थे।

जल जमाव की विकराल समस्या का होगा जल्द निदान: बीडीओ

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। आजमनगर बाजार स्थित-गांधी चौक से केशरी-चौक तक मुख्य बाजार से मस्जिद चौक तक जल-जमाव की विकराल समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी।बरसात के शुरूआती दौर में हीं सड़क पर 2-3फीट जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो रही है ।तो जब लगातार बारिश होगी तब स्थिति कितनी खराब हो सकती हैं ।इस बात पर बाजार के व्यवसायिक वर्गों के लोगों ने बीडीओ सुनील कुमार मिश्रा से मंथन कर वैकल्पिक उपाय ढूंढने की अपील किया ।साथ हीं जल-जमाव की विकट समस्या का निदान को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी विचार विमर्श करने का अनुरोध किया ।इस बाबत सोमवार को10बजे गांधी चौक के निकट स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा व्यवसायिक वर्ग के लोगों के बीच पहुंच बीडीओ सुनील कुमार मिश्रा ने एक वैकल्पिक उपाय ढूंढने पर विचार विमर्श किया ।बीडीओ सुनील कुमार मिश्रा ने कहा आजमनगर बाजार से जल निकासी की समस्या काफी जटिल है ।जल निकासी के लिए बरसात के मौसम में नाला निर्माण कराया जाना काफी मुश्किल है ।तत्कालीन व्यवस्था पंपसेट से जल निकासी अथवा पुराने मृत नाले की मरम्मत किये जाने से हो सकता है ।जल जलमाव की समस्या से तत्काल राहत मिल जाये ।पंचायत के मुखिया डॉ.भरत कुमार राय तथा आलमपुर पंचायत के मुखिया गजाला प्रवीण का अपेक्षित सहयोग आवश्यक है ।मौके पर इंजीनियर मो.इजहार आलम ने पंचायत की राशि से नाला निर्माण कराए जाने की बात कही है ।इस मौके पर व्यवसायिक वर्ग के सनातन पोद्दार सोनू भगत पंकज भगत राजकुमार केशरी राकेश पोद्दार आदि लोगों ने भी अपेक्षित सहयोग करने की बात की है ।बता दे इसी सड़क से जल जमाव की समस्या को दूर करने की मांग को लेकर बाजार वासियों ने विरोध प्रदर्शन किया था।

चर्चित हत्या कांड का गठित एसआईटी टीम ने किया उदभेदन

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। हीरो शो रूम केशियर हत्या कांड का गठित एसआईटी टीम ने उदभेदन किया। 16 मई को अपराधियों ने बैंक में रुपया जमा करने जा रहे आयशा हीरो बाइक शो रूम के केशियर को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या की थी। बैग में रखे लूट ले गए थे 6 लाख 66 हजार कैशियर को गोलियों से छलनी किया था ।लूट हुए 6 लाख 66 हजार रुपए में से 50 हजार 3 सौ रुपया बरामद किया। वारदात में प्रयुक्त लाल स्कूटी,हथियार, जिंदा कारतूस, मोबाइल और महत्वपूर्ण सिम बरामद में से चार अपराधी गिरफ्तार ।घटना का मास्टर माइंड निकला शो रूम में काम करने वाला फायनांसर सहकर्मी खूनी घटना दिनदहाड़े मुफस्सिल थानाक्षेत्र के सिरसा चौक स्थित आयशा हीरो बाइक शो रूम के समीप की है।

एसपी जितेंद्र कुमार ने कहा कि एक सप्ताह पूर्व यानी 16 मई 2022 को मुफस्सिल थानाक्षेत्र के सिरसा चौक स्थित आयशा बाइक शो रूम के समीप कटिहार - पूर्णिया रोड में शो रूम के कैशियर रजत प्रतीक की हत्या अज्ञात अपराधियों ने कई गोली मारकर कर दिया था। और 6 लाख 66 हजार रुपया लूट लिया था। मृतक रजत प्रतीक हमेशा की तरह शो रूम का रुपया लेकर पास में कोटक महिंद्रा बैंक में जमा करने पैदल जा रहा था ।इसी दौरान रेकी कर रहे अपराधियों ने रुपया से भरा बैग लूटने की खातिर कैशियर को कई गोली मारकर उसकी हत्या कर दिया था ।कटिहार पुलिस ने इस घटना को चैलेंज के रूप में लेकर एसआईटी की टीम का गठन कर अनुसंधान शुरू कर दिया था ।सीसीटीवी और वैज्ञानिक तकनीकी साधनों से कटिहार पुलिस घटना में संलिप्त चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है ।साथ ही घटना में प्रयुक्त सिम कार्ड - मोबाइल - देशी पिस्टल - जिंदा कारतूस - और स्कूटी बाइक को बरामद किया है ।अपराधियों के पास से लूटे गए 6 लाख 66 हजार रुपया में से 50 हजार 3 सौ रुपया भी बरामद किया है। इस छापेमारी टीम में पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष नगर राघवेंद्र कुमार सिंह , मुफस्सिल थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह ,सहायक थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार डी0 आई0 यू0 प्रभारी अंजय अमन आदि शामिल थे।

मानदेय की वृद्धि के बाद भी ना खुश दिख रही हैं जीविका दीदी

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बारसोई जीविका कैडर संघ के बैनर तले आबादपुर में सभी कैडर बिहार सरकार से अपने काम के अनुसार मानदेय एवं सम्मान नहीं मिलने से आक्रोश पूर्ण आंदोलन करते दिखे। जीविका दीदियों ने कहा कि यदि हमारे इस 10 सूत्री मांगों को पूरा नहीं किया गया। पूरे बिहार में हम लोग आंदोलन करेंगे।

सभी कैडरों को जीविका की ओर से नियुक्ति पत्र पहचान पत्र मिले। मानदेय कंट्रीब्यूशन सिस्टम पर अविलंब रोक लगे मानदेय का भुगतान नियमित और बैंक खाते में हो, काम से हटाने की धमकी पर रोक लगे और धमकी देने वाले पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। प्रखंड स्तर पर काम करने वाले कैडर का मानदेय 18000 संकुलन स्तर पर काम करने वाले 15000 , ग्राम संगठन 13000 स्वयं सहायता समूह 12000 प्रतिमा हो ।सरकार इन सभी की नौकरी कम से कम 60 साल तक तय करें सभी कैडरो को क्षेत्र भ्रमण के लिए क्रमशः प्रखण्ड स्तर पर 4000 संकुलन स्तर पर 3000 ग्राम संगठन स्तर पर 2000 स्वयं सहायता समूह स्तर पर 1000 यात्रा भत्ता मिले। सभी अध्यक्ष सचिव और कोषाध्यक्ष को क्रमशः संकुलन स्तर पर 500 ग्राम स्तर पर 300 स्वयं सहायता समूह स्तर पर रू200 बैठक भत्ता मिले। स्वयं सहायता समूह को राशि एक लाख हो परियोजना में 3 साल पूरा करने वाले कैडरों के लिए स्टाफ के रूप में पदोन्नति की व्यवस्था हो सभी कैडरो को सामाजिक सुरक्षा का लाभ अवकाश महिला कैडर को विशेष अवकाश मातृत्व अवकाश 1.5 लाख का मेडिकल 5 लाख डेथ क्लेम मिले।

इस अवसर पर मोहम्मद शाहनवाज पिंकी पाल हसन रजा नूरानी प्रवीन, नीतू कुमारी,संजीदा खातून,मीना पाल आदि उपस्थित रहे।

बिहार के नक्शे पर कटिहार को विकसित जिला बनाने में अग्रणी भूमिका निभायेंगे :दुलाल चन्द्र गोस्वामी

सांसद का तीन साल हुआ बेमिशाल

» मदरलैण्ड संवाददाता

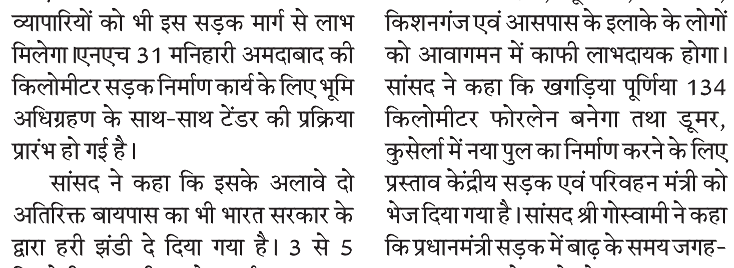

कटिहार। जदयू सांसद दुलाल चन्द्र गोस्वामी ने तीन वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है ।सांसद ने तीन वर्षों में कटिहार जिला में काफी विकास कार्य किये है ।जदयू कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जदयू सांसद दुलाल चन्द्र गोस्वामी ने कटिहार के विकास कार्य का आंकड़ा को प्रस्तुत किया। जदयू सांसद ने संबोधित करते हुए कहा कि आज के ही दिन 3 वर्ष पूर्व कटिहार लोकसभा क्षेत्र से जदयू सांसद के रूप में चुने गए थे। कटिहार की जनता के आशीर्वाद से मैंने सांसद के रूप में 3 वर्ष पूर्ण कर लिया हूं ।तीन वर्ष में कटिहार का सर्वांगीण विकास करने की लकीरे खींचने में सफल हुआ हूं और आने वाले वर्ष में बिहार के नक्शे पर कटिहार को विकसित जिला बनाने के रूप में अग्रणी भूमिका निभाएंगे ।सांसद दुलाल चंद्र गोस्वामी ने कहा कि गौशाला में आरोपी 36 करोड़ 30 लाख की लागत से निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। मनिहारी प्राणपुर पथ के मनिया, शरीफगंज में भी आरोबी निमार्णाधीन है ।जल्द ही निर्माण कार्य पूर्ण हो जाएगा ।सांसद दुलाल चंद्र गोस्वामी ने कहा कि साहिबगंज मनिहारी के बीच दो हजार करोड़ की लागत से गंगा नदी पर ब्रिज का काम जोरों से प्रारंभ हो गया है। पिलर निर्माण का कार्य 60 प्रतिशत पूर्ण हो गया है ।कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। साहिबगंज मनिहारी पूर्णिया 49 किलोमीटर सड़क फोरलेन का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है ।जल्दी पूर्ण होने की संभावना जताई है ।सांसद दुलाल चंद्र गोस्वामी ने कहा कि साहिबगंज पूर्णिया के कटिहार शहरी क्षेत्र के उदामा रेखा से दलन बाईपास सड़क व्यवसायीकरण के रूप में प्रतीत होगा। इस सड़क की लंबाई लगभग 13 किलोमीटर है। सड़क के दोनों किनारे पर व्यवसायिक प्रतिष्ठान खुलेंगे और बेरोजगारों को रोजगार का भी अवसर प्राप्त होगा ।सांसद ने कहा कि थोड़ा लाभा पथ के लाभा के समीप 600 मीटर में कार्य नहीं होने के कारण यह सड़क पर आवागमन को चालू कराने के लिए 32 करोड़ की लागत से सड़क निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ करा दी गई है। जल्दी सड़क निर्माण होगा। यह सड़क निर्माण हो जाने से कटिहार का संपर्क पश्चिम बंगाल से सीधा हो जाएगा। जिससे आम लोग के अलावे व्यापारियों को भी इस सड़क मार्ग से लाभ मिलेगा ।एनएच 31 मनिहारी अमदाबाद की किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य के लिए भूमि अधिग्रहण के साथ-साथ टेंडर की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है।

सांसद ने कहा कि इसके अलावे दो अतिरिक्त बायपास का भी भारत सरकार के द्वारा हरी झंडी दे दिया गया है। 3 से 5 किलोमीटर हाजीपुर से कार्य सड़क का निर्माण कार्य जल्द ही प्रारंभ हो जाएगा।

सांसद ने कहा कि पूर्णिया हवाई अड्डे का निर्माण कार्य डेढ़ वर्ष में पूर्ण होने की संभावना है। पूर्णिया में हवाई अड्डा प्रारंभ हो जाने से कटिहार, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज एवं आसपास के इलाके के लोगों को आवागमन में काफी लाभदायक होगा। सांसद ने कहा कि खगड़िया पूर्णिया 134 किलोमीटर फोरलेन बनेगा तथा डूमर, कुसेर्ला में नया पुल का निर्माण करने के लिए प्रस्ताव केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री को भेज दिया गया है। सांसद श्री गोस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री सड़क में बाढ़ के समय जगह-जगह सड़क हो जाने से आवागमन पर प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए कटिहार जिले के क्षतिग्रस्त पुल एवं सड़क के निर्माण के लिए स्वीकृति मिल गया है। जल्दी या कार्य प्रारंभ हो जाएगा। जिले के मनिहारी में तीन प्राणपुर में चार अहमदाबाद में छठवां में सात बरारी तीन पुल का निर्माण किया जाएगा।

प्रधानमंत्री सड़क सांसद निधि कोष ने 30 लाख की लागत से करोना काल में आवश्यक कार्य दिये हैं। उन्होंने कहा कि सांसद निधि कोष से सरकारी अस्पताल में एक हाई मास्क लाइट लगाया गया है। अस्पताल में आए हुए मरीज एवं उसके परिजनों को रात्रि में अंधेरे का सामना ना करना पड़े। इसीलिए प्रखंड मुख्यालय स्थित सभी सरकारी अस्पताल में हाई मास्क लाइट लगा दिया गया है।

सांसद ने कहा कि पिछले 3 वर्षों में विकास की गति को देने के लिए काफी प्रयास किया गया है। जिसका लाभ कटिहार वासियों को मिल रहा है ओर आगे भी मिलेगा ।इस अवसर पर पूर्व विधान पार्षद राजवंशी सिंह, पूर्व सांसद निखिल कुमार चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष लख्खी प्रसाद महतो, लोजपा जिला अध्यक्ष मोहम्मद जाहिद एवं राजीव जयसवाल, हम पार्टी के जिला अध्यक्ष रुस्तम आप्त सचिव मिथुन कुमार भाजपा के टनटन ठाकुर आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

आगामी बाढ़ को देखते हुए बैठक का आयोजन, बाढ़ से बचाव के लिए अभी से करें तैयारी : शंकर यादव

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। मनसाही प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के पंचायत भवन मरंगी में आगामी बाढ़ को देखते हुए एक बैठक का आयोजन किया गया ।जिसकी अध्यक्षता पंचायत के मुखिया शंकर कुमार यादव ने किया ।इस मौके पर श्री यादव ने बताया कि बाढ़ से बचाव के लिए अभी से ही तैयारी की जाए और हम लोग अपने वार्ड के माध्यम से वार्ड का सर्वे कर सूची बनाई जाए, जिससे बाढ़ के समय में किसी भी लोगों को जीआर की राशि भेजने में परेशानी ना हो।इस अवसर पर वार्ड सदस्य लक्ष्मण शर्मा, विवेक कुमार मंडल,प्रवीण कुमार ,इरशाद, असगर, इमरान खान कार्यपालक सहायक संगीता कुमारी आदि मौजूद थे।

खगड़िया सांसद प्रतिनिधि ने किया कटिहार पॉलिटेक्निक कॉलेज कैंपस में अस्थाई चल रहे खगड़िया पॉलिटेक्निक कॉलेज का दौरा

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। खगड़िया सांसद प्रतिनिधि मोङ्ग गुलफराज ने कटिहार पॉलीटेक्निक कॉलेज के कैंपस में अस्थाई रूप से चल रहे हैं खगरिया पॉलिटेक्निक कॉलेज का दौरा किया । श्री गुलफराज ने बताया कि कटिहार पॉलिटेक्निक स्थित अस्थाई परिसर में संचालित खगड़िया पॉलीटेक्निक कॉलेज के छात्रों को हो रही परेशानियों से अवगत होने एवं संवाद हेतु माननीय सांसद चौधरी महबूब अली कैसर खगड़िया लोकसभा के सांसद प्रतिनिधि मो० गुलफराज ने सोमवार को कटिहार स्थित खगड़िया पॉलीटेक्निक कॉलेज का दौरा किया।इस दौरान सबसे पहले सांसद प्रतिनिधि द्वारा छात्रों से संवाद स्थापित कर छात्रों की समस्याओं से अवगत हुआ और समाधान करने का भरोसा छात्रों को दिया। श्री गुलफराज ने बताया कि माननीय सांसद महबुब अली कैसर जी शिक्षा के प्रति बहुत ही सजग रहते है और लगातार शिक्षा में बेहतरी की क्षेत्र में कार्य कर रहे है।

कोविड दूसरे डोज से वंचित 18 वर्ष से ऊपर के लाभार्थियों के शत प्रतिशत टीकाकरण को मिला टास्क

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। वैश्विक महामारी कोविड-19 संक्रमण से सुरक्षित रहने के लिए कोविड टीकाकरण को सबसे सशक्त माध्यम माना जा रहा है।राज्य सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग ज्यादा से ज्यादा सभी आयुवर्ग के लोगों को कोविड-19 टीके के सुरक्षाचक्र में लाने को लेकर प्रयासरत है।राज्य के कुछ जिलों में दूसरे डोज के ड्यू लाभार्थियों के टीकाकरण की संख्या में कमी दर्ज की गयी है ।इसे देखते हुए कार्ययोजना तैयार कर वंचित लाभार्थियों को टीकाकृत करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की कार्य योजना है।इस संबंध में राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक संजय कुमार सिंह ने चिह्नित जिलों के जिलाधिकारी एवं सिविल सर्जन को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया है।जारी पत्र के अनुसार ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा ह्लआजादी से अन्त्योदय तकह्व के अंतर्गत 90 दिन के अभियान के तहत राज्य के 5 वर्णित जिलों कैमूर, भोजपुर, नवादा, सीतामढ़ी एवं कटिहार में कोविड-19 टीके के द्वितीय डोज से 18 वर्ष एवं इससे अधिक आयुवर्ग के शत प्रतिशत लाभार्थियों को टीकाकृत कर अभियान को शत प्रतिशत सफल बनाए जाने को लेकर निर्देशित किया गया है।जारी पत्र में निर्देशित किया गया है कि अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए कोविन पोर्टल से दूसरे डोज से वंचित लाभार्थियों की सूची तैयार कर सत्रवार विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाये तथा निर्धारित सत्र के तहत पोषक क्षेत्र के अंदर आनेवाले सभी घरों का गृहभ्रमण कर वंचित लाभार्थियों को प्रेरित कर दूसरा डोज लगवाना सुनिश्चित किया जाए।कटिहार के सिविल सर्जन डॉ डीएन पाण्डेय ने बताया कि राज्य मुख्यालय की ओर से प्राप्त पत्र के आलोक में दूसरे डोज से वंचित लाभार्थियों को चिह्नित करते हुए स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं के अधिकारियों एवं कर्मियों को अलग से टास्क दिया गया है।ताकि समय से सभी को कोविड-19 के टीके दिए जाएं।

बलथर थाना आगजनी काण्ड मामले में पंचायत समिती सदस्य राजन कुमार गिरफ्तार

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। बलथर पुलिस कस्टडी में युवक की मौत पर अफवाह उड़ा कर,गुस्साई भीड़ ने थाने को फूंक दिया था आगजनी मामले में पुलिसकर्मियों समेत कई लोगों ने भागकर बचाई जान बचाई थी पुलिस कस्टडी में युवक की मौत पर गुस्साई भीड़ ने थाने को फूंक दिया था जिसमें थाने की कई गाड़ियां जल कर खाक हो गई थी बलथर थानाध्यक्ष अजय चौधरी समेत कई पुलिसकर्मियों ने भागकर बचाई थी जान फिर भी पुरुषोतमपुर थाने के एक हवलदार की मौत हो गई थी। बलथर थाना आगजनी कांड में प्राथमिकि संख्या 42/2022 दर्ज हुआ है जिसमें 10 नामजद समेत 1000 अज्ञात लोगों प्राथमिकि दर्ज की गई है। आज तक इस मामले में करीब दर्जनों से अधिक लोगों को बलथर पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और बाकी लोगो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है। मालूम हो की इसी मामले में सीसीटीवी फुटेज और अन्य सूत्रों से प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर गौरीपुर बाजार के पंचायत समिति सदस्य राजन कुमार को बलथर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरीपुर बजार निवासी परसौनी पंचायत समिति सदस्य राजन कुमार का छवि दागदार रहा है इससे पुर्व में भी गौरीपुर बाजार मे एक शादी समारोह में आर्केस्टा प्रोग्राम के दौरान इसके द्वारा अपने गुर्गों के बल पर आतंक मचाया गया था जिस मामले में त्वरित

कार्यवाही करते हुए पुलिस ने इसको जेल भेजा था। मामले में जानकारी प्राप्त करने पर बलथर थानाध्यक्ष अजय चौधरी द्वारा बताया गया की गौरीपुर बाजार

● गलत लोगों के अफवाह फैलाने के कारण पुलिसकर्मी की मौत और बलथर थाना हुआ था आग के हवाले

के राजन कुमार जो परसौनी पंचायत का समिती सदस्य है को बलथर थाना आगजनी कांड संख्या 42/22 में सीसीटीवी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इससे पुर्व में भी एक बार जेल गया हुआ है। इस मामले में अभी अनुसंधान जारी है। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नही जाएगा।

विरेंद्र तिवारी बने ठकराहा प्रखंड के एमएलसी प्रतिनिधि

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। बेतिया जिले के राष्ट्रीय जनता दल पार्टी के नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्य इंजीनियर सौरभ ने सभी प्रखंडों के लिए प्रतिनिधि का लिस्ट जारी कर दिया है वही ठकराहा प्रखंड के लिए सदर पंचायत मुखिया प्रतिनिधि व बिंदवासनी कंस्ट्रक्शन के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री तिवारी को विधान परिषद सदस्य सौरव ने अपना प्रतिनिधि बनाया है। गौरतलब है कि श्री तिवारी की पत्नी शोभा देवी ठकराहा पंचायत की लगातार दूसरी बार मुखिया पद में निर्वाचित की गई है। जैसे ही स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुप में श्री तिवारी के विधान परिषद सदस्य की तरफ से प्रखंड का प्रतिनिधि बनाए जाने की सूचना सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र कुशवाहा की तरफ से शेयर किया गया। वैसे ही स्थानीय ग्रामीणों ने श्री तिवारी को बधाइयां देना शुरू कर दिया ऐसा मानो जैसे स्थानीय सभी व्हाट्सएप ग्रुप में श्री तिवारी के बधाई का ताता लग गया। श्री तिवारी स्थानीय लोगों के हमेशा संपर्क में रहते हैं स्थानीय लोगों की समस्याओं से रूबरू होते रहते हैं। जिसके कारण आम और खास दोनों लोगों के बीच श्री तिवारी का लोकप्रियता बहुत ही सकारात्मक है। एमएलसी प्रतिनिधि बनाए जाने पर श्री तिवारी काफी उत्साहित नजर आए और उन्होंने बताया कि अब प्रखंड की समस्या को विधान परिषद में भी एमएलसी महोदय के माध्यम से उठाया जाएगा। अब प्रखंड का कोई भी व्यक्ति सरकार की लाभान्वित योजनाओं से वंचित नहीं रह पाएगा।

लोजपा (रामविलास) ने किया पीडब्लूडी डिवीजन नरकटियागंज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। गौनाहा-लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास प्रखंड गौनाहा पी डब्लू डी डिवीजन नरकटियागंज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन एव सभा सहोदरा नरकटियागंज मुख्य मार्ग प्रेम नगर पुल जमुनिया में किया गया जिसमें भारी संख्या में लोजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण सम्मिलित हुए प्रेम नगर पुल के बारे में बताते हुए लोजपा प्रखंड अध्यक्ष ने कहा यह विगत 5 वर्षों से पुल क्षतिग्रस्त है आपको बताते चलें कि 2017 में आई बाढ़ के कारण प्रेम नगर पुल क्षतिग्रस्त हो गया उसके बाद 2019 में आई बाढ़ के कारण पूर्ण रूप से ध्वस्त हो गया इसका टेंडर 2019 में हो गया लेकिन अभी तक पीडब्ल्यूडी डिविजन नरकटियागंज के स्कूटी इंजीनियर एवं ठेकेदार के मिलीभगत से आज 2022 तक यह पुल का नव निर्माण नहीं किया गया जिसके विरोध में आज हम लोगों के द्वारा स्कूटी इंजीनियर का तत्काल पद से मुक्त करने की मांग किया गया एव एससी एसटी जिलाध्यक्ष नागेंद्र शर्मा के द्वारा बताया गया कि जल्द से जल्द जिलाधिकारी पश्चिमी चंपारण संज्ञान लेते हुए इस पुल को नव निर्माण कराएं एवं युवा महासचिव हिमांचल यादव ने कहा कि अगर यह पुल 20 दिनों के अंदर नव निर्माण कार्य शुरू नहीं होता है तो हम लोग के पार्टी के द्वारा अनुमंडल प्रशासन के खिलाफ एवं पुल विभाग के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठेंगे मौके पर मौजूद आईटी सेल जिलाध्यक्ष परतोष शुक्ला एवं लेबर सेल जिलाध्यक्ष अनिल चौबे भोलू पासवान मुन्ना देवान बृज किशोर महतो राहुल चौबे बालेश्वर राय राधेश्याम महतो अनिल कुशवाहा सुभाष राम कुंवर देव पासवान रविंद्र पटेल इत्यादि कार्यकर्ता मौजूद रहे

देहज दानवों के भेंट चढ़ी सैयदा खातून

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। भितहा थाना क्षेत्र के परसौना पंचायत के ग्राम धुनियापट्टी निवासी रबुलाह मंसूरी के लड़की सौयदा खातून कि शादी उत्तर प्रदेश के देवरिया जिला के ग्राम मदरसन पोस्ट बखरा निवासी अली अहमद मंसूरी के पुत्र मौनुद्दीन मंसूरी के साथ तय हुइ थी। जो बरात बीती रात 19 मई 2022 को रबुलाह मंसूरी के घर धुनियापट्टी आने वाली थी जिसमें निकाह होना था। इधर वधू पक्ष के वहां सभी तरह की तैयारियां पूरी कर ली गई थी जिसमे ऐन मौके पर वर पक्ष के तरफ से एकाएक फोन आया कि जब तक दहेज का पूरा राशि नहीं देंगे तब तक बरात नहीं जाएगी। वही रमुलाह मंसूरी का कहना है कि दहेज के रूप में 1लाख 20 हजार रूपया तय हुआ था जिसमें से मेरे द्वारा 40 हजार रूपया वर पक्ष को दे दिया गया था और शेष पैसा बरात आने के बाद देने के लिए बोला गया था जिसमे पैसा नही जुटा पाया तो देने मे अपनी असमर्थता जाहीर किया जिसमे बरात लाने के पूर्व ही वे लोग ठान लिया कि जब तक पूरा पैसा नहीं आएगा बरात नहीं जाएगी। जिसमें मैं उक्त राशि देने में सक्षम नहीं हो सका जिससे ऐन मौके पर बरात नहीं पहुंची और मेरी बेटी का निकाह नहीं हो सका। इधर बारात के खातेदारी कि सारी तैयारीया पुरी कि जा चुकी थी जिसमे दरबार पर टेन्ट सामियाना से लेकर मिष्ठान, भोजन आदि की तैयारियां पूरी कर दी गई थी। इधर इस मामला को लेकर पूरे परिवार सहित पूरे गांव में दहेज के इन लोभियों के प्रति लोग तरह-तरह के बातें कर रहे हैं। इधर वधू पक्ष के परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है। वही उक्त मामले की जानकारी देते हुए पूर्व प्रमुख सह परसौना पंचायत के पंचायत समिति सदस्य तबरेज आलम ने बताया कि उक्त व्यक्ति का बहुत ही नुकसान हुआ है और बरात का इंतजार वधू पक्ष के द्वारा 12:00 बजे रात तक किया गया परंतु दहेज के लोभीयो ने दहेज के लिए बरात लेकर नहीं आए जिसकी निंदा होनी चाहिए ।यह मामला पुरे क्षेत्र मे आग के तरह फैल गया है।

कार्यकारिणी की बैठक एवं समीक्षा कार्यक्रम में उठे दर्जनों शिकायत

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। सोमवार को गौनाहा प्रखंड मुख्यालय के कृषि सभागार में प्रखंड जनता दल यूनाइटेड की कार्यकारिणी की बैठक एवं समीक्षा कार्यक्रम संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष विक्रमा चौधरी के द्वारा किया जा रहा था। बैठक के विशिष्ट अतिथि सुभाष सिंह कुशवाहा, संगठन जिला अध्यक्ष व मुख्य अतिथि के रूप में विधान पार्षद भीष्म सहनी बैठक में उपस्थित थे । बैठक को संबोधित करते हुए संगठन प्रभारी सुभाष कुशवाहा ने संगठन पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक पंचायत के वार्ड वार गांव स्तर पर 10 -10 सक्रिय साथियों की सूची बनाएं ।वही विधान पार्षद सह जिला अध्यक्ष भीष्म साहनी ने कहा कि जनता दल यू के सभी साथी गांव स्तर पर जाकर संगठन को मजबूत बनाने एवं सरकार द्वारा की जा रही कार्यों को जन - जन तक पहुंचाने का काम करेगें । जिला उपाध्यक्ष सुरज साहनी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधान पार्षद भीष्म साहनी से गौनाहा प्रखंड व अंचल कार्यालय मे व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए इस पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि गौनाहा में प्रखण्ड एवं अंचल कार्यालय सहित कृषि विभाग में भी भ्ष्टार्चार बिल्कुल चरम पर है। किसी भी पदाधिकारी को जिम्मेवारी नही है। वे अपने कर्तब्यों से बहुत अलग - थलग हो गए हैं । और कुछ पदाधिकारी तो स्थानीय लोगों को भी बीना वजह अपने साथ रखते हैं। वही भागीरथी राम, प्रेमशिला गुप्ता, शिवजी प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि प्रखंड व अंचल कार्यालय में जनता अपनी समस्या को लेकर पहुंचती है तो कार्यालय में न अधिकारी न कर्मचारी मिलते हैं ।जब इस बात की शिकायत वरीय अधिकारियों से की जाती है । तो अधिकारियों द्वारा आम जनता से दुर्व्यवहार किया जाता है। उन्होंने कहा कि गौनाहा में किसानों को यूरिया खाद ब्लैक रेट में 450 रुपए से लेकर 550 रुपए तक मजबूरी में खरीदना पड़ता है ।जीससे किसानों में बहुत आक्रोश दिख रहा है। वहीं विधान पार्षद भीष्म साहनी द्वारा गौनाहा में व्याप्त भ्रष्टाचार व अधिकारियों की मनमानी के मुद्दे को सदन में उठाने का आश्वासन दिया गया ।तथा प्रखंड अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रखंड व अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन करने का निर्देश दिया गया है। और सदन के बैठक के समय ही उन्होंने जिलाधिकारी से मोबाइल पर इसकी शिकायत भी किया ।मौके पर बिनोद कुशवाहा जिला महा सचिव ,बगहा जिला के महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रेम शिला गुप्ता , जिला सचिव राजू मिश्र , मझरिया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सोवालाल महतो भितिहारवा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि रमेश महतो ,रिपू वर्मा, सरस्वती देवी, संध्या देवी , राजेश महतो ,राजेन्द्र बैठा , सरपंच बबिता देवी , रमेश साह ,सोनी देवी , संजय गुप्ता ,शांति देवी, चन्द्रगंभीरा साह, प्रमोद साह, शेख मुस्तफा , ओभरसियर यादव सकीना खातून राजेश महतो ओम प्रकाश महतो , दिनेशवर यादव ,अशोक ठाकुर उपस्थित रहे ।

सड़क निर्माण कार्य मे बरती जा रही अनियमितता पर ग्रामीणों में आक्रोश

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। सागरथ पंचायत अंतर्गत बसंतपुर गॉव के मोमिन टोला से घाट टोला तक मुख्यमंत्री ग्रामसम्पर्क योजना के तहत लाखो की लागत से सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है ।उक्क्त सड़क निर्माण कार्य मे भारी अनियमितता बढ़ती जा रही है ।सड़क निर्माण कार्य में संवेदक द्वारा बढ़ती जाये अनियमितता को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है ।वही ग्रामीणों का कहना है,की सागरथ पंचायत के बसंतपुर गांव में बसंतपुर मोमिन टोला से घाट टोला तक मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना के तहत सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसमें संवेदक के द्वारा ढलाई में मिट्टी युक्त घटिया गिट्टी,सफेद बालू का प्रयोग किया जा रहा है ।साथ ही कालीकरण वाला भाग में 4 से 5 दिन के अंदर ही पूरा गिट्टी उखरना शुरू हो गया है, जो कि भारी अनियमितता को दशार्ता है ।विरोध करने पर संवेदक कुछ भी सुनने को तैयार नहीं है कार्य की गुणवत्ता में भारी अनियमितता बढ़ती जा रही है। वही ग्रामीणों समाज सेवी मृत्युंजय वर्मा,वार्ड सदस्य रूपलाल, वार्ड सदस्य नौशाद आलम, टुड्डू, पंकज यादव, जवाहरलाल मंडल, टिंकू सिंह, मनोज राम, विजय राम,सुबोध राम, धनवीर मंडल, कपिल सिंह एवं अशोक साह सहित दर्जनों ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से जांच की मांग की है।

सीएम ने किया उद्घाटन मगध महिला कॉलेज को मिला अत्याधुनिक हॉस्टल, बहन व पत्नी का किया जिक्र

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना । पटना स्थित मगध महिला कॉलेज की छात्राओं को नीतीश सरकार ने बड़ा सौगात दिया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को कॉलेज के नये छात्रावास का उद्घाटन किया. इस हॉस्टल में 639 बेड तैयार किये गये हैं. सीएम ने महिलाओं के लिए सूबे में किये जा रहे प्रयासों को भी गिनाया. उनके साथ सूबे के शिक्षा मंत्री भी रहे.

6 मंजिला इमारत

मगध महिला कॉलेज का नया हॉस्टल अब पूरी तरह से तैयार हो गया है. सोमवार को सूबे के मुखिया नीतीश कुमार ने इसका उद्घाटन किया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ग्राउंड फ्लोर के साथ इस बिल्डिंग में कुल 7 फ्लोर हैं. इस हॉस्टल की जरुरत काफी अधिक महसूस की जा रही थी. कई लड़कियों को हॉस्टल में रूम लेने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था. जिसके बाद इस नये छात्रावास बनाने का फैसला हुआ. हॉस्टल बनाने का काम 2019 से ही शुरू हुआ था.

सीएम ने अपनी पत्नी और बहन का किया जिक्र

सोमवार को बिल्डिंग का उद्घाटन करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि इस कॉलेज से ही उनकी पत्नी और बहन की पढ़ाई हुई है. बताया कि इस कॉलेज से उनका काफी पुराना संबंध है. नीतीश कुमार ने कहा कि वो जबतक गद्दी पर हैं तबतक बिहार में लड़कियों को आगे बढ़ाने का काम वो करते रहेंगे. इसके साथ ही नीतीश कुमार ने प्रदेश में लड़कियों के लिए चल रही कई अन्य योजनाओं को भी गिनाया.

छात्राओं को आगाह कराया

नीतीश कुमार ने इस दौरान छात्राओं को आगाह कराया कि वो दहेज प्रथा और बाल-विवाह से दूर रहें. छात्राओं को उन्होंने जागरुक रहने को कहा. बता दें कि यह हॉसटल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैश है. हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर पर बड़ा साइज का एक डायनिंग हॉल है. हॉस्टल में चार लिफ्ट लगाई गई है. सीसीटीवी हर कोने में लाग दिये गये हैं ताकि सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हो. हॉस्टल में जिम व सलून के साथ ही टेबल टेनिस कोर्ट भी बनाया गया है.

प्राथमिक विद्यालय के हेडमास्टर की मनमानी चरम पर

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। एक ओर सरकार स्वच्छता चला रही ,शिक्षा को दुरुस्त करने की बात कर रही वहीं कटिहार जिला के बरारी प्रखंड अन्तर्गत शिक्षा विभाग की पोल खोल रहा प्राथमिक विद्यालय सिवाना कांतनगर ,संकुल संसाधन केन्द्र उमवि शिशिया अन्तर्गत संचालित प्रावि सिवाना कान्तनगर में मकई का बगड़ा ,मकई से पाट दिया,बच्चों की पढ़ाई तो दुर की बात है ,बैठने तक की व्यवस्था नही है,गंदगी का अंबार पड़ा है, शौचालय जीर्ण शीर्ण अवस्था में है,मध्यान्ह भोजन बनाने का चूल्हा के सटे चापानल गंदगी से परिपूर्ण है शिक्षा का मंदिर, कब विद्यालय खुलता है,कब बंद होता है,कब बच्चे आते हैं,कहाँ बैठते हैं,कब पढ़ते है,कब जाते यह सवालिया निशान लगा रहे लोग,आखिर कचरे के ढेर पर गाँव की शिक्षा का मंदिर की दुदर्शा प्रखंड के शिक्षा पदाधिकारी को नही दिख रहा,विद्यालय शिक्षा समिति क्या कर रही है उन्हे गाँव के बच्चों के भविष्य की चिंता नही लग रही,विद्यालय में तीन कमरा है, कक्षा एक से पाँच तक की पढ़ाई वाला विद्यालय में बच्चे नामांकित करीब डेढ़ सौ,शिक्षक पाँच के करीब पदस्थाप्ति हैं,लेकिन दुर्दशा ऐसी कि ग्रामीण भी चकित है,

विद्यालय के प्रधानाध्यापक वासेद अलि हैं उन्हें कोई चिंता नही है,गंदगी में बैठकर समय विताकर निकल जाना फितरत सी हो गई है ,ग्रामीण के अलावे कई जनप्रतिनिधि ने भी जब विद्यालय को नजदीक से देखा तो शिक्षा व्यवस्था को कोसने लगे,लोगों की मानें तो हेड मास्टर साहव क्या ऐसी गंदगी उनको रहना अच्छा लगता है एक शिक्षित व्यक्ति क्या गंदगी में बैठने का आदि तो नही हो गया, शिक्षक को शिक्षा के मंदिर से इतनी नाराजगी आखिर क्यों, प्रधानाध्यापक कहते है कि अकेले व्यवस्था नही सुधरती,बीईओ निरंजन कुमार चौधरी ने बताया कि जाँच कर कार्रवाई की जायेगी,समाजसेवी राजकिशोर यादव ने शिक्षा विभाग की बदइंतजामी पर आरोप लगाते हुए कहा क्या यह विद्यालय है या गोहाल बताएं ।

जिंदगी डीटीएच पेशकश के जरिए भारतीय टेलीविजन के पर्दे तक पहुंचेगा

चंडीगढ़ : जिंदगी ने हमारे लिये ऐसी कहानियां पेश की है, जो हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई और सीमा पार के इन एक्टर्स ने हमारे दिलों में एक अमिट छाप छोड़ी। यह अग्रणी चैनल अब डीटीएच प्लेटफॉर्म पर वैल्यू एडेड सर्विस के रूप में लॉन्च होने वाला है और जिंदगी गुलजार है जैसे बेमिसाल शो से अपने सफर की शुरूआत कर रहा है। यह एक ऐसा शो है, जिसे हर पीढ़ी के लोगों ने पसंद किया है। देश के कोने-कोने में दर्शकों के कंटेंट की बदलती जरूरतों को पूरा करते हुए, जिंदगी हमारे घरों और हमारे दिलों में टाटा प्ले, डिश टीवी और डी2एच के माध्यम से आज 23 मई से कदम रखने वाला है। परिवारों को करीब लाने वाली वास्तविक, खूबसूरत और दमदार कहानियां लाने के वादे को जारी रखते हुए; इस लाइन-अप में बेहद पसंद किये गये और चर्चित शो पेश किये जा रहे हैं। इसमें सूत्रधार के रूप में किरण खेर के साथ ह्यकितनी गिरहें बाकी हैंह्व, ऑन जारा, सदके तुम्हारे, बहुचर्चित मिसेज एंड मिस्टर शमीम और कई सारे शोज, शामिल हैं।शैलजा केजरीवाल, चीफ क्रिएटिव ऑफिसर जी स्पेलशल प्रोजेक्ट्स का कहना है,

यह हमारे लिये बेहद ही गर्व की बात है, क्योंकि हम एक और उपलब्धि हासिल कर रहे हैं और जिंदगी को सारे डीटीएच प्लेटफॉर्म पर लॉन्च कर रहे हैं। सीमा पार सांस्कृतिक साझीदारी पर गहराई से विश्वास करने वाले कुछ लोगों के बीच एक प्रमुख विचार के रूप में जो शुरू हुआ था वह देश का सबसे पसंदीदा टेलीविजन चैनल बन गया। जिंदगी अपने सफर को आगे बढ़ाते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देश की डिजिटल खपत की जरूरतों को पूरा कर रहा है। इस पर भरोसा करने वाली कम्युनिटी का दायरा बढ़ता जा रहा है। आज, हम टाटा प्ले, डिश टीवी और डी2एच पर नये साझीदार और नये विश्वसपात्र लोगों के समुदाय को शामिल कर रहे हैं क्योंकि हम जिंदगी को देश के कोने-कोने तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इस साझीदारी के बारे में, पल्लवी पुरी, चीफ कंटेंट और कमर्शियल ऑफिसर, टाटा प्ले ने कहा, हमारे देश में बारीक और लेखकों से समर्थित कहानी के प्रशंसकों की संख्या काफी बड़ी है। टाटा प्ले जिंदगी के कंटेंट की लाइब्रेरी जीवन के सार वाली हैह्वये हमारी जिंदगी से मिलती-जुलती कहानियां हैं। निश्चित तौर पर ये उन दर्शकों के लिये बेहतरीन अनुभव होने वाला है, जिन्हें प्रासंगिक कहानियां पसंद हैं इस सर्विस के बारे में, श्रुति कुमार, हेड- वीएएस, डिश टीवी इंडिया लिमिटेड ने कहा, हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि हमारे ग्राहकों के साथ जुड़ने का सबसे प्रभावी तरीका प्रासंगिक, अच्छी, अद्भुत और वास्तविक तरह के कंटेंट प्रदान करना है। जिंदगी एक्टिव को हमारे व्यापक मूल्य वर्धित सेवा पोर्टफोलियो में नये सदस्य के रूप में शामिल करने की घोषणा करते हुए बेहद खुशी महसूस हो रही है। इसके साथ, हम अपने ग्राहकों लिये भावनात्मक और आकर्षक कहानियां, सीरीज और फिल्में पेश करते हैं जो उनके, उनके परिवारों और रिश्तों के अनुकूल होते हैं। हम अपने देश की सीमा पार लोगों/समुदायों के एकजुट होने की उम्मीद करते हैं जो समान मूल्यों, संस्कृतियों और परंपराओं को साझा करते हैं। हमारी सक्रिय सेवाएं हमारे ग्राहकों के लिये सबसे आकर्षक और प्रासंगिक कंटेंट पेश करती हैं और नये जिंदगी एक्टिव सेवा का जुड़ना उनके प्रति हमारी प्रतिबद्धता को साबित करता है।

भीषण गर्मी में मांग बढ़ने से फ्रिज व एसी की बिक्री 100 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के ज्यादातर हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, कूलर और पंखों की मांग बढ़ गई है। जिससे इनकी बिक्री दोगुना हो गई है। टाटा समूह के उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के एक खुदरा विक्रेता की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि 2021 की तुलना में इस बार रेफ्रिजरेटर की बिक्री सौ प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। वहीं, एसी भी तीन गुना ज्यादा बिके हैं। कूलर की बिक्री 2.5 गुना अधिक रही और इनकी सर्वाधिक बिक्री पुणे में हुई है। पंखों की बिक्री भी दोगुनी रही और हर पांच में से एक ग्राहक बेंगलुरु से था। हैदराबाद, दिल्ली-

एनसीआर, बेंगलुरु में बिके कुल एसी में सर्वाधिक संख्या बिजली की कम खपत करने वाले 5-स्टार एसी की थी। जबकि मुंबई, अहमदाबाद, सूरत, चेन्नई, वडोदरा और इंदौर में 50 फीसदी से अधिक खरीदारों ने 3-स्टार एसी खरीदे। रिपोर्ट में बताया गया कि मुंबई, ठाणे, पुणे और कोलकाता में बिकने वाले ज्यादातर एसी एक टन के थे। उत्तर और मध्य भारत में 1.5 टन के एसी ज्यादा खरीदे गए और इस क्षमता के एसी की संख्या कुल बिक्री में 60 फीसदी रही। पोर्टेबल एसी में से 50 फीसदी केवल मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में खरीदे गए। वहीं, 62 फीसदी हॉट ऐंड कोल्ड एसी दिल्ली-एनसीआर में इन गर्मियों में खरीदे गए। रिपोर्ट के अनुसार, कूलिंग प्रोडक्ट्स के अलावा माइक्रोवेव की बिक्री में भी पिछले साल के मुकाबले 80 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। साथ ही पुरुषों के ग्रूमिंग व शेविंग प्रोडक्ट्स की बिक्री भी 63 फीसदी बढ़ी है। इसके अलावा ट्रैवल बैट्रीज और चार्जर्स की सेल दोगुने से अधिक बढ़ी है। बड़े स्क्रीन वाली टीवी की बिक्री 200 फीसदी से अधिक बढ़ी है।

संक्षिप्त समाचार

फ्यूचर के स्वतंत्र निदेशकों पर अमेजन ने लगाए धोखेबाजी के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) के 835 स्टोर रिलायंस समूह को हस्तांतरित करने के मामले में एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों पर धोखेबाजी का आरोप लगाया है। अमेजन ने 19 मई को एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों को लिखे एक पत्र में कहा है कि इस हस्तांतरण के लिए बड़े पैमाने पर किराया बाकी रहने का तर्क एक फरेब था क्योंकि इस तरह के कदम से एक महीने पहले ही कहा गया था कि बकाया किराया केवल 250 करोड़ रुपए है। एफआरएल के साथ कानूनी विवाद में उलझी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने कहा है कि एफआरएल ने अपने किसी भी स्टोर का परिचालन बंद किए बिना उसे रिलायंस के हाथों सौंप दिया। उसने कहा है कि बड़े पैमाने पर किराया बाकी रहने की वजह से 835 खुदरा स्टोर को रिलायंस के सुपुर्द कर देने से जुड़ा कोई भी दावा नियामकों, ऋणदाताओं, शेयरधारकों और अदालतों के सामने झूठ एवं फरेब परोसने के सिवाय कुछ नहीं था। फ्यूचर ग्रुप को अक्टूबर 2020 में सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र में घसीटने के बाद दोनों ही पक्ष लंबे कानूनी विवाद में उलझे हुए हैं।

भारत-अमेरिका के बीच अवसरों की राह खोलेगी डिजिटल अर्थव्यवस्था: यूएसआईबीसी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) ने डिजिटल अर्थव्यवस्था को हर तरह से फायदेमंद बताते हुए कहा कि अमेरिका और भारत में इस प्रमुख क्षेत्र की लगातार वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अवसंरचना, विनियमन और कानूनी ढांचे को मजबूत करना जरूरी है। यूएसआईबीसी के एक अधिकारी ने इंडिया फाउंडेशन द्वारा कॉमर्स एंड इंडस्ट्री 2.0 पैनल के तहत रविवार को बेंगलुरु में आयोजित 7वें इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव में भारत की प्रभावशाली वृद्धि, सरकारी नेतृत्व में डिजिटलीकरण की सफलता और अर्थव्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था व्यापार से हमारे दोनों देशों के बीच कई लाभ मिलते हैं। मेरी आपसे अपील है कि हम अवसंरचना, विनियमन और कानूनी ढांचे को मजबूत करें, ताकि लगातार वृद्धि संभव हो सके। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका में डिजिटल अर्थव्यवस्था की लगातार वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत में एक व्यापक क्रांति हो रही है, और इसका भारत, अमेरिका और पूरी दुनिया पर व्यापक रूप से सकारात्मक असर होगा।

मासिक कर भुगतान फॉर्म में संशोधन कर सकती है जीएसटी परिषद

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी परिषद की अगले महीने होने वाली वाली बैठक में संक्षिप्त रिटर्न और मासिक कर भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी में संशोधन पर विचार किया जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि फर्जी इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के दावों पर रोक और सही मामलों के तेजी से निपटान के लिए जीएसटीआर-3बी फॉर्म में बदलाव पर विचार किया जा रहा है। संशोधित फॉर्म करदाता को सकल इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी), किसी विशेष महीने में दावा की गई राशि और करदाता के बही-खाते में शेष बची राशि के संबंध में स्पष्टता प्रदान करेगा। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मामलों पर निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय जीएसटी परिषद की बैठक अगले महीने होने की संभावना है। एक अधिकारी ने कहा कि संशोधित फॉर्म फर्जी आईटीसी दावों पर अंकुश लगाने और ईमानदार करदाता को तेजी से आईटीसी का लाभ उठाने में मददगार साबित होगा। जीएसटी परिषद की विधि समिति जीएसटीआर-3बी को सुव्यवस्थित करने पर विचार कर रही है ताकि आईटीसी के खुलासे पर और स्पष्टता आए। जीएसटीआर-3बी फॉर्म में संशोधन के मुद्दे को परिषद की अगली बैठक में रखे जाने की उम्मीद है। जीएसटीआर-3बी एक संक्षिप्त ब्योरा और मासिक जीएसटी भुगतान से संबंधित फॉर्म है। यह फॉर्म विभिन्न श्रेणी के करदाता महीने की 20, 22 और 24 तारीख को भरते हैं।

इंडीग्रिड का मुनाफा चौथी तिमाही में 45 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। अवसंरचना निवेश न्यास इंडीग्रिड के अनुसार मार्च में समाप्त हुई तिमाही में उसका मुनाफा 45 प्रतिशत बढ़कर 99.80 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुई आखिरी तिमाही में इंडिया ग्रिड ट्रस्ट (इंडीग्रिड) का मुनाफा 68.69 करोड़ रुपचौथी तिमाही में था। 2022 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी की कुल आय 568.50 करोड़ रुपचौथी तिमाही में थी जो एक साल पहले समान अवधि में 514.09 करोड़ रुपए थी। वित्त वर्ष 2021-22 में मुनाफा भी बढ़कर 343.27 करोड़ रुपण हो गया जो 2020-21 में 334.40 करोड़ रुपए था। 2020-21 में कुल आय 1,714.15 करोड़ रुपए थी जो इससे अगले वित्त वर्ष में बढ़कर 2,274.44 करोड़ रुपए हो गई।

मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में प्रेस्टिज ग्रुप की 7,500 करोड़ निवेश की योजना

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में प्रवेश करने के लिए प्रेस्टीज समूह ने अगले चार-पांच वर्षों में 7,500 करोड़ रुपए के निवेश की योजना बनाई है। प्रेस्टीज

ग्रुप के एक अधिकारी ने कहा कि दक्षिण भारतीय बाजार में करीब 250 परियोजनाओं को पूरा कर चुका उनका समूह मुंबई में आवासीय एवं वाणिज्यिक दोनों तरह की परियोजनाएं का विकास करने की रणनीति पर चलेगा। उन्होंने कहा कि समूह की मुंबई के अलग-अलग इलाकों में स्थित छह परियोजनाओं के तहत 1.6 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र के विकास का इरादा है। उन्होंने कहा कि कंपनी मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में रुढ़िवादी तरीके से ही आगे बढ़ेगी और किसी तरह की जल्दबाजी नहीं दिखाएगी। उन्होंने बताया कि बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के अलावा महालक्ष्मी में वाणिज्यिक परियोजना का विकास किया जाएगा जबकि मुलुंड में 60 लाख वर्ग फुट क्षेत्र की एकीकृत परियोजना का विकास किया जाएगा। इनमें से कुछ परियोजनाएं पहले किसी कारण से अटक गई थीं लेकिन अब उन्हें पूरा किया जा रहा है। इसके अलावा कुछ परियोजनाएं दिवाला प्रक्रिया के तहत अधिग्रहीत की गई हैं। बताया जा रहा है कि विभिन्न परियोजनाओं के तहत कम-से-कम 7,500 करोड़ रुपए निवेश किए जाएंगे। इसमें से 4,500 करोड़ रुपए जमीन खरीदने और अटकी परियोजनाओं को लेने पर निवेश किए जा चुके हैं। परियोजनाओं के लिए बाकी संसाधनों का इंतजाम अंदरुनी स्त्रोतों के अलावा बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से कर्ज लेकर किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मंडी जिले में एचडीएफसी बैंक शाखा का उद्घाटन किया

शिमला, 23 मई, 2022: हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री. जय राम ठाकुर ने मंडी जिले की थुनाग तहसील में एचडीएफसी बैंक की नई शाखा का उद्घाटन किया। राज्य में अब बैंक की 84 शाखाएं हैं। इस अवसर पर श्री अरिंदम चौधरी, आईएएस और मंडी के उपायुक्त, सुश्री शालिनी अग्निहोत्री, पुलिस अधीक्षक, श्री पारस अग्रवाल, उप-मंडल मजिस्ट्रेट के साथ उपस्थित थे। श्री नीरज कौरा, सर्किल हेड - हिमाचल प्रदेश, श्री सुमित आनंद, क्लस्टर हेड - मंडी, श्री प्रशांत मांडयाल, क्लस्टर हेड - शिमला और श्री गौरव तेजपाल, सर्कल हेड - डब्ल्यूबीओ सहित एचडीएफसी बैंक के अधिकारी भी उपस्थित थे। एचडीएफसी बैंक ने 2004 में शिमला के संजौली में अपनी पहली शाखा खोलने के साथ हिमाचल प्रदेश में अपनी यात्रा शुरू

किया था। राज्य में बैंक की बढ़ती उपस्थिति पर टिप्पणी करते हुए, हिमाचल प्रदेश के सर्कल प्रमुख श्री नीरज कौर ने कहा: ह्लहम हिमाचल प्रदेश में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने और राज्य भर में गुणवत्तापूर्ण बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब हमारी उपस्थिति हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों में है। हमारा भौतिक शाखा नेटवर्क, डिजिटल बैंकिंग चैनलों के साथ, हमें राज्य भर में अपने ग्राहकों को कहीं भी और कभी भी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने की अनुमति देगा।ह्व बैंक ने यह भी घोषणा की कि उसने छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका में सुधार के लिए राज्य के सिराज क्षेत्र में 16 पंचायतों के 179 गांवों में 85,000 सेब के पौधे वितरित किए हैं। पौधों का चयन क्षेत्र की ऊंचाई और ऊंचाई के अनुसार किया गया था। इस परियोजना में स्थायी आजीविका के लिए अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए छोटे और सीमांत किसानों का प्रशिक्षण भी शामिल था।

ग्लोरोड ने सेलर्स के लिए जीरो-कमीशन पेश किया

चंडीगढ़ : भारत की अग्रणी सोशल कॉमर्स कंपनियों में से एक ग्लोरोड ने आज नए और मौजूदा विक्रेताओं के लिए जीरो कमीशन की शुरूआत की। इसके साथ, ग्लोरोड विक्रेता अपने उत्पादों को सूचीबद्ध करने और बेचने के लिए शुल्क की चिंता किए बिना अपने अधिक उत्पादों को ऑनलाइन लाने में सक्षम होंगे। उन्हें केवल लागू शिपिंग और लॉजिस्टिक्स सेवाओं के लिए भुगतान करना होगा। सभी श्रेणियों में जीरो कमीशन की शुरूआत से देश भर में उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए अधिक अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। अधिक विक्रेताओं के अपने चयन को ऑनलाइन लाने के साथ, ग्लोरोड पर इनफ्लुएंसर को श्रेणियों में विस्तारित चयन तक पहुंच प्राप्त होगी। यह ग्लोरोड पर ऑफर और वॉलेट क्रेडिट के साथ संयुक्त रूप से इनफ्लुएंसर को अपना व्यवसाय कमाने और विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा।ग्लोरोड के संस्थापक और सीईओ कुणाल सिन्हा ने कहा, हमने भारत भर में लाखों उद्यमियों और एमएसएमई के लिए डिजिटल कॉमर्स तक पहुंच का विस्तार करने के लिए ग्लोरोड की स्थापना की। ग्लोरोड पर लिस्टिंग और बिक्री के लिए जीरो कमीशन की शुरूआत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पूरे देश में मौजूदा और साथ ही पहली बार विक्रेताओं को पूरे भारत में विशेष रूप से टियर 2 और उससे आगे के बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। हम भारत भर में विक्रेताओं और इनफ्लुएंसर को ग्लोरोड की सेवा का लाभ उठाने में सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि ऑनलाइन खरीदारी को ईकॉमर्स के लिए नए ग्राहकों के लिए अधिक सुविधाजनक और विश्वसनीय बनाते हैं।ग्लोरोड अपने लाखों उपयोगकर्ताओं जिसमें होममेकर्स, युवा वयस्क, छोटे खुदरा विक्रेता और अन्य शामिल हैं, को डिजिटल उद्यमी बनने और सोशल मीडिया की शक्ति का लाभ उठाकर अपने घर या कहीं भी आराम से कमाने का साधन प्रदान करता है।

केंद्र सरकार की घोषणा के बाद केरल, राजस्थान और ओडिशा ने भी वैट में की कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में भारी कटौती कर महंगाई से लोगों को तत्काल कुछ राहत दे दी है। इस कटौती के बाद दिल्ली में

पेट्रोल और डीजल की कीमतें क्रमशः 9.5 रुपये और 7 रुपये प्रति लीटर कम हो गई हैं। केंद्र सरकार की घोषणा के बाद केरल, राजस्थान और ओडिशा जैसे कुछ राज्यों ने अपने स्तर पर भी वैट में कटौती की घोषणा की। उम्मीद की जा रही है कि अन्य राज्य सरकारें भी यथासंभव कटौती की घोषणा करेंगी जिससे पेट्रोल और डीजल मूल्यों में आई कमी से आम तौर पर भी महंगाई का ताप कुछ कम होगा। गौरतलब है कि सरकार ने पेट्रोल डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के साथ ही करीब 9 करोड़ गरीब परिवारों को एलपीजी गैस सिलिंडर पर 200 रुपये प्रति सिलिंडर की सबसिडी देने, प्लास्टिक प्रॉडक्ट्स, आयरन और स्टील पर कस्टम ड्यूटी कम करने तथा पर्याप्त मात्रा में सीमेंट की उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी एलान किया है। कोरोना महामारी के असर से दुनिया पूरी तरह निकली भी नहीं थी कि यूक्रेन युद्ध शुरू हो गया। इस वजह से न केवल खाद्यान्न समेत कई जरूरी वस्तुओं की कमी पड़ गई बल्कि ग्लोबल सप्लाई चेन भी बाधित हुआ। नतीजा यह कि दुनिया के तमाम देश महंगाई में अप्रत्याशित बढ़ोतरी समेत कई तरह की आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। मगर ये स्पष्टीकरण सच होते हुए भी देश के अंदर हालात को संभालने में कोई मदद नहीं करते।

पिछले दो वर्षों से तमाम चुनौतियों से पार पाते हुए जो भारतीय अर्थव्यवस्था दोबारा खड़ी हो रही है, उसके लिए भी महंगाई की यह लहर मारक साबित हो सकती थी। यह न केवल आम मध्यमवर्गीय परिवारों की बचत नष्ट कर रही थी बल्कि मांग की कमी की समस्या को और गंभीर रूप दे रही थी। लिहाजा सरकार इसकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। उम्मीद की जा रही है कि सरकार के ताजा कदमों से महंगाई पर कुछ लगाम जरूर लगेगी। हालांकि इसी का दूसरा पहलू यह भी है कि सरकार के इन फैसलों से राजकोष पर करीब 1.5 लाख करोड़ रुपयों का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर राजस्व वसूली में आए उछाल की बदौलत सरकार के लिए इस अतिरिक्त बोझ को संभालना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा।

4जी ग्राहकों के लिए जियो का धमाका ऑफर, जियोफोन नेक्स्ट पर 2000 रुपए का डिस्काउंट

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपके घर पर कोई भी पुराना 4जी फोन रखा है तो आप आसानी से जियोफोन नेक्स्ट पर 2000 रुपए का डिस्काउंट पा सकते हैं। रिलायंस रिटेल ने लिमिटेड समय के लिए जियोफोन नेक्स्ट 'एक्सचेंज टू अपग्रेड' ऑफर लॉन्च किया है। जियोफोन नेक्स्ट की कीमत 6499 रुपए है जोकि डिस्काउंट के बाद 4499 रुपए हो जाएगी। रिलायंस जियो और गूगल ने साथ में रिसर्च कर किफायती स्मार्टफोन जियोफोन नेक्स्ट बनाया है। ऑफर के तहत किसी भी कंपनी का 4जी फीचर फोन या स्मार्टफोन दिया जा सकता है। ग्राहक पुराना ह्यजियोफोनह्ल भी देकर भी 2000 रुपए का डिस्काउंट पा सकते हैं। मतलब अगर आपके पास कोई पुराना 4जी फीचर फोन है तो भी आप इस ऑफर का फायदा उठा सकते हैं। डिस्काउंट का फायदा उठाने के लिए आपको अपने नजदीक के जियोमार्ट और रिलायंस डिजिटल स्टोर्स पर जाकर 4जी फोन देना है। इसके बाद आपको 6599 रुपए का जियोफोन नेक्स्ट सिर्फ 4499 रुपए में उपलब्ध हो जाएगा। जियोफोन नेक्स्ट की लॉन्चिंग के समय रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी ने कहा था कि 'वो भारतीय जो अंग्रेजी या अपनी में सामग्री को पढ़ने में सक्षम नहीं है, वे इस स्मार्ट डिवाइस पर अपनी भाषा में इसका अनुवाद और यहां तक कि पढ़ भी सकते हैं। मुझे ये कहते हुए गर्व हो रहा है कि 'इंडिया' और 'भारत' के बीच की खाई को पाट रहे हैं, क्योंकि भारत करेगा डिजिटल प्रगति-प्रगति ओएस के साथ।' इस स्मार्टफोन में कई बेहतरीन फीचर्स हैं। इसके कैमरा में ही ट्रांसलेशन फीचर है। ट्रांसलेशन फीचर के जरिए किसी भी भाषा के टेक्स्ट का फोटो खींचकर उसका ट्रांसलेशन अपनी भाषा में कर सकते हैं और उसे सुन भी सकते हैं।

एसयूवी टक्सन का फेसलिफ्ट वर्जन होगा लॉन्च

यह एसयूवी स्पोर्टी लुक और दमदार इंजन से होगी लैस

नई दिल्ली, एजेंसी। जानी-मानी कंपनी हुंडई मोटर की नई टक्सन इस साल की दूसरी छमाही में पेश की जाएगी। फोर्थ जनरेशन की टक्सन एसयूवी फॉक्सवैगन टिगुआन, स्कोडा कोडिएक जैसी कारों को टक्कर देगी। 2022 हुंडई टक्सन डिजाइन के मामले में काफी नई है। ग्लोबल बाजारों में इसे पहले ही लॉन्च किया जा चुका है। यह अपने पुराने मॉडल के मुकाबले स्पोर्टी दिखाई देती है, इसमें शार्प एलईडी हेडलाइट्स के साथ एक नई बड़ी फ्रंट ग्रिल दी गई है।

ग्रिल पर पैरामीट्रिक ज्वेल पैटर्न एसयूवी को एक अलग लुक देता है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के एमडी और सीईओ उनसू किम ने कहा, ह्लहुंडई नई टेक्नोलॉजी में हमेशा आगे रही हैं और बिल्कुल नई टक्सन इंटेलिजेंट टेक्नोलॉजी, फ्यूचरिस्टिक डिजाइन, बेजोड़ सुरक्षा और स्मार्ट इनोवेशन के साथ एसयूवी खरीदारों को रोमांचित करने के लिए तैयार है। इसके इंजन की बात करें तो नई टक्सन में 2.5-लीटर पेट्रोल और 1.6-लीटर टर्बो हाइब्रिड इंजन का उपयोग किया जाएगा। इन्हें आठ-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन यूनिट से जोड़ा गया है। 2.5-लीटर इंजन की अधिकतम शक्ति 187बीएचपी और अधिकतम टॉर्क 246 एनएम है।

टक्सन ने 2004 में लॉन्च होने के बाद से दुनिया भर में 70 लाख से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ दुनिया भर के ग्राहकों के दिलों पर कब्जा कर दिया है। एक बोल्ड, डायनामिक लुक और एडवांस फीचर्स के साथ नई टक्सन भारत में ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। ह्लनया टक्सन कई तरह नए फीचर्स मिलेंगे। जैसे इसमें एक वर्टिकली स्टैक्ड, डबल 10.25-इंच फुल-टच स्क्रीन, एक मल्टी-एयर वेंटिलेशन सिस्टम और हुडलेस डिजिटल गेज क्लस्टर होगा।

बीएसएच होम अप्लायंसेज की ओर से भारत का पहला फ्लेक्सिबल रेफ्रिजरेटर: बॉश मैक्स फ्लेक्स

चंडीगढ़ : दुनिया की अग्रणी होम अप्लायंसेज कंपनियों में से एक, बीएसएच होम अप्लायंसेज ने हाल ही में रेफ्रिजरेटर्स की नई श्रृंखला - बॉश मैक्स फ्लेक्स का लॉन्च किया है। भारतीय घरों की जरूरतों के अनुरूप विकसित की गई घरेलू रेफ्रिजरेटर्स की यह नई श्रृंखला स्टोरेज के लचीलेपन की एक बड़ी जरूरत का समाधान करेगी। बीएसएच की ह्यमेक इन इंडियाह्ल की प्रतिबद्धता के साथ रेफ्रिजरेटर की यह श्रृंखला चेन्नई में कंपनी के स्वामित्व के निर्माण संयंत्र में बनाई जाएगी। बॉश मैक्स फ्लेक्स फ्रीजर भारत का पहला लचीला रेफ्रिजरेटर है, जिसमें एक अद्वितीय थर्ड डोर कंपार्टमेंट है, जिसे यूजर की जरूरत के अनुरूप फ्रिज या फ्रीजर की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। अत्यधिक गर्मी व आर्द्रता वाले देशों में मौसम के परिवर्तन के कारण रेफ्रिजरेटर की जरूरतें भी बदलती रहती हैं, जिनके लिए बॉश का मैक्स फ्लेक्स सबसे उत्तम विकल्प होगा। उत्पाद के लॉन्च के साथ ही, बीएसएच ने अपना लेटेस्ट कैम्पेन #FlexibleLikeABosch भी लॉन्च किया। इस फिल्म में भिन्न-भिन्न पहलू दिखाए गए हैं, जिनमें परिवार बॉश मैक्सफ्लेक्स को फ्रीजर, फ्रिज, ड्राई स्टोरेज या फ्रेश स्टोरेज स्पेस आदि में बदलकर अपनी विभिन्न जरूरतें पूरी करते हैं। पत्नी काम पर जाने से पहले खाना स्टोर करती है, जो पति बाद में पकाता है, दंपत्ति अपने पसंदीदा आम स्टोर करते हैं, दादी मां स्टोर किए गए सूखे मसालों से खाना बनाती है, जीवन के ऐसे अनेक पहलू इस फिल्म में दिखाए गए हैं। बॉश

मैक्सफ्लेक्स के साथ अब चिल करना, कूल करना, और स्टोर करना पहले से ज्यादा आसान हो गया है! उत्पाद के इनोवेशन के बारे में नीरज बहल, एमडी एवं सीईओ, बीएसएच होम अप्लायंसेज (भारत एवं सार्क) ने कहा, बीएसएच में बॉश मैक्स फ्लेक्स हमारे दिल के बहुत करीब है क्योंकि इसे हमने भारत में ही विकसित किया है और बनाया है। लोगों की जरूरतों को समझकर हमें अहसास हुआ कि बिजली की बचत और ताजगी के अलावा, लोग अपने रेफ्रिजरेटर में लचीलापन भी चाहते हैं, ताकि वो अलग-अलग मौसम में खाने की अलग-अलग जरूरतों को पूरा कर सकें। इस जानकारी ने हमें एक अलग और मेड-इन-इंडिया उत्पाद का विकास करने की ओर अग्रसर किया, जो रेफ्रिजरेटर में स्पेस की अवधारणा को बदल देगा। इस श्रृंखला को शुरूआत में ही बाजार में बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और हमें विश्वास है कि इस बार गर्मियों में इस उत्पाद के लिए उपभोक्ताओं की मांग बहुत ही मजबूत होगी।

आईपीएल के पहले क्वालिफायर में आज आमने-सामने होंगी गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स

कोलकाता, एजेंसी। गुजरात टाइटंस की टीम आईपीएल के 15 वें सत्र के पहले क्वालिफायर को मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगी। दोनो ही टीम इस मैच में जीत के साथ ही खिताबी मुकाबले में जगह बनाने उतरेंगी। कप्तान हार्दिक पंड्या की गुजरात ने अब तक 14 लीग मुकाबले में से 10 जीतने के साथ ही 20 अंक हासिल किये हैं और वह अंक तालिका मे शीर्ष पर है जबकि संजू सैमसन की कप्तानी में उतर रही राजस्थान ने भी 9 मुकाबले जीते हैं और उसके 18 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमें जीत की प्रबल दावेदार हैं। गुजरात ने लीग स्तर पर एक मैच में राजस्थान को हराया था ,ऐसे में उसे मनोवेज्ञानिक बढ़त मिली हुई है।

गुजरात की बल्लेबाजी पंड्या , डेविड मिलर , शुभमन गिल और राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों पर आधारित है। हार्दिक और शुभमन दोनों ने अब तक इस सत्र में 400 से अधिक रन बनाए हैं। शुभमन अंतिम 2 मैच में रन नहीं बना पाये हैं , ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में लंबी पारी खेलना रहेगा। इसके अलावा मिलर ने भी 54 की औसत से 381 रन बनाये हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा ने 9 मैच में 3 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं निचले क्रम पर राहुल तेवतिया और राशिद खान किसी भी गेंदबाज के खिलाफ रन बनाने में माहिर हैं। तेवतिया और राशिद के स्ट्राइक रेट 148 हैं जिससे यह बेहतर फिनिशर के तौर पर उभरे हैं। राशिद ने बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी नाम के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए टीम की ओर से अब तक सबसे ज्यादा 18 विकेट लिए हैं। उनका इकोनॉमी रेट 7 से भी कम है। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, लॉकी फर्ग्युसन और यश दयाल हैं। शमी नई गेंद से विरोध बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में सफल रहे हैं। जरुरत पड़ने पर कप्तान पंड्या भी गेंदबाजी कर सकते हैं। अब देखना है कि राजस्थान के बल्लेबाज इनका कैसे सामना करते हैं।

वहीं दूसरी ओर राजस्थान की बल्लेबाजी और गेंदबाजी भी अच्छी है। टीम की सबसे ज्यादा उम्मीदें इस सत्र मे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले जोस बटलर पर टिकी रहेंगी। बटलर ने अब तक 3 शतक और 3 अर्धशतक के साथ ही 629 रन बनाये हैं पर वह अंतिम 3 मैच में अधिक रन नहीं बना पाये हैं जिससे टीम की परेशानी बढ़ी है। बटलर ने जब-जब रन बनाये हैं टीम जीती है। कप्तान संजू सैमसन और देवदत्त पडिक्कल ने भी 300 से अधिक रन बनाये हैं। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल के साथ ही ऑलराउंडर शिमरोन हेटमायर भी तेजी से रन बना सकते हैं। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास

इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने बनाने वाले स्पिनर यजुवेन्द्र चहल हैं जिनका सामना करना गुजरात के लिए आसान नहीं रहेगा। इसके अलावा टीम के पास अनुभवी स्पिन आर अश्विन हैं। तेज तेज गेंदबाज के तौर पर टीम के पास प्रसिद्ध कृष्णा , ट्रेंट बोल्ट हैं। इन दोनो ही गेंदबाजों ने प्रभाव प्रदर्शन करते हुए विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, शिमरोन हेटमायर, देवदत्त पडिक्कल, प्रसिद्ध कृष्णा, युजवेंद्र चहल, रियान पराग, केसी करियप्पा, नवदीप सैनी, ओबेद मैकॉय, अनुनय सिंह, कुलदीप सेन, करुण नायर, ध्रुव जुरेल, तेजस बरोका, कुलदीप यादव, शुभम गढ़वाल, जेम्स नीशाम, नाथन कूल्टर-नाइल, रासी वान डार डुसैन और डेरिल मिचेल.

गुजरात टाइटंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), अभिनव मनोहर, डेविड मिलर, गुरकीरत सिंह, बी साई सुदर्शन, शुभमन गिल, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मैथ्यू वेड, रहमानुल्ला गुरबाज, रिद्धिमान साहा, अल्जारी जोसफ, दर्शन नालकांडे, लॉकी फर्ग्युसन, मोहम्मद शमी, नूर अहमद, प्रदीप सांगवान, राशिद खान, रविश्रीनिवासन साई किशोर, वरुण आरोन और यश दयाल।

भारतीय टीम की कप्तानी मिलना सम्मान की बात : राहुल

अभी आईपीएल मुकाबलों पर है ध्यान

मुम्बई, एजेंसी। बल्लेबाज लोकेश राहुल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाये से उत्साहित हैं। राहुल ने कहा कि अपने देश का नेतृत्व करना हमेशा ही एक विशेषाधिकार और सम्मान की बात होती है। एक बार फिर यह अवसर पाकर खुश हूं मैं इसी अवसर का इंतजार कर रहा था हालांकि अभी मेरा ध्यान आईपीएल को लेकर अपनी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स पर है। हमें नॉकआउट मैच खेलने हैं और मेरा लक्ष्य जीत हासिल कर आईपीएल ट्राफी उठाना है। साथ ही कहा कि मैं इस आईपीएल ट्रॉफी को जीतना चाहता हूं और फिर अपने को कुछ दिन का ब्रेक देना चाहता हूं जिससे तरोताजा होकर भारतीय टीम के बारे में सोचना शुरू किया जाये।

राहुल की कप्तानी में लखनऊ की टीम आईपीएल 2022 लीग चरण में तीसरे स्थान पर रही है। उसे बुधवार को ईडन गार्डन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से एलिमिनेटर मुकाबला खेलना है। राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम 9 जून से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज में उतरेगी। वहीं इस घरेलू सीरीज में ऋषभ पंत टीम के उपकप्तान होंगे। इस टीम में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को भी जगह मिली है। इसके अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर ध्यान खींचने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और सबसे तेज गेंदबाज करने वाले उमरान मलिक को भी पहली बार शामिल किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ज्योति ने अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मीट में बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की ज्योति याराजी ने ब्रिटेन में अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मीट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 13.11 सेकेंड समय निकालने के साथ ही 13.23 सेकेंड के अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। इससे पहले ज्योति ने 10 मई को लिमासोल में साइप्रस अंतरराष्ट्रीय मीट के दौरान 13.23 सेकेंड का समय निकाला था। इसी के साथ ही ज्योति ने दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार महिला 100 मीटर बाधा दौड़ का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा है। भुवनेश्वर में कोच जोसेफ हिलियर के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग करने वाली ज्योति ने अनुराधा बिस्वाल के 13.38 सेकेंड के रिकॉर्ड को तोड़ा था जो साल 2002 में बना था। ज्योति ने पिछले माह ही कोझिकोड में फेडरेशन कप में भी 13.09 सेकेंड का समय निकाला था पर तब हवा तय वैध सीमा से अधिक तेज चल रही थी , इसलिए उनका समय रिकार्ड में नहीं आया। वहीं ओडिशा एथलेटिक्स हाई परफोर्मेंस केंद्र के अमलान बोरगोहेन 200 मीटर दौड़ में 21.27 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इसके अलावा सिद्धांत थिंगाल्या 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.97 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

विलियमसन दूसरी बार पापा बने

मुम्बई , एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन के यहां एक बेटे का जन्म हुआ है। विलियमसन दूसरी बार पापा बने हैं। उनकी पत्नी ने एक बेटे को जन्म दिया है। विलियमसन ने इंस्टाग्राम पर पत्नी और बेटे की तस्वीर साझा कर प्रशंसकों को यह जानकारी दी। इसके बाद उन्हें दुनिया भर से क्रिकेटरों की शुभकामनाएं मिली हैं। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान, कैरेबियाई खिलाड़ी जेसन होल्डर, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेविड वॉर्नर के अलावा न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम सहित कई क्रिकेटरों ने विलियमसन को बेटे के जन्म पर बधाई दी है। आईपीएल में खेल रहे न्यूजीलैंड के कप्तान विलियमसन बच्चे के जन्म के कारण ही अंतिम लीग मैच से पहले स्वेदश लौट गये थे। आईपीएल के इस 15वें सत्र में विलियमसन की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह अंतिम लीग मैच हारने के साथ ही आठवे स्थान पर होने के साथ ही टूनार्मेंट से बाहर हो गयी।

कोमैन फिर बनेंगे नीदरलैंड के फुटबॉल कोच

एम्सटर्डम, एजेंसी। रोनाल्ड कोमैन कतर में होने वाले विश्व कप फुटबॉल के बाद एक बार फिर नीदरलैंड टीम के कोच बनेंगे। विश्व कप में नीदरलैंड की टीम कोच लुई वान गाल के मार्गदर्शन में उतरेगी पर वान ने पहले ही कह दिया था कि वह 18 दिसंबर को कतर में समाप्त होने वाले टूनार्मेंट के बाद कोच पद पर नहीं रहेंगे। ऐसे में कोमैन को दूसरी बार कोच बनना तय है क्योंकि डच सॉकर महासंघ ने एक बार फिर कोमैन को टीम के साथ जोड़ने का फैसला किया है। डच महासंघ के निदेशक मारियेन वान ल्युवेन ने कहा, 'कोच के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान हम उनके काम और परिणामों को लेकर संतुष्ट थे।' कोमैन दो साल से भी कम समय पहले नीदरलैंड की राष्ट्रीय टीम को छोड़कर स्पेन के क्लब बासीलोना से जुड़े थे जहां वह एक खिलाड़ी के तौर पर सफल रहे थे थी लेकिन कोच के तौर पर उनका कार्यकाल अच्छा नहीं रहा था। इसी कारण क्लब ने उन्हें पिछले साल अक्टूबर में हटा दिया था।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका शुरू करेगा टी20 लीग

जोहांसबर्ग, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर ही अब क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक नई फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग की घोषणा की है। इसमें छह टीम शामिल रहेंगी। यह लीग अगले साल जनवरी में खेली जाएगी। इसमें शीर्ष तीन पक्षों के प्ले-ऑफ चरणों से पहले लीग में छह टीमें एक दूसरे के साथ डबल राउंड में खेलेंगी। तीन से चार सप्ताह तक चलने वाले इस टूनार्मेंट में 37 मैच होंगे। आईपीएल की तरह ही इस टूनार्मेंट में प्रत्येक टीम अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में चार विदेशी खिलाड़ियों को शामिल कर सकेगी। इसमें नीलामी सहित अन्य मामलों की जानकारी आने वाले दिनों में दी जाएगी।

हर्षल को एलिमिनेटर मुकाबले के लिए फिट होने की उम्मीदें

मुम्बई, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम किस्मत के बल पर प्लेऑफ में तो पहुंच गयी है पर यहां उसकी राह आसान नहीं है। आरसीबी को अब बुधवार को एलिमिनेटर मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है पर इस मैच से ठीक पहले उसके मुख्य स्पिनर हर्षल पटेल के खेलने पर संशय बना हुआ है।

हर्षल गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम लीग मुकाबले में चोटिल हो गये थे। इस चोट के कारण ही उन्हें मैच के बीच में ही मैदान से बाहर जाना पड़ा था। वहीं हर्षल को उम्मीद है कि वह मैच तक ठीक हो जाएंगे। इस गेंदबाज ने कहा,मैंने जब फील्डिंग के दौरान एक्स्ट्रा कवर पर गेंद को पकडा था तो मेरे दाएं हाथ में चोट लग गई थी। उसी कारण मुझे टांके लगे थे, तब बताया गया था कि यह तीन से चार दिन में ठीक हो जाएंगे। इस कारण मैं प्लेऑफ तक पूरी तरह फिट हो जाऊंगा। हर्षल इस सत्र में वो आरसीबी के लिए सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। हर्षल ने 18 जबकि वानिंदू हसरंगा ने 24 विकेट लिए हैं।

मैनचेस्टर में प्रीमियर लीग फुटबॉल खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी उठाये हुए फर्नांडिंहो और अन्य खिलाड़ी।

बारिश बनी बाधा तो सुपर ओवर से तय होगा विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के 15 वें सत्र में होने वाले प्लेऑफ मुकाबलों में अगर बारिश की बाधा के कारण तय समय में खेल नहीं होता है तो विजेता टीम का निर्णय सुपर ओवर से होगा क्योंकि इसमें कोई रिजर्व दिन नहीं रखा गया है। आईपीएल के दिशानिर्देशों के अनुसार अगर एक भी ओवर फेंका नहीं जा सके तो लीग की तालिका में स्थिति के आधार पर ही विजेता का फैसला होगा। यह नियम क्वालीफायर एक, एलिमिनेटर, क्वालीफायर दो पर भी लागू होंगे।

वहीं खिताबी मुकाबले के लिए 30 मई का दिन रिजर्व रखा गया है। यह मुकाबला रात आठ बजे से खेल जाएगा।

आईपीएल के प्ले ऑफ मुकाबलों की शुरूआत कोलकाता में और वहां खराब मौसम के कारण सुपर ओवर का तरीका अपना जा सकता है। इसी को देखते हुए आईपीएल ने ये दिशानिर्देश जारी किए हैं। दिशानिर्देशों के अनुसार, 'प्रत्येक प्ले ऑ मैच में जरूरत पड़ने पर मैच के ओवरों की संख्या को प्रत्येक टीम के लिए कम से कम पांच ओवर की बल्लेबाजी तक कम किया जा सकता है।' साथ ही कहा गया, 'एलिमिनेटर और प्रत्येक क्वालीफायर में, अगर अतिरिक्त समय के बाद भी पांच ओवर का खेल पूरा नहीं हो पाता ओर अगर हालात साथ देते हैं तो संबंधित एलिमिनेटर या क्वालीफायर मुकाबले के विजेता का फैसला सुपर ओवर के जरिए होगा।

कोच को छेत्री के एशियाई कप क्वालीफायर में खेलने की उम्मीदें

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कहा है कि कप्तान सुनील छेत्री अगले महीने होने वाले एशियाई कप क्वालीफायर के लिए पूरी तरह फिट हो जाएंगे। साथ ही कहा कि भारतीय टीम क्वालीफायर जीतकर अगले साल चीन में होने वाले टूनार्मेंट के लिए अपनी जगह पक्की करेगी। छेत्री इस क्वालीफायर मुकाबले में उतरने के साथ ही छह महीने बाद टीम में वापसी करेंगे। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर में सैफ चैम्पियनशिप फाइनल में नेपाल के खिलाफ खेला था उस मैच में भारतीय टीम ने 3-0 से जीत हासिल की थी। स्टिमक ने कहा कि छेत्री पूरी तरह से फिट हैं और टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा , ह्व हमने उसे बहरीन और बेलारूस के खिलाफ मैचों में इसलिए नहीं उतारा क्योंकि उसे फिटनेस हासिल करने के लिए समय चाहिए था। यह ब्रेक उसके लिये अच्छा रहा और अब वह पूरी तरह से फिट है ह्ल इससे पहले छेत्री फिटनेस कारणों से ही मार्च में बेलारूस और बहरीन के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतरे थे।

वहीं कोच स्टिमक का करार भी सितंबर 2022 तक बढाया गया था और अब उन पर भी सभी की नजरें रहेंगी। उन्होंने कहा , ह्वअपेक्षायें तो हमेशा ही लगी रहती हैं। मुझे भरोसा है कि हमारी तैयारी अच्छी है। कुछ खिलाड़ी हमारे साथ नहीं है पर हम इसके बाद भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

भारतीय पैरा बैडमिंटन टीम ने अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप में जीते सात स्वर्ण

मनामा, एजेंसी। भारतीय पैरा बैडमिंटन टीम ने यहां पहली बहरीन पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात स्वर्ण के साथ ही कुल 23 पदक जीते हैं। भारत की ओर से युगल खिलाड़ी मनीषा रामदास ने दो स्वर्ण पदक जीते। इसके अलावा नित्या श्री सुमति सिवान (डब्ल्यूएस एसएच6) और डी पांडुरंगन तथा शिवराजन एस (युगल एसएच 6) ने भी स्वर्ण पदक हासिल किये। वहीं प्रमोद भगत और तरूण ढिल्लों ने भी स्वर्ण पदक हासिल किये। भगत के साथ ही मनीषा ने थाईलैंड के सिरिपोंग टीमारोम और निपाडा साएनसुपा को 21-14, 21-.11 से हराकर मिश्रित युगल में स्वर्ण अपने नाम किया। मनीषा और मनदीप कौर ने महिला युगल फाइनल में पलक कोहली और पारूल परमार को 21-11, 21-11 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नित्या ने इंग्लैंड की रशेल चूंग को 21-15, 21-15 से पराजित किया। मनदीप को महिला एसएल3 फाइनल में तुर्की की हलीमे यिदिज ने 21-5, 21-17 से हराया। युगल एसएच6 में डी पांडुरंगन और शिवराजन ने हांगकांग के चु मान केइ और वोंग युन यिम के रिटायर होने के बाद स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

खराब मौसम से राजस्थान रायल्स की उड़ान प्रभावित हुई

कोलकाता, एजेंसी। आईपीएल के 15 वें सत्र में मंगलवार को गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच होने वाले पहले क्वालिफायर मैच में मौसम बाधा बन सकता है। पहले क्वालिफायर के लिए यहां पहुंची राजस्थान रॉयल्स का कोलकाता तक का सफर भी खराब मौसम से प्रभावित हुआ। टीम ने सोशल मीडिया पर अपने कोलकाता पहुंचने का एक वीडियो शेयर किया है। इस सफर में राजस्थान के खिलाड़ियों को बीच उड़ान में मौसम खराब होने की वजह से हुई परेशानी को दिखाया गया है। जैसे ही राजस्थान रॉयल्स का विमान कोलकाता के करीब पहुंचा। तेज हवाओं और बारिश में फंस गया इस कारण उसे उतने में देरी हुई। इसके बाद खिलाड़ी विमान को जल्द उतारने की मांग करते दिखे। यहां शनिवार से ही मौसम खराब है जिसके अगले कुछ दिनों तक ठीक होने की संभावनाएं नहीं हैं। इससे भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) की मुश्किलें भी बढ़ी हैं।

पिछले दिनों से जारी तेज हवा और बारिश में कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। कोलकाता में भी आंधी, तूफान के साथ तेज बारिश का दौर जारी है। शनिवार को आये तूफान के कारण ईडन गार्डन को भी नुकसान हुआ था यहां तक कि प्रेस बाक्स भी टूट गया था। इसके अलावा कुछ विज्ञापन होर्डिंग भी टूट गए हैं। यही नही ग्राउंड कवर का एक हिस्सा भी उड़ गया था। जिसके बाद बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी यहां का दौरा कर कहा था कि मैच तक सभी कुछ ठीक कर दिया जाएगा।

फॉर्मूला 1 रेसिंग में ऑडी और पोर्श को प्रवेश की अनुमति मिली

वोल्फ्सबर्ग, एजेंसी। अब ऑडी और पोर्श भी फॉर्मूला 1 रेसिंग में नजर आएंगी। इन दोनो के प्रवेश को लेकर काफी समय से अटकलें चल रहीं थीं पर जर्मनी के वोल्फ्सबर्ग में एक कार्यक्रम के दौरान वोक्सवैगन समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हर्बर्ट डायस ने फॉमूर्ला वन में भाग लेने की खबरों को सही करार दिया। उन्होंने कहा कि ऑडी और पोर्श को वोक्सवैगन समूह के लिए फॉमूर्ला 1 में प्रवेश करने की अनुमति मिल गई है।

डायस ने कहा कि लंबी बैठक के बाद अब ब्रांड के निदेशक मंडल को लगता है कि फॉमूर्ला 1 में शामिल होने से लाभ ही होगा। अनुमान है कि ऑडी मैकलारेन को खरीदने का प्रयास करेगी जबकि पोर्श का लक्ष्य एक इंजन निमार्ता के रूप में प्रवेश करना है। डायस के अनुसार अभी उनकी नजरें 2026 के लिए होने वाले नियमों में बदलाव पर रहेंगी। भविष्य में नई कारें सिंथेटिक ईंधन पर चलाने की योजना है। पोर्श पहले ही अपनी कार 911 की लंबी उम्र को बढ़ावा देने के लिए सिंथेटिक ईंधन में भारी निवेश कर रही है। नियम में बदलाव का मतलब यह भी होगा कि सभी टीमें एक ही स्थिति से शुरूआत कर रही हैं, जिससे पोर्श और ऑडी को प्रतिस्पर्धी होने का अच्छा अवसर मिलेगा।

एमबापे पीएसजी के साथ ही रहेंगे , तीन साल का करार किया

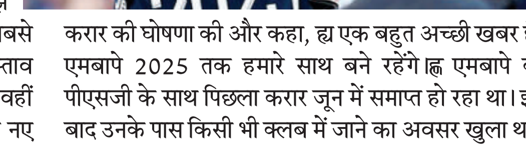

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर काइलन एमबापे ने कहा है कि वह अपने वर्तमान क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ ही रहेंगे और उनका स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड जाने का कोई इरादा नहीं है। एमबापे ने इसी के साथ ही मैड्रिड की क्लब से जुड़ने की पेशकुश ठुकरा दी। इस खिलाड़ी ने इसके बाद फ्रांसीसी लीग में अपने घरेलू मैदान पार्क डेस प्रिंस में खेले गए मैच में मेट्ज के खिलाफ शानदार हैट्रिक भी लगायी। इससे टीम को 5-0 की जीत मिली। एमबापे ने अपने प्रशंसकों से कहा , ह्वमैं पीएसजी और अपने शहर पेरिस में रहने से खुश हूं। मैं हमेशा कहता रहा हूं कि पेरिस मेरा घर है ह्ल उन्होंने साथ ही कहा, ह्वमुझे उम्मीद है कि मैं फुटबॉल खेलना जारी रखूंगा जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है ह्ल इस खिलाड़ी को रियल मैड्रिड ने बड़ा प्रस्ताव दिया था पर वह पीएसजी के साथ ही बने रहने से खुश हैं। वहीं इससे पहले पीएसजी के अध्यक्ष नासिर अल खेलाफी ने नए करार की घोषणा की और कहा, ह्व एक बहुत अच्छी खबर है। एमबापे 2025 तक हमारे साथ बने रहेंगे ह्ल एमबापे का पीएसजी के साथ पिछला करार जून में समाप्त हो रहा था। इसे बाद उनके पास किसी भी क्लब में जाने का अवसर खुला था।

नई नवेली दुल्हन के लिए किचन टिप्स

ससुराल की किचन क्वीन बनना चाहती हैं, तो खाना बनाने की ये टिप्स आप के बेहद काम आएंगे... शादी के बाद हर लड़की की एक ही चिंता होती है कि कहीं खाना बनाने में कोई ऐसी गड़बड़ न हो जाए, जिस से ससुराल वाले नाराज हो जाएं. आप की इस टेंशन को दूर करने में ये टिप्स मददगार साबित होंगे:

- दही पतला करना हो तो उस में पानी की जगह दूध मिलाएं।
- कसूरीमेथी को तवे पर हलका भून कर डालें।
- घर पर पनीर बनाएं तो बचे पानी का इस्तेमाल मठरी, भठूरे, नान का मैदा गूंधने में करें।
- कोफ्ते बनाते समय सूखा आलूबुखारा या इमली डाल कर रोल करें।
- डोसा बनाने वाले तवे पर रात को ही तेल लगा कर रखें। डोसा चिपकेगा नहीं।
- परांठे की हर परत पर घी लगा कर सूखा आटा बुरकें।
- खीर ज्यादा पतली हो गई हो तो थोड़ा कस्टर्ड पाउडर मिलाएं।
- तंदूरी रोटियां बच गइ हों तो सुबह तवे पर घी लगा कर गरम करें। परांठों का स्वाद देंगी।
- पिसे अनारदाने में नमक मिला कर रखें। कीड़ा नहीं लगेगा।
- राजमा, लोबिया, काले चने, छोले अगर एक कटोरी बना रही हैं, तो उस में 1 कटोरी टोमैटो प्यूरी डालें। ग्रेवी अच्छी बनेगी।
- सब्जी में कच्चा पनीर डाल रही हैं तो उसे हलदी मिले पानी में 15 मिनट भिगो कर डालें।
- पुलाव के लिए नमक डाल कर चावल उबालें। सब्जियां फ्राई करें। मिक्स कर लें। पुलाव खिलाखिला बनेगा।
- आटा गूंधने का समय न हो तो आटे को भिगो कर रख दें। 15 मिनट बाद घी का हाथ लगा कर मसलें। 2 मिनट में आटा तैयार हो जाएगा।
- आलू का बोंडा, गोभी, पनीर के पकौड़े बनाते समय बेसन के घोल में चुटकी भर मीठा सोडा डालें। पकौड़े क्रिस्पी बनेंगे।
- आलू उबाल कर फ्रिज में रखें। मनपसंद आकार में काट कर सुनहरा तल लें। मीठीखट्टी चटनी के साथ परोसें।
- पोहा पानी में भिगो दें। दूध उबालें उस में पोहा, चीनी और ड्राईफ्रूट्स डालें। झटपट खीर तैयार है।
- मीठी चटनी में कृत्रिम रंग न डालें। थोड़ी देगीमिर्च डाल दें।
- कुल्फी बनाते समय चुटकी भर मीठा सोडा दूध में डालें। मलाई नहीं आएगी।
- गैस स्टोव पर घी की परत जम जाए तो उस पर सोडा बुरकें और रगड़ कर साफ कर लें।
- रसोई का काम निबटाने के बाद गीले हाथों पर आटा या बेसन मलें। सारा मैल उतर जाएगा।
- मीठी चटनी बनाएं तो उस में चुटकी भर नमक डालें। चटपटी चटनी बनाएं तो 1/2 चम्मच चीनी डालें।

ऐसे करें नए बेबी का स्वागत

आजकल प्रति माह बच्चे का जन्म दिन मनाया जाना तो आम बात है पर इसके अतिरिक्त आप कुछ अन्य उपायों से भी अपने बच्चे के आगमन को यादगार बना सकते हैं.

यादों की डायरी बनाएं

प्रग्नेंट होने के दिन से ही आप एक डायरी बनाएं जिसमें इस अवस्था के अनुभवों को शेयर कीजिये। प्रतिदिन के अपने अनुभवों के साथ साथ आप इसमें अपने शरीर में होने वाले बदलावों, खान पान की आदतों में परिवर्तन, और गर्भ में होने वाले अनुभवों के बारे में विस्तार से लिखें। इसी डायरी में बेबी के जन्म के बाद के घटनाक्रम को अंकित करें मसलन उसके करवट लेने, चलने, खड़े होने, पलटने, बैठने, खड़े होने,चलने और दांत निकलने जैसी तमाम यादों को फोटो और उनकी तिथि लिखने के साथ साथ फोटोज भी लगाएं।

बेबी नर्सरी प्लान करें

आने वाले बच्चे के लिए घर में अपने पार्टनर के साथ मिलकर क्यूट सी एक नर्सरी बनाएं। इसमें आप रंग बिरंगे खिलौने फ्लोरल मोटिफ के साथ साथ छोटे छोटे टेडीबियर और आवाज वाले खिलौनों को स्थान दें।

खुशी को शेयर करें

परिवार में नए सदस्य का आगमन सोचकर ही मन खुशी से भर उठता है यदि आप इस खुशनुमा अवसर पर अकेले हैं तो अपनी खुशी को दोस्तों और नाते रिश्तेदारों के साथ जमकर शेयर कीजिये। केवल फोन पर शेयर करने के स्थान पर आप इस खुशी को शेयर करने के लिए आप स्वयम अपना ऑनलाइन ई कार्ड डिजाइन करके व्हाट्सअप पर शेयर करें। आप चाहें तो इस अवसर पर अपने घनिष्ठ मित्रों के साथ एक छोटी सी पार्टी भी प्लान कर सकतीं हैं।

बेबी बंप से करें बातें

अपने आने वाले बेबी से बातें करने के लिए बेबी बंप को सहलाएं, बेबी के मूवमेंट को महसूस करें, और हर स्टेज की फोटो लेकर इस अवस्था को अविस्मरणीय बनाएं। पहले के जमाने मे जहां बेबी बंप को लेकर महिलाओं में झिझक होती थी वही आज बेबी बंप महिलाओं के लिए गर्व की बात है जिसे लेकर पति पत्नी दोनों ही बहुत उत्साहित होते हैं। आजकल तो प्री बेबी शावर शूट का चलन है जिससे इस अवधि को यादगार बनाया जा सकता है।

ये तैयारी भी करें

बेबी के फुटप्रिंट लेने के लिए एक सफेद सूती कपड़ा और कोई हल्का सा रंग लाकर रखें ताकि आप अपने नन्हे पैरों का प्रिंट ले सकें। आजकल फुटप्रिंट लेने के लिए ऑनलाइन किट मिलती है जिससे आप बड़ी आसानी से बेबी के फुटप्रिंट ले सकतीं हैं। इसके अतिरिक्त आप आटे या प्लास्टर ऑफ पेरिस से भी फुटप्रिंट ले सकतीं हैं। इन्हें यादगार बनाने के लिए आप इसे आगे चलकर फ्रेम करवा लें।

नाम सोचकर रखें

बच्चे के आगमन से पूर्व उसका नाम अवश्य सोच लें क्योंकि नाम के अभाव में बच्चे को देखने आने वाले आगन्तुक किसी भी नाम से उसे पुकारना प्रारम्भ कर देते हैं जिससे कई बार उसका नामकरण ही वह उल्टा सीधा नाम ही हो जाता है। यदि आप पहले ही कोई नाम सोचकर रखते हैं तो सभी उसे उसी नाम से पुकारते हैं।

हाउसवाइफ हैं तो ध्यान दें

इन पांच तरीकों से हाउसवाइव्स भी कर सकती हैं अपना फाइनैंशियल फ्यूचर सिक्योर. भारत में ऐसी हाउसवाइव्स की तादाद बहुत ज्यादा है जो पूरी तरह अपने पति पर निर्भर हैं और किसी भी तरह के वित्तीय फैसलों में उनकी भागीदारी न के बराबर हैं. इसके बावजूद वह घर की मैनेजर होती हैं और उनकी जिम्मेदारी अपने घर के बजट को मैनेज करने की होती है.

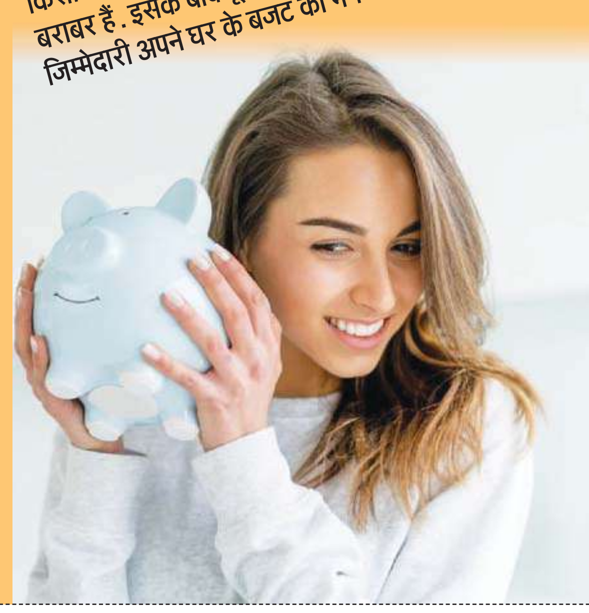

मनी फ्लो मैनेजमेंट

ज्यादातर घरों में हाउसवाइव्स केवल ग्रॉसरी की खरीदारी तक ही सीमित हो जाती हैं। लेकिन हाउसवाइव्स को इसके आगे बढ़ते हुए फाइनेंस को मैनेज करने का तरीका पता होना चाहिए। इससे पता चलेगा कि कहां आपको ज्यादा खर्च करना है और कहां बचाना है। और यह कोई रॉकेट साइंस नहीं और न ही इसके लिए किसी एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत है। आप इसे खुद से या अपने पति के सलाह से भी कर सकती हैं।

खर्च कंट्रोल करना

अब जब आप मनी फ्लो मैनेजमेंट करना जान गईं हैं तो अब बारी है खर्चों पर कंट्रोल करने की, जैसे- अगर आपके घर का बिजली का बिल 2 हजार हर महीने आता है तो आपको सोचने की जरूरत है कि कैसे आप इसे कम कर सकती हैं। अगर आप हर रोज वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल करती हैं तो हफ्ते में 3-4 दिन ही इस्तेमाल करें। ऐसी ही कई चीजों का ध्यान रखकर आप खर्चों में कटौती कर सकती हैं।

बचत, बचत और सिर्फ बचत

हमेशा पैसों की बचत के बारे में सोचें। इसके लिए सबसे पहला कदम है एक अकाउंट खोलना। इसके अलावा आप सरकार की ओर से चलाई जा रही जीवन ज्योति जैसी तमाम तरह की योजनाओं में भी अपना रजिस्ट्रेशन करवा कर फायदा उठा सकती हैं। आप चाहें तो महंगी ब्रांडेड दवाओं की जगह सस्ती जेनेरिक दवाओं का इस्तेमाल करके भी पैसे बचा सकती हैं।

घर बैठे कमाएं पैसे

अगर आप पढ़ी लिखी हैं इसके बावजूद घर की जिम्मेदारियों के चलते आप अपने पति की कोई मदद नहीं कर पा रही हैं तो घर बैठे पैसे कमाने की तरकीब ढूंढना शुरू कर दें। आप फ्रीलांसर की तरह काम कर सकती हैं। इसके अलावा अगर आपकी पेंटिंग, डांसिंग, टीचिंग जैसी कोई हॉबी है तो आप इसके लिए अलग से क्लास चला सकती हैं और घर में क्लास लेकर पैसे कमा सकती हैं।

निवेश करें

निवेश की पहली सीढ़ी है बचत। अगर आप हर महीने पैसे बचाती हैं तो आपको सोचना चाहिए कि महंगाई को काटते हुए कैसे आप अपने पैसे को बढ़ा सकती हैं। कभी भी पैसे को अकाउंट में या घर पर भी खाली पड़े नहीं देना चाहिए। उसे फिक्स या फिर रिकरिंग डिपॉसिट में निवेश करना चाहिए। अगर आपका पैसा 10 हजार से बढ़कर 11 हजार भी हो जाता है तो यह एक फायदे का सौदा है।

मुलेठी पाउडर का फेस पैक

स्किन को करें टाइट

चेहरे पर काली झाइयां, झुर्रियां, डार्क सर्कल्स आपकी खूबसूरती में बदसूरती के दाग पड़ने लगते हैं। इसके बाद आप कितने भी क्रीम पाउडर लगा लें आपको किसी तरह से आराम नहीं मिलेगा। या थोड़ी देर में ही क्रीम पाउडर भी खत्म हो जाता है। लेकिन नानी मां का एक नुस्खा है जो आपकी त्वचा का ग्लो भी बढ़ाएगा और स्किन को टाइट भी करेगा। तो आइए जानते हैं मुलेठी पाउडर के फेस पैक के बारे में कैसे बनता है और कैसे लगाएं और फायदे –

मुलेठी पाउडर का फेस पैक कैसे बनाएं

सामग्री - 2 चम्मच मुलेठी पाउडर, शहद (अगर स्किन ड्राई है तो शहद नहीं मिलाएं) और गुलाबजल।
विधि - तीनों को अच्छे से मिक्स कर लें और चेहरे पर लगा लें। ध्यान रहे इसे लगाने के बाद कोई हलचल नहीं करें। इसे लगाकर सो जाए। जब तक वह पूरी तरह से सूख नहीं जाता है। सप्ताह में दो बार इस फेस पैक को लगाएं।
मुलेठी फेस पैक के फायदे
- डेड स्किन को निकालता है।
-स्किन पोर्स को साफ करता है।
-स्किन टाइट होती है।
-फुंसी, पिंपल और मुहांसों से छुटकारा मिलता है।
- स्किन की गहराई तक सफाई करता है।

हाइड्रोजन पेरोक्साइड से साफ करें घर

घर को साफ रखने के लिए आप कितनी मेहनत करती हैं। पर कुछ जिद्दी दाग ऐसे होते हैं, जो साफ ही नहीं होते। घर को साफ रखने के लिए आप कितनी मेहनत करती हैं। पर कुछ जिद्दी दाग ऐसे होते हैं, जो साफ ही नहीं होते। पर हाईड्रोजन पेरोक्साइड से घर के कई चीजें साफ हो सकती हैं। आपने हाईड्रोजन पेरोक्साइड से पेडीक्योर करते सुना होगा, पर इससे घर की बहुत सी चीजें भी साफ की जाती हैं।

इन चीजों को साफ करें हाईड्रोजन पेरोक्साइड से

चौपिंग बोर्ड

चौपिंग बोर्ड पर रॉ मीट काटने के बाद उसे हाईड्रोजन पेरोक्साइड से साफ करें। चौपिंग बोर्ड से बैक्टीरिया भी क्लीन हो जाएंगे। हल्का सा नमक लगाकर धो लें और धूप में सुखायें।

आपका टूथब्रश

आप टूथब्रश से अपने दांतों की सफाई करते हैं। जाहिर सी बात है कि आपका टूथब्रश भी कीटाणु से भरा होगा। आप हर दिन उसी टूथब्रश से अपने दांतों की सफाई करते हैं। अपने टूथब्रश को कुछ दिनों के अंतराल पर जरा से हाईड्रोजन पेरोक्साइड में डूबा कर रखें। इससे आपके टूथब्रश से कीटाणु की मात्रा कम हो जाएगी।

पौधों को फंगस से बचाये

आप हाईड्रोजन पेरोक्साइड से पौधों की सफाई नहीं कर सकतीं। पर पौधों को फंगस से जरूर बचा सकती हैं। 30ml हाईड्रोजन पेरोक्साइड को 1 कप पानी में मिलायें और इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालें। पौधों पर रोजाना स्प्रे करें। पौधे फंगस फ्री रहेंगे।

बच्चों के कमरे की सफाई

4:1 के रेशियो में हाईड्रोजन पेरोक्साइड और पानी को स्प्रे बोटल में भर लें। अब इससे बच्चों के कमरे में रखे खिलौनों, डोरनोब, कार्पेट आदि को डिस्इन्फेक्ट करें। कार्पेट पर स्प्रे करने से पहले इसे कार्पेट के एक कोने पर ट्राई जरूर कर लें।

वाशिंग मशीन

टूथब्रश की तरह ही हाईड्रोजन पेरोक्साइड का इस्तेमाल आप किसी भी ऐसी चीज को साफ करने के लिए कर सकते हैं, जिससे दूसरों को चीजों को साफ किया जाता है। 1 कप हाईड्रोजन पेरोक्साइड डिटरजेंट कंपार्टमेंट में डालें। और मशीन को एक लंबे साइकल के लिए चला दें।

टी-शर्ट

हमारे कपड़ों पर पसीने के दाग लग जाते हैं। आप टी-शर्ट से पसीने के दाग को भी हाईड्रोजन पेरोक्साइड की मदद से हटा सकती हैं।

कार्पेट खरीदने से पहले जरूर पढ़ लें ये टिप्स

कार्पेट खरीदने से पहले कार्पेट खरीदने के कुछ टिप्स जानना बेहद जरूरी है। तो चलिए हम आपको कार्पेट खरीदने के टिप्स बता रहे हैं। घर के लिए अच्छा कार्पेट खरीदना मुश्किल कामों में से एक होता है। कारण बाजार में अनेक रंगों, सामग्री और अनेकों डिजाइन में उपलब्ध कार्पेट हैं। कालीन या कार्पेट से बच्चों को खेलने के लिए आरामदायक और सुरक्षित फर्श मिलता है। कार्पेट खरीदने से पहले कार्पेट खरीदने के कुछ टिप्स जानना बेहद जरूरी है। कुछ कार्पेट्स को नियमित रूप से साफ करना आवश्यक होता है जो कि व्यस्त दिनचर्या में बहुत मुश्किल है। बेकार कार्पेट्स का रंग छूटता है, ये खराब जल्दी होती हैं और इनमें लगे दागों को हटाना भी मुश्किल होता है। आप पैसा खर्च कर रही हैं इसलिए जरूरी है कि अच्छी चीज खरीदें। तो चलिए हम आपको कार्पेट खरीदने के टिप्स बता रहे हैं।

कार्पेट की गद्दी अच्छी हो

कार्पेट के नीचे भराव या गद्दीदार परत रखें। कार्पेट के लिए अच्छी भराव सामग्री चुनें। इससे फर्श के साथ कुछ परेशानी होने पर भी यह जल्दी नहीं उधड़ती है। रबर या फोम की भराव सामग्री लें। अनेक प्रकार के कार्पेट स्टाइल देखें ऐसी कार्पेट चुनें जो कि आपकी स्टाइल के अनुसार हो। कुछ कार्पेट्स पर पैरों के निशान, वैक्यूम के निशान आदि रह जाते हैं, जैसे मखमल की कार्पेट्स। सेक्शन कार्पेट्स काफी सामान्य कार्पेट्स हैं जिन्हें ऐसी जगह बिछाया जा सकता है जहां लोग कम आते-जाते हैं जैसे कि लिविंग रूम, मास्टर बेड रूम आदि।

कैसी कार्पेट चुनें

ऐसी कार्पेट चुनें जिसमें कोई वाष्पशील पदार्थ ना हो जैसे कि फोरमलडेहाइड या अन्य कोई केमिकल जो कि इन्स्टालेशन के बाद एक विशेष बदबू दे। ऊन या जैविक सामग्री जैसे प्राकृतिक उत्पादों से बने कार्पेट्स चुनें।

मेंटेनेंस की जरूरत को भी समझें

ऐसी कार्पेट चुनें जिसमें कम मेंटेनेंस खर्च कम हो और सावधानी भी कम रखनी पड़े। दाग प्रतिरोधक कार्पेट चुनें और ज्यादा भारी मेंटेनेंस खर्च वाली कार्पेट्स को छोड़ दें। वारंटी पर भी ध्यान दें किसी कार्पेट को सिर्फ इसलिए नहीं खरीदें कि उसकी लंबी वारंटी है। कार्पेट्स की सबसे बड़ी समस्या उसका मैनुफैक्चरिंग डिफेक्ट नहीं बल्कि गलत इन्स्टालेशन होता है।

पैसा खराब ना करें

ऐसा नहीं है कि महंगी कार्पेट्स आरामदायक होते हैं। उस पर खर्च करने लायक कीमत और इन्स्टालेशन चार्ज ध्यान से देख लें, ये तुलना आप विभिन्न डीलर्स के पास कर सकती हैं। यह कार्पेट खरीदने का सबसे अच्छा तरीका है। कार्पेट प्रोवाइडर का चुनाव ध्यान से करें। आप कहां-कहां से कार्पेट खरीद सकती हैं इसके सभी विकल्पों पर ध्यान दें। ऐसे स्टोर से खरीदें जहां बहुत वैराइटी हो और आपके बजट में सूट करे।

आज की रेसिपी

राजमा चावल

सामग्री :

- 175 ग्राम चावल उबलाकर पानी निकला हुआ
- 4 टेबल स्पून तेल
- 1 हरी शिमला मिर्च, टुकड़ों में कटा हुआ
- 1 लाल शिमला मिर्च, टुकड़ों में कटा हुआ
- 2 प्याज, टुकड़ों में कटा हुआ
- 2 हरी मिर्च, डी-सीड और कटी हुई
- 3 टमाटर, मोटेतौर पर कटा हुआ
- 100 ग्राम राजमा पका हुआ
- 1 टेबल स्पून ताजा तुलसी के पत्ते
- 1 टी स्पून ड्राई थाइम (या आप अजवाइन का भी उपयोग कर सकते हैं)
- 1 टी स्पून पेपरिका (लाल मिर्च या चिली फलेक्स)
- 1/2 टी स्पून लहसुन पाउडर
- 1/2 टी स्पून कालीमिर्च क्रश
- 1/2 टी स्पून ड्राई प्याज का पाउडर

विधि :

- एक पैन में तेल गरम करें.
- प्याज, लाल मिर्च और शिमला मिर्च को नरम होने तक फ्राई करें.
- मिर्च और टमाटर डालें और 2 मिनट तक पकाएं.
- राजमा और चावल के साथ मिक्स.
- हर्ब और मसाले डालें
- अच्छी तरह से मिलाएं
- बैजल के पत्ते डालकर से गार्निश करें.

दिसंबर की छुट्टियां मनाएं...

दिसंबर का महीना और सर्दियों का मौसम। साल भर से बचाई हुई छुट्टियों को इनवेस्ट करने का वक्त आ गया है। दिसंबर का महीना और सर्दियों का मौसम। साल भर से बचाई हुई छुट्टियों को इनवेस्ट करने का वक्त आ गया है। ऑफिस में डालिए एप्लिकेशन और साल के आखिरी वक्त को जी भर के ऐंजॉय कीजिए। हमारे देश के ऐसे कई हिस्सें हैं जो सर्दियों में और भी खूबसूरत हो जाते हैं। तो बस, बैग पैक करिए और सोलो या फिर फैमिली ट्रिप पर निकल पड़िए।

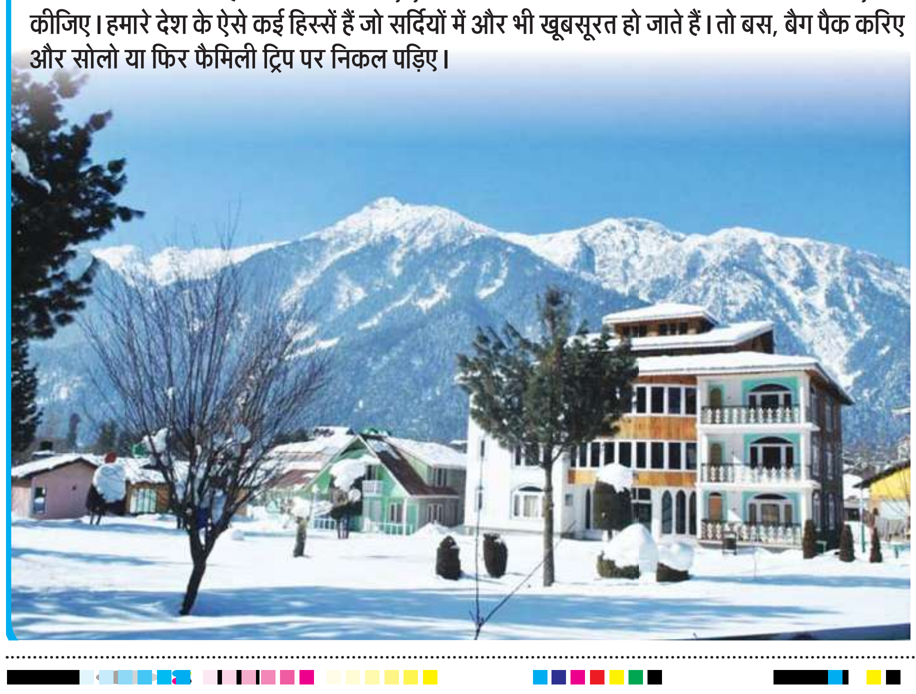

जम्मू कश्मीर

वादि की खूबसूरती किससे छुपी है? दिसंबर की बर्फबारी का मजा लेने के लिए और ग्लेसियर के अद्भुत नजारों के लिए सोनमर्ग का रुख कीजिए। स्लेज राइड हो या फिर स्कींग। अगर आपको एडवेंचर पसंद है तो आप यहां जरूर जायें।

शिलांग

दिसंबर में यह जगह जन्नत सरीखी हो जाती है। यहां के उन्मगोत नदी का पानी इतना साफ है की पानी पर चल रही नाव हवा पर चलती हुई लगती है। यहां पर आप नदी के अलावा ताइसीम फेस्टीबल, बाघमारा, पिंजेरा फेस्टीबल, तुरा विंटर फेस्तीबल के भी मजे ले सकती है।

हिमाचल प्रदेश

डलहाउजी की खूबसूरती सर्दियों में और बढ़ जाती है। सर्द हवायें, बर्फ से ढके पहाड़। ये नजारे आपकी चिंताओं को कुछ देर के लिए तो जरूर दूर कर देंगे। इसके अलावा आप यहां नेशनल हिमालयन विंटर ट्रेकिंग एक्सपीडिशन का हिस्सा भी बन सकती हैं।

शिमला

दिसंबर में आप पहाड़ों की रानी को मिस नहीं कर सकती। हनीमून के लिए आईडल शिमला में थोड़ी भीड़-भाड़ है। पर आप चैल टाउन जाकर सुकून के कुछ पल जरूर बिता सकती हैं।

उत्तराखंड

बर्फ से ढके नीलकंठ, माना पर्वत और नंदा देवी की पहाड़ियां एक अलग एहसास दिलाती है। आप यहां आकर खुद को आजाद महसूस करेंगी। यहां आप स्कींग सीख भी सकती हैं और अगर आपको स्कींग आती है तो आप नेशनल चैंपियनशीप ऑफ स्कींग में हिस्सा जरूर लें।

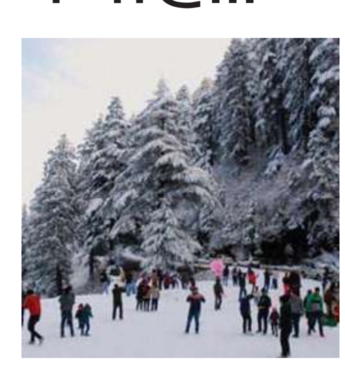

लेह-लदाख

हर बाइकर का सपना होता है कि वह जिन्दगी में एक बार लेह लद्दाख जरूर जाए। यहां पर देश का इकलौता फ्रोजन आइस ट्रेक है। ट्रेकिंग के शौकिनों के लिए दिसंबर में लेह-लद्दाख जाना बेस्ट रहेगा। क्या आप बर्फ पर बैठकर चाय की चुस्की लेने का जज्बा रखती हैं। तो यहां का रुख करें।